जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत
Metro
Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

Death in the Surgeon's Hand
The Second Victim

A friend of mine once said: "There is a quiet cemetery in your mind in which all those who died under your care dwell"

The Mouawad 1001 Nights Purse

"Moon Episode"

Moonlit Love: The Night the Princess Fell for Bilhana

'ग्रेट फ्लॉप को महासफलता कैसे साबित करते हैं, कोई गहलोत से सीखे'

पटना में गहलोत ने लालू यादव के समक्ष पूर्ण आत्मसमर्पण किया, पर, पटना, जयपुर और दिल्ली में उनका प्रचार तंत्र यह स्थापित करने में लगा रहा कि कैसे गहलोत ने कांग्रेस की डूबती नैया बचा ली

- दबाव में तेजस्वी को महागठबंधन का मुख्यमंत्री उम्मीदवार तो उन्होंने घोषित किया, किन्तु बदले में कांग्रेस के लिए कुछ हासिल नहीं कर पाए, लालू यादव से।
- न तो उपमुख्यमंत्री बनाने का आश्वासन ले सके और ना ही आठ ''फ्रैंडली कॉन्टैस्ट'' वाली सीटों पर से आरजेडी के उम्मीदवार बैठा सके।
- उनकी सोशल मीडिया टीम अब यह स्थापित करने का प्रयास कर रही है कि गहलोत पुनः सोनिया गांधी की गुड बुक्स में हैं तथा सोनिया उन्हें सीधे फोन करके निर्देश देती हैं। यही नहीं, यदि वे पटना में हस्तक्षेप नहीं करते तो कांग्रेस का बंटाधार तय था।
- असलियत यह है कि बिहार प्रभारी अल्लूवेरा ने लालू, तेजस्वी से संबंध इतने खराब कर लिये थे कि वेणुगोपाल ने स्वयं निर्देश दिया, पटना जाने के लिए, किन्तु वहाँ जाकर गहलोत कुछ भी हासिल नहीं कर पाए।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। यह कहानी है कि कैसे कांग्रेस और उसके नेताओं ने बिहार की स्थिति को बिगाड़ दिया और एक-दूसरे के खिलाफ काम किया।

राहुल गांधी ने अपने प्रिय "अल्लुवेरा" को बिहार का एआईसीसी प्रभारी नियुक्त किया।

वे घमंडी और अड़ियल हैं, राजनीति कैसे काम करती है, कैसे लेन-देन और समझौते होते है, उन्हें इसकी समझ नहीं है।

उन्होंने राहुल गांधी को यह विश्वास दिलाया कि वे तेजस्वी यादव और लालू यादव के साथ कड़ी सौदेबाजी कर रहे हैं और अंततः उनसे अच्छी डील हासिल कर लेंगे।

उन्होंने महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरे के रूप में तेजस्वी यादव की घोषणा करने से इनकार कर दिया।

जब यादवों का दबाव बढ़ा तो के. सी. वेणुगोपाल एक्शन में आए और अशोक गहलोत को एक वरिष्ठ पर्यवेक्षक के रूप में पटना भेजा।

दिलचस्प बात यह है कि जब गहलोत लालू यादव से मिलने गए तो तेजस्वी भी वहां थे। तेजस्वी ने अल्लुवेरा को कमरे में घुसने तक की अनुमति नहीं दी और उन्हें बाहर ऑफिस में इंतजार करने के लिए कहा।

ये थीं गहलोत की कांग्रेस को बचाने और तेजस्वी को नियंत्रण में रखने की कोशिशें!

बैठक में लालू ने गहलोत से पूछा कि वे तेजस्वी को महागठबंधन का चेहरा क्यों नहीं घोषित कर रहे हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केन्द्र सरकार ने आठवें वेतन आयोग का गठन किया

नयी दिल्ली, 28 अक्टूबर। सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन और भत्तों में संशोधन की सिफारिशों के लिए मंगलवार को आठवें वेतन आयोग के गठन के साथ-साथ उसके काम के दायरे

- जस्टिस रंजना देसाई अध्यक्ष होंगी, 18 माह में रिपोर्ट।

और शर्तों को भी मंजूरी दे दी। आयोग को अठारह महीने में रिपोर्ट देनी होगी।

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक के बाद, सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को बताया कि उच्चत्तम न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई आयोग की अध्यक्ष होंगी। भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलुरु के प्रोफेसर पुलक घोष को आयोग का अस्थायी सदस्य बनाया गया है और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव पंकज जैन इसके सदस्य सचिव होंगे। आयोग 18 महीने में अपनी सिफारिशें देगा और जरूरी होने पर सरकार को अंतरिम रिपोर्ट भी दे सकता है। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद जारी एक आधिकारिक विज्ञिप्त के अनुसार, आयोग अपनी रिपोर्ट तैयार करते समय देश की आर्थिक स्थिति और राजकोषीय सुझबूझ का ध्यान रखेगा, ताकि सरकारी खजाने में विकास और जनकल्याण के लिए संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता भी बनी रहे।

'नीतीश की पार्टी का अंत बहुत शर्मनाक होगा'

'चुनाव के बाद जदयू के टुकड़े-टुकड़े होंगे और उसके बचे हुए विधायकों को अन्य पार्टियां खा जायेंगी'

- तेजस्वी ने छाती फुलाकर यह गर्वोक्ति ठोकी, चुनाव के बाद नीतीश से हाथ मिलाने की संभावनाओं पर
- प्रशांत किशोर ने भी यह भविष्यवाणी की है कि नीतीश के विधायकों की संख्या 25 से कम रहेगी।
- यह सच है कि उनके गिरते स्वास्थ्य और कमज़ोर होते राजनीतिक चातुर्य के बावजूद नीतीश का भविष्य अभी भी बिहार चुनाव में अबूझ पहेली बना हुआ है।
- एक चर्चा है कि जदयू से बड़ी पार्टी के रूप में उभरने के बाद भाजपा अपने चयनित उम्मीदवार नित्यानंद राय को मुख्यमंत्री उम्मीदवार बनायेगी तथा नीतीश के बेटे को कैबिनेट मंत्री का ऑफर देगी।
- दूसरी अन्य चर्चा के अनुसार, नीतीश चुनाव के बाद एनडीए में बड़े भाई होने का रूतबा पुनः स्थापित करेंगे। भाजपा के उम्मीदवारों के पक्ष में कतई प्रचार नहीं करेंगे।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। आगामी बिहार चुनाव ने एक रोमांचक सस्पेंस खड़ा कर दिया है-क्या नीतीश कुमार की जेडीयू चुनाव के बाद बिखर जाएगी? या फिर कुमार मुख्यमंत्री बने रहने के लिए एक बार फिर पलटी मारकर आरजेडी से हाथ मिला लेंगे?

महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव के अनुसार, एनडीए नीतीश कुमार को दोबारा मुख्यमंत्री नहीं बनाएगी और चुनाव के बाद जेडीयू टूट जाएगी। उन्होंने हाल ही में कहा, "तो फिर चुनाव के बाद जेडीयू से गठबंधन का सवाल ही कहां उठता है," वहीं, जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर का कहना है कि 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में जेडीयू की सीटें 25 से भी नीचे रह जाएंगी और पार्टी को बाकी राजनीतिक दल निगल जाएंगे। जेडीयू के भीतर भी कार्यकर्ताओं में यह असमंजस है कि कुमार अगला कदम क्या उठाएंगे। असल बात यह है कि भले ही उनकी बिगड़ती मानसिक सेहत और भाजपा के साथ चुनावी सौदेबाजी में कमजोर पड़ने की छवि बन गई हो, लेकिन नीतीश कुमार इस चुनाव के भी सबसे अहम और रहस्यमय चेहरे बने हुए हैं। इस समय भी उनके राजनीतिक कौशल को कम आंकना समझदारी नहीं होगी, भले ही अब उन्हें उनके राजनीतिक जीवन के अंतिम चरण में माना जा रहा हो।

कई तरह की अटकलें चल रही हैं। पहली तो यह कि अगर एनडीए में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरती है, तो वह अपने पसंदीदा नेता नित्यानंद राय को मुख्यमंत्री बनाएगी और नीतीश कुमार के बेटे को मंत्री पद दे देगी। दूसरी अटकल यह है कि नीतीश कुमार भाजपा उम्मीदवारों के प्रचार से दूरी बनाकर एनडीए गठबंधन में फिर से अपने 'बड़े भाई' के दर्जे को कायम रखेंगे। पटना के राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि कुमार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस सप्ताह बिहार में होने वाली रैली में शामिल न होने का फैसला किया है। यह भी खबर है कि उन्होंने आरजेडी के साथ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जनसुराज पार्टी के मुखिया प्रशांत किशोर भारी मुश्किल में फंसे

चुनाव आयोग ने किशोर को नोटिस भेजकर आरोप लगाया है कि उनका नाम बिहार के साथ-साथ बंगाल में भी रजिस्टर्ड है

- सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार वे तृणमूल कांग्रेस के मुख्यालय के पते पर बतौर वोटर रजिस्टर्ड है और बिहार में अपने पैतृक गांव से भी वे मतदाता हैं।
- इस खुलासे के बाद विपक्षी दलों कांग्रेस, राजद व जद (यू) ने प्रशांत किशोर के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है जद (यू) प्रवक्ता ने कहा, किसी चुनाव रणनीतिकार को उस राज्य में वोटर बनने की क्या जरुरत है जहां वह अपनी सेवाएं देता है। भाजपा ने कहा प्रशांत किशोर किसी बड़ी साजिश में शामिल है।
- आरजेडी ने कहा इस प्रकरण से स्पष्ट है कि एसआईआर प्रक्रिया में एक बड़ा धोखा है।
- जनसुराज पार्टी ने कहा कि किशोर ने बंगाल से नाम हटाने के लिए आयोग को पत्र लिखा था, उसके बाद उन्होंने बिहार में अपना नाम वोटर लिस्ट में जुड़वाया है।

-डॉ. सतीश मिश्रा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर विवाद में फंसते हुए नजर आ रहे हैं। उन्हें भारत के चुनाव आयोग से एक नोटिस प्राप्त हुआ है, जिसमें यह आरोप लगाया गया है कि वे बिहार, अपने गृह राज्य के साथ-साथ पड़ोसी पश्चिम बंगाल में भी मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं।

आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, किशोर पश्चिम बंगाल के 121, कालीघाट रोड पर, जो कोलकाता के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में तृणमूल कांग्रेस का मुख्यालय है और जो मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी का निर्वाचन क्षेत्र है, में मतदाता के रूप में पंजीकृत है।

एक अधिकारी ने बताया, "उनका मतदान केन्द्र सेंट हेलेन स्कूल, बी. रानीशंकारी लेन पर सूचीबद्ध है।"

2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के दौरान, किशोर तृणमूल कांग्रेस के लिए राजनीतिक सलाहकार के रूप में काम कर रहे थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राष्ट्रपति मुर्मू राफेल में उड़ान भरेंगी

नयी दिल्ली, 28 अक्टूबर। तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु बुधवार को भारतीय वायु सेना के अत्याधुनिक लड़ाकू विमान राफेल में उडान भरेंगी। राष्ट्रपति इससे पहले वायु सेना के सुखोई 30 एमकेआई लड़ाकू विमान में भी उडान भर चुकी हैं।

राष्ट्रपति सचिवालय ने मंगलवार को बताया कि श्रीमती मुर्मु बुधवार को अंबाला वायु सेना स्टेशन से राफेल लड़ाकू विमान में उडान भरेंगी।

- वे पूर्व में सुखोई लड़ाकू विमान में भी उडान भर चुकी हैं।

राफेल भारतीय वायु सेना का प्रमुख लड़ाकू विमान है और इसने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विभिन्न अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

सूत्रों के अनुसार अंबाला वायु सेना स्टेशन पहुंचने पर राष्ट्रपति को सम्मान स्वरूप गार्ड आफ ऑनर दिया जायेगा। राष्ट्रपति को राफेल विमान के बारे में भी जानकारी दी जायेगी। इसके बाद वह विमान में उडान भरेंगी।

क्या ट्रंप और शी जिनपिंग की मुलाकात अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में निर्णायक मोड़ साबित होगी

लम्बे अर्से बाद 30 अक्टूबर को दक्षिण कोरिया के बुसान के एशिया पसैफिक कोऑपरेशन समिट में दोनों की मुलाकात प्रस्तावित है

- यह मुलाकात एशिया में नया शक्ति संतुलन पैदा कर सकती है, जो भारतीय कूटनीति की कड़ी परीक्षा साबित हो सकता है।
- अगर, अमेरिका व चीन में समझौता होता है तो भारत के लिए इसका प्रभाव आर्थिक और सामरिक दोनों होने की संभावना है। वैकल्पिक मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की स्थिति कमज़ोर पड़ सकती है। यही नहीं, तब चीन सामरिक मसलों पर भारत पर हावी होने की कोशिश कर सकता है।
- अगर, अमेरिका व चीन में समझौता हुआ तो भारत को दोनों खेमों में अपनी न केवल स्वतंत्रता बनाए रखनी होगी, बल्कि, दोनों खेमों के लिए जरूरी भी बने रहना होगा।

- सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच दक्षिण कोरिया के बुसान में 30 अक्टूबर, 2025 को एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन में होने वाली मुलाकात वैश्विक व्यवस्था में एक निर्णायक क्षण साबित हो सकती है। व्यापारिक रिश्तों में तनाव, प्रौद्योगिकी प्रतिस्पर्धा और भू-राजनीतिक बदलावों के बीच कई वर्षों बाद दोनों की आमने-सामने वार्ता हो रही है।

दांव बहुत बड़ा है। अमेरिका ने चीन के सामान पर 155 प्रतिशत तक के शुल्क लगाने की धमकी दी है, अगर नया व्यापार समझौता नहीं होता है तो, जबकि बीजिंग ने मुख्य प्रौद्योगिकियों और दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के निर्यात पर नियंत्रण कर लिया है। इन कदमों ने वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं को हिला दिया है और बाजारों को अस्थिरत कर दिया है। उम्मीद है कि व्यापार से परे, ट्रंप और शी संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा करेंगे, ताइवान और समुद्री विवादों से लेकर चीन के रूस के साथ ऊर्जा संबंधों तक सभी मसलों पर वार्ता करेंगे। बुसान में दोनों नेताओं के लिए यह एक अवसर है अपने बढ़ते प्रतिद्वंदी संबंधों को फिर से स्थापित करने का या कम से कम पुनः समायोजित करने का।

भारत के लिए, इसका प्रभाव आर्थिक और सामरिक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। अमेरिका और चीन के बीच किसी भी समझौते से वैश्विक शुल्क और प्रौद्योगिकी प्रवाह फिर से आकार ले सकते हैं, जिससे भारत को अपनी सोर्सिंग और निर्यात रणनीतियों पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है। अगर तनाव कम होते हैं, तो भारत की वैकल्पिक निर्माण केंद्र के रूप में स्थिति कमज़ोर हो सकती है। यदि तनाव बढ़ते हैं, तो भारत को लाभ हो सकता है क्योंकि बहुराष्ट्रीय कंपनियां चीन से आपूर्ति-श्रृंखला विविधीकरण को बढ़ावा देंगी।

यह मुलाकात एक व्यापक प्रतीकात्मक महत्व भी रखती है। यह उस दुनिया में हो रही है, जो टूटे हुए व्यापारिक गुटों, फिर से उभरते राष्ट्रीयतावाद और प्रौद्योगिकी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

साइकलोन 'मोंथा' आंध्र पहुँचा

चेन्नई, 28 अक्तूबर। बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवाती तूफान मोंथा मंगलवार शाम आंध्र प्रदेश तट से टकराना शुरू हो गया है।

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) चेन्नई की निदेशक बी. अमुधा ने बताया कि तूफान के तट से टकराने की प्रक्रिया (लैंडफॉल) शुरू हो चुकी है और इसे पूर्ण रूप से तट पार करने में तीन से चार घंटे का समय लगेगा।

उन्होंने बताया कि मोंथा बीते छह घंटों में लगभग 17 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उत्तर-उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ा और आज शाम साढ़े पाँच बजे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर केन्द्रित था।

मौसम विभाग (आईएमडी) ने तटीय आंध्र प्रदेश के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। तेलंगाना, तमिलनाडू में और महाराष्ट्र के तटवर्ती झेत्रों में चक्रवात के कारण बारिश शुरू हो गई है और प्रशासन ने एहतियात बरतने को कहा है।

बांग्लादेश ने पाकिस्तानी जनरल को जो नक्शा भेंट किया है, उसमें नॉर्थ ईस्ट, पश्चिम बंगाल और बिहार को भी ग्रेटर बांग्लादेश का हिस्सा दिखाया है

पाकिस्तान के जनरल निंरतर बाँग्लादेश की यात्राएँ कर रहे हैं, आपसी सहयोग की कसमें खा रहे हैं

- इस्लामिस्ट रेडिकल व टैररिस्ट संस्थाएँ भी नज़दीक आ रही हैं, दोनों सरकारों के प्रश्रय से।
- इन घटनाक्रमों से प्रोत्साहित पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष मुनीर ने भारत को चेतावनी दी है कि अगले युद्ध में हमले केवल सेना के ठिकानों पर ही नहीं होंगे।
- और यह भी दंभ भरा कि अगला इण्डो-पाक युद्ध पूर्व से शुरु होगा और निर्णायक होगा।
- नॉर्थ ईस्ट में भारत की कमज़ोरी है, चिकन नैक, जो सिलीगुड़ी में है, वह पतला भूमि का टुकड़ा है, उसे अगर काट दिया जाए तो भारत का नॉर्थ ईस्ट से संपर्क खत्म हो जाता है।
- इस परिदृश्य में भारत ने अफगानिस्तान से दोस्ती करके अपनी स्थिति मजबूत की है, जो पाकिस्तान को रास नहीं आ रहा।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। दक्षिण एशियाई उपमहाद्वीप की भूराजनैतिक स्थिति में एक खतरनाक मोड़ आ गया है। सीमा पार की कड़ियां अब स्पष्ट रूप से मजबूत हो रही हैं, जो किसी भी टकराव की स्थिति में क्षेत्रीय संघर्षों को और बढ़ाने वाले कारक बन सकती हैं।

विशेष रूप से, भारत ने आखिरकार अफगानिस्तान के साथ अपने संबंधों को प्रभावी रूप से मजबूत कर लिया है, जबकि पाकिस्तान लगभग एक बार फिर बांग्लादेश के साथ गहराई से जुड़ गया है। इसके परिणामस्वरूप, अगर किसी भी छोटी सी चिंगारी से टकराव भड़कता है, तो अस्थिरता और हिंसा के फैलने की आशंका बहुत बढ़ जाती है।

पाकिस्तान की सेना ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से सीधे बातचीत शुरू कर दी है, और बांग्लादेश खुले तौर पर पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों का अपने देश में स्वागत कर रहा है। बांग्लादेश की सेना अब क्षेत्र में पाकिस्तानी सेना के साथ समन्वय कर रही है।

अब सरकार से सरकार और सेना से सेना के स्तर पर सहयोग बढ़कर पाकिस्तान और बांग्लादेश के आतंकी संगठनों के बीच तालमेल तक पहुंच गया है। इस्लामिक कट्टरपंथी और आतंकवादी संगठन दोनों देशों की सरकारों के संरक्षण में एक-दूसरे के करीब आ रहे हैं।

हाल ही में पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच हुए एक आदान-प्रदान में, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने पाकिस्तान की सेना को एक नक्शा सौंपा है, जिसमें भारत के बड़े हिस्सों को बांग्लादेश का हिस्सा दिखाया गया है। अब वे खुलेआम "ग्रेटर बांग्लादेश" का सिद्धांत आगे बढ़ा रहे हैं, जिसमें भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के बड़े हिस्से, पश्चिम बंगाल और यहां तक कि बिहार को भी अपना क्षेत्र बताया जा रहा है।

दूसरी ओर, पाकिस्तान ने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी की बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में जम्मू-कश्मीर के उल्लेख को लेकर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। इस बयान में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए पाकिस्तानी आतंकी हमले का जिक्र था, जिसकी अफगानिस्तान ने निंदा की थी।

इस बैठक के बाद पाकिस्तान ने अफगान राजदूत को बुलाकर जम्मू-कश्मीर के जिक्र को लेकर औपचारिक विरोध दर्ज कराया। अब पाकिस्तान, हमलों की धमकियाँ देने में और भविष्य में दोनों देशों के बीच टकराव के गंभीर परिणामों की खुली धमकियाँ देने में और अधिक निडर हो गया है।

पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने भारत को चेतावनी दी है कि भविष्य में किसी भी युद्ध की स्थिति में परिणाम बहुत गंभीर होंगे। उन्होंने साफ कहा कि ऐसे किसी संघर्ष में हमले केवल सैन्य ठिकानों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि आम नागरिक आबादी को भी निशाना बनाया जाएगा।

मुनीर युद्ध में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकी दे रहे हैं और यह भी कह रहे हैं कि संघर्ष को क्षेत्रीय स्तर तक फैलाना चाहिए। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने मुनीर की मेज़बानी की थी और पाकिस्तान को राजनयिक मान्यता दी थी, जिसने पाकिस्तानी सेना को भारत के खिलाफ और आक्रामक रुख अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

पाकिस्तान अब अपने हमलों और रणनीति को बांग्लादेश के साथ समन्वित कर रहा है। एक वरिष्ठ पाकिस्तानी जनरल ने बांग्लादेश और पाकिस्तान के अधिकारियों की एक बैठक में कहा कि भविष्य में पाकिस्तान किसी तीसरे देश या शक्ति के दखल का स्वागत करेगा ताकि भारत-पाक विवादों का समाधान हो सके, इस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'गलती की है तो चुनाव आयोग गिरफ्तार करें'

अररिया, 28 अक्टूबर। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने दो राज्यों की मतदाता सूची में उनका नाम होने पर चुनाव आयोग की ओर से जारी नोटिस पर मंगलवार को कहा कि बिहार में

- जनसुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने यह टिप्पणी करते हुए आयोग पर सवाल दागा एसआईआर के बाद मतदाता सूची में गड़बड़ी क्यों मिल रही है।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करने वाले चुनाव आयोग की भी जिम्मेदारी बनती है कि इसकी जांच कर सुधार करे और यदि उसे लगता है कि उन्होंने गलती की है तो वह उन्हें गिरफ्तार करे।

किशोर ने कहा कि "एसआईआर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

निश्चंत मन, भरी थैली से अच्छा है। –अरबी कहावत

दर्शकों के कम होते उत्साह से ओटीटी में मंदी का दौर

सिनेमा को सिंगल स्क्रीन से मल्टी प्लेक्सेस व टीवी चैनलों से होते हुए ओटीटी प्लेटफॉर्मों तक पहुंचने में 21वीं सदी में बहुत देर नहीं लगी। किसी ने इसे सिनेमा का अंत देखा तो किसी ने इसमें सिनेमा की विविधता का भविष्य देखा। लेकिन अब ओटीटी के सामने भी आगे क्या सवाल उठ खड़ा हुआ है। कोरोना काल में जब दर्शक घरों से बाहर नहीं निकल पा रहे थे तब ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म अचानक सबके चहेते बन गये। महामारी के हालात सामान्य होने के बाद भी ओटीटी की लोकप्रियता बढ़ती गई। उन्होंने टीवी चैनलों पर फिल्मों के बीच-बीच में आने वाले विज्ञापनों के व्यवधान, तथा मल्टीप्लेक्सों की भारी टिकट दरों से दर्शकों को राहत दी। मगर मनोरंजन उद्योग के नये आंकड़े अब दिखा रहे हैं कि इन प्लेटफॉर्मों की उड़ान की गति थम रही है। पहले यह क्षेत्र 25से 30 प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ रहा था। ऑरमैक्स मीडिया के अनुसार, इस वर्ष ओटीटी उपयोगकर्ता वृद्धि घटकर लगभग 10 प्रतिशत रह गई है, जो 2023-2024 में 13 से 14 प्रतिशत थी। कारोबार जगत के जानकारॉन के अनुसार भारत का ओटीटी उपयोगकर्ता आधार 2025 में लगभग 60.12 करोड़ का है। फिक्की-ईवाई की एक रिपोर्ट के अनुसार, वीडियो ओटीटी क्षेत्र 2024 में 4.7 करोड़ घरों से बढ़कर 2027 तक 6.5 करोड़ हो जाएगा। लेकिन यह उद्योग अब एक संतृप्ति -सेचुरेशन - बिंदु के करीब पहुंच रहा है। ओटीटी के सब्सक्रिप्शन रद्द होने लगे हैं। प्रोडक्शन हाउस लागत कम करने लगे हैं, जिससे कई प्लेटफ़ॉर्म अब विज्ञापन-समर्थित मॉडलों की ओर बढ़ रहे हैं। जानकार कहते हैं कि ओटीटी पर लगभग आधी स्ट्रीमिंग सामग्री क्षेत्रीय भाषाओं में है, बाकी ज़्यादातर हिंदी में है। राष्ट्रीय प्लेटफ़ॉर्म आमतौर पर चार से आठ मूल भाषाओं की रणनीति रखते हैं और विभिन्न भाषाओं में सामग्री डब करते हैं। इससे उन्हें महानगरों और छोटे शहरों में विभिन्न भाषाई दर्शकों तक पहुंचने में मदद मिलती है।यह भी सच है कि दूरसंचार साझेदारों के माध्यम से बंडल ऑफर से डेटा पैक और कंटेंट पैक दोनों की बिक्री में वृद्धि हुई है - भारत में ब्रॉडबैंड की बिक्री में अब 40 प्रतिशत से अधिक 'बंडल कंटेंट' शामिल होता है। भारत में ओटीटी का असली उभार 2016-2020 के बीच हुआ। सस्ती इंटरनेट सेवाओं ने देशभर में डेटा क्रांति ला दी, जिससे मनोरंजन के असीमित विकल्पों के साथ हर हाथ में स्मार्टफोन आ गया और नेटफ्लिक्स, अमेज़न प्राइम, डिज़्नीप्लस, हॉटस्टार, जीफाइव, सोनीलिव जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म भारतीय मनोरंजन जगत में प्रमुख माध्यम के रूप में उभरे। कोविड-19 महामारी के दौरान जब सिनेमा हॉल बंद थे, तब यही मंच फिल्मों और सीरीज़ का प्रमुख ठिकाना बने। निर्माताओं के लिए यह नया बाजार था, दर्शकों के लिए सुविधाजनक मनोरंजन, और कलाकारों के लिए एक ऐसा मंच, जो उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान दे रहा था। परंतु एक साल से ओटीटी की वृद्धि दर थमने लगी है। यह परिवर्तन केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, तकनीकी और सृजनात्मक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

ओटीटी ने सामग्री के लोकतंत्रीकरण की प्रक्रिया को मदद की। वहां केवल बड़े सितारों की फिल्मों का राज नहीं रहा; छोटे-छोटे शहरों के कलाकार, स्वतंत्र निर्देशक और नये लेखक अपनी कहानियां सीधे दर्शकों तक पहुंचा पाने में सक्षम हुए। वहां सेंसरशिप की सख्त पकड़ भी नहीं थी, इसलिए विषय-वस्तु में प्रयोग बढ़े और उनमें जबरदस्त बोल्डनेस आई। लेकिन हर उभार के साथ एक ठहराव भी आता है। और अब, ओटीटी उसी मोड़ पर खड़ा है जहां से उसका गुब्बारा धीरे-धीरे पिचकता दिख रहा है। ओटीटी की मंदी का एक कारण उसके बाज़ार का संतृप्त (सेचुरेट) हो जाना बताया जा रहा है। भारत में अब लगभग हर प्रमुख दर्शक वर्ग तक ओटीटी पहुंच चुका है। नए सब्सक्राइबर जोड़ने की रफ्तार बहुत धीमी हो गई है। जो लोग इन प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करते हैं, वे पहले से ही सब्सक्राइब्ड हैं, जबकि नए उपयोगकर्ताओं को आकर्षित करने के लिए कंपनियां निवेश नहीं आकर्षित कर पा रहीं है और भारी छूट देने की हालत में नहीं है। ओटीटी प्लेटफॉर्मों ने अपने नियम भी कड़ी किये हैं। जैसे नेटफ्लिक्स और अन्य प्लेटफॉर्मों ने पासवर्ड शेयरिंग पर रोक लगाई है। साथ ही, सब्सक्रिप्शन दरें भी बढ़ती जा रही हैं। इससे मध्यम वर्ग के दर्शक दोबारा सोचने लगे हैं कि क्या मनोरंजन पर हर महीने इतना खर्च करना उनके लिए सचमुच उचित है। इसके अलावा ओटीटी पर कंटेंट की गुणवत्ता में गिरावट भी सबको महसूस हो रही है। प्रारंभिक वर्षों में ओटीटी पर जो नवीनता उफन रही थी, वह अब घट रही है। सीरीज़ की संख्या बढ़ी है पर गुणवत्ता में निरंतरता नहीं रही। एक जैसी कहानियां, अतिशय हिंसा, गाली-गलौज और सेक्सुअल कंटेंट ने दर्शकों को थका दिया है। नयापन अब दुर्लभ हो गया है। इसलिए अब दर्शकों का क्रेज़ भी अब ढलान पर है। हालांकि सिनेमा हॉल की वापसी से तो इसे नहीं जोड़ा जा सकता क्योंकि सस्ते टिकटों वाले सिंगल स्क्रीन पर जैसा कंटेन्ट था उसको चाहने वाली पीढ़ी बदल गई है। हालांकि कोरोना महामारी के बाद जैसे ही सिनेमाघर खुले, दर्शक बड़े पर्दे के अनुभव के लिए लौटते नजर आये। 'पठान', 'जवान', 'आर आर आर', 'केजीएफ-2' और 'पुष्पा' जैसी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर अभूतपूर्व सफलता पाई। यह संकेत था कि भारतीय दर्शक अभी भी सामूहिक मनोरंजन को प्राथमिकता देते हैं।

> **आने वाले वर्षों में ओटीटी और थिएटर दोनों ही सह-अस्तित्व की राह पकड़ सकते हैं। कई फिल्में पहले थिएटर में और कुछ सप्ताह बाद ओटीटी पर आएंगी। यह मॉडल पहले से प्रचलन में है और भविष्य में इसके और परिष्कृत होने का अनुमान लगाया जा रहा है। ओटीटी की स्थिरता के बीच एक क्षेत्र तेजी से उभर रहा है वह है क्षेत्रीय भाषाओं की सामग्री।**

अधिकतर ओटीटी कंपनियों का आर्थिक मॉडल या तो सदस्यता आधारित हैं या विज्ञापन आधारित। विज्ञापन आधारित मॉडल में कमाई सीमित होती है, जबकि सदस्यता आधारित मॉडल में दर्शक घट रहे हैं। ऐसे में उनका वित्तीय संतुलन बिगड़ रहा है। इसलिए माना जा रहा है कि अब जब ओटीटी की वृद्धि रुक रही है, तो इसका सीधा असर भारतीय फिल्म उद्योग पर पड़ेगा - और यह असर कई स्तरों पर महसूस होगा। ओटीटी के दौर में एक समय यह लगा था कि सिनेमाघर अप्रासंगिक हो जाएंगे। हालांकि ओटीटी सिनेमाघरों का स्थान नहीं ले सका फिर भी सिनेमाघर अप्रासंगिक होते चले गये हैं। असल बात यह भी है कि सिनेमा का मनोरंजन व्यवसाय जगत में स्थान बहुत सिकुड़ गया है क्योंकि अब मनोरंजन के अनेक अन्य क्षेत्र उभर आये हैं जिन्होंने सिनेमा को पीछे धकेल दिया है। पर ओटीटी की मंदी थिएटरों को फिर से मेनस्ट्रीम बना देगी इस में संशय है। बड़े निर्माता बड़े पर्दे की रिलीज़ को प्राथमिकता देते रहे हैं जिससे फिल्म की मार्केटिंग, स्टार वैल्यू और सामूहिक अनुभव की परंपरा बनी रही है। ओटीटी पर जहां यथार्थवाद के नाम पर बोल्ड और डार्क विषयों का बोलबाला रहा, वहीं क्या अब फिल्मकार क्या फिर से परिवारिक, सामाजिक और मसाला मनोरंजन की ओर लौटेंगे, यह बड़ा सवाल है। महामारी के बाद मध्यम बजट की फिल्में - जो न तो बड़े सितारों पर निर्भर थीं, न ही पूरी तरह प्रयोगात्मक थीं - ओटीटी पर अच्छा प्रदर्शन कर रही थीं। अब जब प्लेटफॉर्म्स खरीद कम कर रहे हैं, तो इन फिल्मों के लिए बाज़ार सिमट सकता है। थिएटर में इनका मुकाबला ब्लॉकबस्टर फिल्मों से होगा, जो उनके लिए भारी पड़ेगा। यानी या तो फिल्में बहुत बड़ी होंगी, या बहुत छोटी - फिल्म समारोहों में या यूट्यूब पर चलने वाली। बीच का रास्ता नज़र नहीं आ रहा है। ओटीटी ने देशभर से नए चेहरे और नए लेखक दिए। जब ओटीटी निवेश घटाएगा, तो इन नवोदित कलाकारों के लिए अवसर भी घटेंगे। बड़े प्रोडक्शन हाउस फिर से स्थापित सितारों और सुरक्षित विषयों की ओर ही लौटेंगे। इससे प्रयोगशीलता पर असर पड़ सकता है। ओटीटी की आज़ादी ने कई संवेदनशील और राजनीतिक विषयों को उठाने का रास्ता खोला। लेकिन जब प्लेटफॉर्म आर्थिक संकट में होंगे, तो वे विवादास्पद विषयों से बचेंगे। इससे सृजनात्मक स्वतंत्रता सीमित हो सकती है।

हालांकि यह कहना गलत होगा कि ओटीटी समाप्त होने की ओर है। यह केवल स्थिर हो रहा है। आने वाले वर्षों में ओटीटी और थिएटर दोनों ही सह-अस्तित्व की राह पकड़ सकते हैं। कई फिल्में पहले थिएटर में और कुछ सप्ताह बाद ओटीटी पर आएंगी। यह मॉडल पहले से प्रचलन में है और भविष्य में इसके और परिष्कृत होने का अनुमान लगाया जा रहा है। ओटीटी की स्थिरता के बीच एक क्षेत्र तेजी से उभर रहा है वह है क्षेत्रीय भाषाओं की सामग्री। तमिल, तेलुगु, बंगाली, मराठी और पंजाबी ओटीटी शो की लोकप्रियता बढ़ रही है। आने वाले समय में इन पर निवेश बढ़ सकता है। जहां पहले मात्रा में कंटेंट बन रहा था, अब प्लेटफॉर्म सीमित लेकिन बेहतर परियोजनाएं चुनेंगे। इससे लेखन, निर्देशन और तकनीक के स्तर पर सुधार आने की संभावना देखी जा रही है। थिएटर अब इवेंट सिनेमाज का रूप ले रहे हैं - यानी बड़े विजुअल्स, भव्य अनुभव और स्टार पावर। आशावादी लोग मान रहे हैं कि फिल्में अब केवल कहानी नहीं, बल्कि एक अनुभव बनेंगी। यह पुनर्जागरण भारतीय फिल्म उद्योग को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना सकता है। ओटीटी ने भारतीय रचनाकर्मियों की कल्पनाशक्ति को बहुत व्यापक फ़लक दिया है। लोगों ने छोटे कस्बों से लेकर महानगरों तक, हर तरह की कहानियां देखीं हैं। लेकिन अब, जब इसकी चमक घट रही है, तो क्या दर्शक फिर से सामूहिक अनुभव की ओर लौटेंगे जिसमें परिवार के साथ सिनेमा देखने की परंपरा रही है? ऐसा बदलाव केवल व्यावसायिक ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक भी होगा। समाज की भावनाओं का दर्पण माना जाने वाला भारतीय सिनेमा को ओटीटी ने खंडों में बांट दिया - 'अर्बन', 'इंटेलेक्चुअल', 'युवा' आदि में। इसीलिए ओटीटी के गुब्बारे के सिकुड़ने को किसी युग के अंत का संकेत नहीं, बल्कि एक परिपक्वता की शुरुआत भी मानी जा रही है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकर एवं विश्लेषक)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ : राष्ट्र निर्माण की शताब्दी यात्रा

राजेन्द्र राठौड़

वर्ष 1925 में विजयादशमी के दिन डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार जी ने नागपुर में विश्व के सबसे बड़े स्वंयसेवी संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की गई थी जिसका उद्देश्य देश की आत्मा को पुन: जागृत करना था। यह वही काल था जब देश गुलामी की जंजीरों में बंधा था, सामाजिक विभाजन गहरा था और आत्मविश्वास खो चुका समाज एक नई दिशा की तलाश में था। ऐसे समय में डॉ. हेडगेवार ने यह संकल्प लिया कि भारत को फिर से आत्मगौरव और एकता के सूत्र में पिरोना होगा। संघ की स्थापना का मार्ग सरल नहीं था। उस समय राजनीतिक आंदोलनों से तत्काल ख्याति प्राप्त होती थी, परंतु संगठन निर्माण और सांस्कृतिक जागरण की यह तपस्या एक लंबा और मौन संघर्ष थी। डॉ. हेडगेवार ने उसी कठिन मार्ग को चुना और आज यह सिद्ध हुआ कि उन्होंने जिस बीज को बोया, वह आज राष्ट्र चेतना के विराट वटवृक्ष के रूप में विकसित हो चुका है। संघ की 100 वर्षों की यात्रा त्याग, नि:स्वार्थ सेवा और राष्ट्र निर्माण की एक अद्भुत मिसाल है।

संघ ने प्रारंभ से ही यह विश्वास रखा कि राष्ट्र निर्माण की शुरुआत व्यक्ति निर्माण से होती है। इसलिए उसने शाखाओं के माध्यम से एक ऐसा तंत्र खड़ा किया, जहां स्वयंसेवक न केवल शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनते हैं, बल्कि चरित्र, अनुशासन और सेवा की भावना से ओत-प्रोत होते हैं। संघ की शाखा केवल व्यायाम या प्रार्थना का केंद्र नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व और संस्कार निर्माण की वह प्रयोगशाला है जहां से समर्पण, सहयोग और संगठन की भावना समाज में प्रवाहित होती है।

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार और अनेक स्वयंसेवक सक्रिय रूप से आंदोलन से जुड़े। कई बार जेल गए, अनेक स्वतंत्रता सेनानियों को संरक्षण और सहयोग दिया। आज़ादी के बाद भी जब देश विभाजन की वेदना से गुजर रहा था, तब संघ के स्वयंसेवक निस्वार्थ भाव से शरणार्थियों की सेवा में जुट गए। चाहे प्राकृतिक आपदाएं रही हों, सीमा पर संकट की घड़ी हो या सामाजिक अशांति का दौर हो, हर बार स्वयंसेवक अठिाम पंक्ति में खड़े दिखाई दिए। यह परंपरा आज भी अविचल है।

आज संघ की 83,000 से अधिक दैनिक शाखाएं देशभर में कार्यरत हैं। नागपुर में आरंभ हुए उस छोटे से संगठन की शाखा में मात्र 17 कार्यकर्ता थे और आज लाखों स्वयंसेवक राष्ट्रसेवा के विविध क्षेत्रों में कार्यरत हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण, कृषि, आदिवासी कल्याण, ग्राम विकास और सामाजिक समरसता जैसे क्षेत्रों में संघ से प्रेरित संगठन और कार्यकर्ता समाज के हर वर्ग तक पहुंच चुके हैं। यह एक जीवंत उदाहरण है कि कैसे संघ ने 'संघटन से समाज सशक्तिकरण' का सपना साकार किया है। संघ ने हाल के वर्षों में पंच परिवर्तन स्वबोध, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, नागरिक शिष्टाचार और पर्यावरण संरक्षण जैसे संकल्पों के माध्यम से आधुनिक भारत की चुनौतियों का उत्तर प्रस्तुत किया है। यह पहल न केवल संगठन के दृष्टिकोण को व्यापक बनाती है बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी यह संदेश देती है कि सेवा, संस्कार और समरसता ही भारत के विकास की वास्तविक शक्ति हैं।

आज जब भारत विश्व मंच पर नई पहचान गढ़ रहा है तब यह स्वीकार करना होगा कि संघ की भूमिका अब केवल सांस्कृतिक संगठन तक सीमित नहीं है। संघ आज समाज जीवन के हर क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन का प्रेरक बन चुका है। संघ से जुड़े स्वयंसेवक शिक्षा के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा दे रहे हैं, डिजिटल साक्षरता के माध्यम से नई पीढ़ी को सशक्त बना रहे हैं और पर्यावरण संरक्षण के लिए जन-जागरण अभियान चला रहे हैं।

संघ की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह किसी भी बाहरी अनुदान या सहायता के बिना, स्वयंसेवकों के योगदान से चलता है। आज की भौतिकवादी दुनिया में यह आत्मनिर्भरता और नि:स्वार्थ सेवा का सर्वोत्तम उदाहरण है। हर स्वयंसेवक अपनी दिनचर्या, परिवार और जिम्मेदारियों के बीच समय निकालकर राष्ट्र सेवा को प्राथमिकता देता है यही भावना संघ को विशिष्ट बनाती है।

संघ ने हमेशा यह मान्यता दी कि राष्ट्र केवल भौगोलिक सीमाओं से नहीं बनता, बल्कि उसकी आत्मा उसके नागरिकों की चेतना और संस्कारों में बसती है। यही कारण है कि संघ ने राजनीति से परे रहते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग में जागरूकता और समरसता का भाव जगाया। चाहे मंदिर-निर्माण आंदोलन रहा हो, स्वदेशी की भावना हो या पर्यावरण और जल संरक्षण जैसे विषय हर मुद्दे को संघ ने राष्ट्र-धर्म का हिस्सा माना। संघ के लिए राष्ट्रवाद केवल नारा नहीं, बल्कि जीवन जीने की पद्धति है जिसमें व्यक्ति नहीं, पूरा समाज केंद्र में होता है। यही दर्शन भारत को संगठित, समरस और सशक्त राष्ट्र बनाने की प्रेरणा देता है।

आज जब हम संघ की स्थापना के 100 वर्षों के इस गौरवपूर्ण पड़ाव पर खड़े हैं, तब यह स्पष्ट दिखता है कि यह यात्रा केवल इतिहास का अध्याय नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा है। 2047 तक विकसित भारत का जो स्वप्न प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने राष्ट्र के सामने रखा है, उसकी पूर्ति में संघ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक ऐसा समाज जो विविधता में एकता का प्रतीक बने, जहां विज्ञान और अध्यात्म का समन्वय हो, जहां परंपरा और प्रगति का संतुलन हो, यही संघ के विचार का सार है।

संघ में सामान्य व्यक्ति मिलकर असामान्य और अभूतपूर्व कार्य करते हैं और यही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। संघ की शाखाओं से निकले स्वयंसेवक आज समाज के हर क्षेत्र में राष्ट्र प्रथम की भावना को जी रहे हैं। आज के बदलते वैश्विक परिवेश में जब युवा वर्ग तकनीक और आधुनिकता की ओर अग्रसर है तब संघ उनके जीवन में भारतीयता और आत्मगौरव का भाव भरने का कार्य कर रहा है। शाखाओं के माध्यम से युवाओं को शारीरिक सशक्तिकरण के साथ-साथ नैतिक और सामाजिक दायित्वों का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यही कारण है कि आज का स्वयंसेवक न केवल राष्ट्रभक्त है बल्कि वह एक आदर्श नागरिक, जिम्मेदार परिवारजन और समाज के लिए प्रेरणा का स्त्रोत भी है।

–राजेन्द्र राठौड़,
पूर्व नेता प्रतिपक्ष

आंवला व लिसोड़ा से किसानों की तस्वीर संवारने की पहल

डॉ. सुदीप कुमावत

राज्य सरकार प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण कर भावी पीढ़ियों के लिए समृद्ध वन, खुशहाल वन्य जीवन और स्वच्छ पर्यावरण उपलब्ध करवाने के लिए संकल्पित है साथ ही जलवायु परिवर्तन के प्रति बेहतर अनुकूलता अर्जित कर सतत विकास लक्ष्य व हरित बजट की अवधारण को साकार करने की दिशा में प्रयासरत है। आमजन को स्वच्छ पर्यावरण के साथ-साथ रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए जिला प्रशासन, जयपुर द्वारा वनस्पति प्रजाति एवं उपज संरक्षण व संवर्धन अभियान प्रारम्भ किया गया है। इस अभियान के अन्तर्गत चिन्हित एक जिला-एक वनस्पति प्रजाति लिसोड़ा व एक जिला-एक उपज आंवला की महत्ता, उपयोगिता एवं आवश्यकता से आमजन को रूबरू करवाने एवं रोजगार की दृष्टि से जनउपयोगी बनाने हेतु जिला प्रशासन द्वारा कार्य किया जा रहा है।

जयपुर को हरित व रोजगार उन्मुख जिला बनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा पंच-गौरव के तहत वनस्पति प्रजाति व उपज का संग्रहण, भण्डारण, पैकेजिंग एवं प्रसंस्करण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है साथ ही नई प्रौद्योगिकी व उन्नत कृषि तकनीकों का प्रयोग करते हुए स्थानीय बाजारों को बढ़ावा देने की शुरूआत की गई है। आंवला व लिसोड़ा से प्राप्त फल को बाजार उपयोगी बनाने तथा युवाओं, किसानों व आमजन के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना जानी है तथा वनस्पति प्रजाति एवं उपज के पौधे लगाने, औषधीय गुणों के संबंध में किसानों व आमजन को जागरूक करने की पहल की गई है। राज्य सरकार द्वारा जीआई-टैगिंग, ब्रांड निर्माण, उत्पाद पैकेजिंग, खुदरा व ऑनलाइन विज्ञापन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किए जा रहे है इससे निश्चित ही आमजन में वनस्पति प्रजाति एवं उपज के संरक्षण व संवर्धन के प्रति सकारात्मक उत्साह का संचार होगा।

वनस्पति प्रजाति एवं उपज को विकसित करने के लिए प्रयास :- एक जिला-एक वनस्पति प्रजाति लिसोड़ा एवं एक जिला-एक उपज आंवला को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाकर किसानों की तस्वीर संवारने का काम किया जा रहा है लिसोड़ा व आंवला की विशिष्टता, औषधीय गुण व उपयोगिता से किसानों को अवगत करवाने एवं रोजगार उन्मुख बनाने हेतु कृषि एवं उद्यानिकी विभाग तथा वन विभाग द्वारा किसानों की संगोष्ठी, बैठक, कार्यशाला का आयोजन जिला/ब्लॉक/ग्राम पंचायत स्तर पर किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों एवं आमजन को आंवला व लिसोड़ा के बगीचे लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है साथ ही केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं के माध्यम से किसानों को मिलने वाले लाभों की जानकारी उपलब्ध करवायी जा रही है। जिसमें अब तक विभागीय मद से रू 5.00 लाख व्यय किए गए है। जयपुर में वर्तमान में आंवले के बगीचों का क्षेत्रफल 900 हैक्टेयर है जिससे अनुमानित पैदावार 23865 मैट्रिक टन प्रति वर्ष होती है। उद्यानिकी विभाग द्वारा इस वर्ष 50 हैक्टेयर भूमि पर आंवले के नवीन बगीचे लगाए गए है।

वन विभाग की नर्सरियों में अन्य पौधों के साथ-साथ लिसोड़ा के वर्ष 2024-25 में 44 हजार पौधे व वर्ष 2025-26 में लगभग 1.20 लाख पौधे तैयार कर वितरित किए गए है। जिले की 485 पंचायत पौधशालाओं में अन्य पौधों के साथ-साथ आंवला के एक लाख पौधों व लिसोड़ा के 20 हजार पौधे विकसित कर उनका रोपण किया गया है। प्रत्येक ग्राम पंचायत/ नगरपरिषद/ नगरपालिका में आंवला व लिसोड़ा के 250-250 पौधे लगाकर उनको विकसित करने के लिए जिले के सभी उपखण्ड अधिकारियों से भूमि चिह्नित कर प्रस्ताव आमंत्रित कर लिए गए है। जिसके तहत आंवला के लिए 131.73 हैक्टेयर भूमि तथा लिसोड़ा के लिए 110.34 हैक्टेयर भूमि चिह्नित कर आंवला व लिसोड़ा के पौधे लगाए गए है। लिसोड़ा व आंवला के पौधों की महत्ता व उपयोगिता से आमजन को रूबरू करवाने के लिए प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। जिला प्रशासन इस अभियान से जन-जन को जोड़ने के लिए पूर्णत्तया प्रतिबधता से कार्य कर रहा है। आंवला व लिसोड़ा के पौधों को जिले में सघन रूप से विकसित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा गांव-ढाणी के लोगों की जनभागीदारी सुनिश्चित करते हुए इस अभियान को चलाया जा रहा है उम्मीद है कि जल्द ही इसके सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

बाजार व उचित मूल्य उपलब्ध करवाना : -आंवला एवं लिसोड़ा की उपज को बाजार व सही भाव नही मिलने के कारण किसान इससे धीरे-धीरे विमुख होते जा रहे थे लेकिन अब पंच-गौरव कार्यक्रम व जिला प्रशासन के पहल के बाद किसानों व आमजन में उत्साह का संचार हुआ है। जिले में खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना के बाद किसानों को उचित लाभ व बाजार उपलब्ध होगा जिससे गांव के लोगों को रोजगार के अवसर व किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य मिल सकेगा। राज्य सरकार व जिला प्रषासन के निर्देशानुसार कृषि एवं उद्यानिकी व वन विभाग इस संबंध में जिला स्तर पर कार्ययोजना बना रहे है।

कार्यक्रम की क्रियान्विति और सहयोग के लिए ग्राम पंचायत, ब्लॉक एवं उपखण्ड स्तर पर आमजन व स्थानीय जनप्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित कर इस अभियान से ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ा जा रहा है। राजस्व विभाग, वन विभाग, कृषि और उद्यानिकी विभाग एवं ठाामीण विकास विभाग के बीच समन्वय से इस अभियान का क्रियान्वयन किया जा रहा है। पंच-गौरव से संबंधित विभागों की योजनाओं, भामाशाहों का सहयोग एवं सीएसआर फंड के माध्यम से इस अभियान पर राशि व्यय की जा रही है।

अभियान से होने वाले संभावित लाभ :- इन पौधों को ग्राम पंचायत स्तर पर विकसित करने से पर्यावरण संरक्षण, रोजगार एवं आर्थिक उन्नित का मार्ग प्रषस्त होगा। ठााम पंचायत स्तर पर मिनी जंगल विकसित होने से स्थानीय पक्षियों, कीटों और छोटे जीवों के लिए आवास उलब्ध हो सकेंगे (जैव विविधता में सुधार), कार्बन अवशोषण बढ़ेगा एवं स्थानीय तापमान में कमी आएगी, घने वृक्ष रोपण से मिट्टी का कटाव रूकेगा और रेत के टीलों को स्थिर करने से मरूस्थलीकरण रोकथाम में मदद मिलेगी। आंवला व लिसोड़ा के फलदार एवं औषधीय पौधों से ठााम पंचायत एवं ठाामीणों हेतु अतिरिक्त आय के साधन उपलब्ध होंगे। जिला स्तर पर सतत विकास लक्ष्यों को अर्जित करने मे सहायता मिलेगी तथा ग्राम पंचायत स्तर पर आम-जन के लिए हरित पार्क का निर्माण होगा। इस प्रकार राज्य व जिले में हरित आवरण का तय लक्ष्य 33 प्रतिशत प्राप्त करने में मदद मिलेगी। उक्त अभियान द्वारा आंवला व लिसोड़ा को राज्य, राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में मदद मिलेगी। यह अभियान जिला प्रशासन की दूरदर्शी सोच का परिणाम है, जो जिले को समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित बनाने की दिशा में अपना महत्तवपूर्ण योगदान देगा।

–डॉ. सुदीप कुमावत,
मुख्य आयोजना अधिकारी,
कलेक्ट्रेट जयपुर।

राज्य में सरकारी स्कूलों के स्टूडेंट्स को नहीं देनी होगी परीक्षा फीस

- **प्राइवेट स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को 30 रुपए परीक्षा शुल्क देना होगा**
- **समान परीक्षा योजना के तहत राज्यभर में हाफ ईयरली एग्जाम 20 नवंबर से शुरू होंगे, इन परीक्षाओं के प्रश्न पत्र, मूल्यांकन प्रणाली और समय सारणी राज्य स्तर से एक समान रहेगी**

बीकानेर, (निसं)। राज्य में 20 नवंबर से शुरू हो रही समान परीक्षा योजना के तहत इस बार सरकारी और निजी स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग व्यवस्था रहेगी। जहां सरकारी स्कूलों के स्टूडेंट्स को परीक्षा के लिए कोई फीस नहीं देनी होगी, वहीं प्राइवेट स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को 30 रुपए परीक्षा शुल्क देना होगा।

शिक्षा विभागीय परीक्षा कार्यालय की ओर से आयोजित होने वाली समान परीक्षा के लिए राज्यभर के निजी स्कूलों से प्रति छात्र 30 रुपए फीस तय की गई है। हालांकि विभाग की ओर से यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि यह फीस स्कूल खुद जमा कराएंगे या विद्यार्थियों से वसूल की जाएगी। कई निजी स्कूल अपने स्तर पर यह फीस शिक्षा विभाग को जमा कराते हैं, जबकि कुछ स्कूल छात्रों से सीधा शुल्क वसूल कर रहे हैं। परीक्षा शुल्क की तरह स्पोर्ट्स फीस का बोझ भी केवल निजी स्कूलों पर ही है। सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों से स्पोर्ट्स फीस नहीं ली जाती, लेकिन निजी स्कूलों को यह राशि अपने स्तर पर विभाग में जमा करानी होती है। हर निजी स्कूल को खेलकूद शुल्क के रूप में हजारों रुपए अतिरिक्त जमा कराने पड़ते हैं, भले ही उनके छात्र खेलकूद गतिविधियों में हिस्सा न ले रहे हों। समान परीक्षा योजना के तहत राज्यभर में हाफ ईयरली एग्जाम 20 नवंबर से शुरू होंगे। इन परीक्षाओं के प्रश्न पत्र, मूल्यांकन प्रणाली और समय सारणी राज्य स्तर से एक समान रहेगी।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 28 अक्टूबर, 2025

कार्तिक मास, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र सायं 5:30 तक, धृति योग प्रात: 7:51 तक, वणित करण प्रात: 9:24 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला, चन्द्रमा-मकर, मंगल-वृश्चिक, बुध-वृश्चिक, गुरू-कर्क, शुक्र-कन्या, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज भद्रा प्रात: 9:24 से रात्रि 9:45 तक रहेगी। आज डाला छठ महापर्व पर उदयगामी सूर्य को अर्ध्य और आज अष्टानिका महापर्व आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ अमृत सूर्योदय से 9:24 तक, शुभ 10:47 से 12:11 तक, चर 2:57 से 4:20 तक, लाभ अमृत 4:20 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:38, सूर्यास्त 5:43 तक

मेष
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

मिथुन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

कर्क
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कन्या
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में रचनात्मक-धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक परेशानियां अभी बनी रहेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

कुंभ
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी और मन में असेतोष बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

मीन
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

बारिश से टूटी सड़कों को सुधारने के लिए 1445 करोड़ रुपए का बजट आवंटित

इनमें से 645 करोड़ रु. पेचवर्क रिपेयरिंग तथा 800 करोड़ रु. स्थायी मरम्मत पर खर्च होंगे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने मंगलवार को सचिवालय में सार्वजनिक निर्माण विभाग तथा एन.एच.ए.आई. की परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि वर्षा से क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत को राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता मानते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य करें। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने बारिश से टूटी सड़कों को सुधारने के लिए 1445 करोड़ रु. का बजट आवंटित किया है।

इनमें से 645 करोड़ रु. पेचवर्क रिपेयरिंग तथा 800 करोड़ रु. स्थायी मरम्मत पर खर्च होंगे। मुख्य सचिव ने पेच रिपेयर कार्य 15 नवम्बर तक उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए दूसरे विभागों के इंजीनियर्स से इन कामों की जांच करवाई जाएगी।

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की भावना के अनुरूप सभी अधिकारी ईमानदारी से काम करते हुए फील्ड में सक्रिय रहकर स्वीकृत कार्यों को समय पर पूर्ण करवाएं। सिर्फ अपवाद की स्थिति में ही निविदा की तिथि को आगे बढ़ाएं।

अन्यथा निविदा खोलने से वर्क ऑर्डर जारी करने तक निर्धारित टाइमलाइन का सख्ती से पालना किया जाए तथा उसका निरीक्षण ऑनलाईन माध्यम से करें।

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने मंगलवार को सचिवालय में सार्वजनिक निर्माण विभाग तथा एन.एच.ए.आई. की परियोजनाओं की समीक्षा की।

- मुख्य सचिव सुधांश पंत ने अफसरों को प्रदेश की क्षतिग्रस्त सड़कें प्राथमिकता और गुणवत्ता के साथ सुधारने के निर्देश दिए

स्पेशल टास्क फोर्स गठन के निर्देश

बैठक में मुख्य सचिव ने एनएचएआई-एनएच के कार्यों में अन्तर्विभागीय मुद्दों के त्वरित निस्तारण के लिए स्पेशल टास्क फोर्स गठित करने के निर्देश दिए। टास्क फोर्स में वन, राजस्व, विद्युत व अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को शामिल किया जाएगा।

उन्होंने एनएचएआई की 7919 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि प्रदेश में चल रही इन महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को समय पर पूर्ण करने के लिए पूर्ण सहयोग एवं सामंजस्य से काम करें।

लम्बित कामों को मार्च तक पूरा करें

मुख्य सचिव ने पीडब्ल्यूडी के 50 करोड़ रुपये की लागत से अधिक के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि जो 35 लम्बित कार्य 90 प्रतिशत तक पूर्ण हो चुके हैं, उन्हें 31 दिसम्बर तक एवं शेष 8 कार्यों को मार्च, 2026 तक पूर्ण करें।

गौरतलब है कि पीडब्ल्यूडी के 50 करोड़ रुपये की लागत से अधिक के 33 कार्य पूर्ण हो चुके हैं, 31 निर्धारित समयावधि में चल रहें हैं एवं 43 कार्यों की निर्धारित समयावधि निकल चुकी है।

पी.एम.आई.एस. की सराहना की

मुख्य सचिव ने विभाग द्वारा प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग के लिए काम लिए जा रहें प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग इंफर्मेशन सिस्टम की सराहना करते हुए कहा कि इसे और सुदृढ किया जाए।

उन्होंने निर्देश दिए कि इसमें हर प्रोजेक्ट की प्रत्येक स्थिति की 3-4 उच्च गुणवत्ता की फोटो डाली जाए। इसके साथ ही, उन्होंने डीएलपी सड़कों के निरीक्षण के लिए विभाग द्वारा विकसित किए गए सुगम पथ एप की लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

हर माह होगी बड़े प्रोजेक्टस की समीक्षा

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए है कि सरकार की मंशा के अनुरूप बजट घोषणाओं एवं मुख्यमंत्री घोषणाओं को समय पर पूर्ण कर आमजन को उनका शीघ्र लाभ सुनिश्चित करने के लिए विभाग के प्रोजेक्टस की हर माह समीक्षा की जाएगी।

गत 2 वर्षो में 36140 कि.मी.लम्बी सड़कों का निर्माण हुआ

अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता ने बैठक में बताया कि बजट घोषणा 2024-25 व 2025-26 के तहत लगभग 15 हजार करोड़ रुपये की लागत के 12 हजार से अधिक कार्य स्वीकृत किये गये हैं, जिनमें से अधिकांश कार्य आरंभ करवाये जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि विगत 2 वर्षो में 24,976 करोड़ रुपये व्यय कर 36140 कि.मी. लम्बाई की सड़कों का विकास प्रदेश में करवाया जा चुका है। इस दौरान सार्वजनिक निर्माण विभाग के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 31 अक्टूबर से 25 नवंबर तक जिलों में होगी पदयात्राएं

जयपुर में 31 अक्टूबर को प्रात: 6 बजे गांधी सर्किल से शुरू होगी पदयात्रा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। केन्द्रीय युवा मामले और खेल मंत्रालय ने गत 6 अक्टूबर को सरदार150 कम्यूनिटी मार्च अभियान शुरू किया है। 2 माह तक चलने वाले इस राष्ट्रीय अभियान का समापन आगामी 6 दिसम्बर को होगा। इस अभियान को पूर्ण जन भागीदारी से संचालित कर देशवासियों विशेषकर युवाओं को सरदार पटेल की विरासत के बारे में जागरूक कर विरासत के प्रति व्यक्तिगत और सामूहिक कृतज्ञता अर्पित करने, उनमें राष्ट्रीय एकता और देश सेवा की भावना को अधिक विकसित करना है।

31 अक्टूबर से 25 नवम्बर तक जिला स्तरीय पदयात्राएं आयोजित होंगी। 26 नवम्बर को सरदार पटेल की जन्म स्थली करमसाड़ से 150 किमी लम्बी पदयात्रा शुरू होगी। इस पदयात्रा के 6 दिसम्बर को एकता नगर (स्टेच्यू ऑफ यूनिटी) पहुंचने के साथ ही अभियान का समापन होगा। आगामी 31 अक्टूबर को प्रात: 6 बजे जयपुर के गांधी सर्किल से एकता मार्च का भव्य शुभारंभ किया जाएगा। एकता मार्च का मार्ग जयपुर के गांधी सर्किल से बिड़ला मंदिर रामबाग, अंबेडकर सर्किल होते हुए अमर जवान ज्योति तक रहेगा।

- इसके बाद 26 नवम्बर को सरदार पटेल की जन्म स्थली करमसाड़ से 150 किमी लम्बी पदयात्रा शुरू होगी, जो 6 दिसम्बर को एकता नगर (स्टेच्यू ऑफ यूनिटी) पहुंचने के साथ संपन्न होगी

इस अभियान में युवा मामले, शिक्षा, संस्कृति, पर्यटन, सूचना एवं जनसम्पर्क और गृह विभाग, माई भारत और एनएसएस के कार्मिक सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

यह अभियान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने में महत्वपूर्ण कड़ी है। नागरिकों को पदयात्रा, प्रतियोगिता आदि पहल के माध्यम से इस अभियान से जोड़ा जा रहा है। यूनिटी मार्च सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के सम्मान में एक राष्ट्रव्यापी पहल है। यह श्शएक भारतक् श्रेष्ठ भारत के घटक के रूप में देश को एकजुट करने में सरदार पटेल की अद्वितीय भूमिका का प्रतीक है, यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित और आत्मनिर्भर भारत के मिशन की कड़ी है। इस अभियान में युवाओं की बेहतर भागीदारी के लिए सरदार150 यंग लीडर्स क्विज, सरदार150 रील कम्पीटिशन और सरदार150 निबंध प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है।

पदयात्रा के साथ-साथ जिलों में विकासात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें जल निकायों में स्वच्छता अभियान, सरदार उपवन पहल के तहत पौधारोपण, महिला कल्याण शिविर, योग और स्वास्थ्य शिविर और वोकल फॉर लोकल अभियान शामिल हैं।

इन गतिविधियों का उद्देश्य नागरिकों को जुटाना, स्थानीय नवाचार का जश्न मनाना और युवा ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण में लगाना है।

'खतरनाक यात्री बसों के संचालन पर प्रभावी कार्रवाई करें'

जयपुर। राज्य मानवाधिकार आयोग ने मनोहरपुर में यूपी के पीलीभीत से आ रही बस के हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से आग लगने और उसमें बैठे कई यात्रियों के मरने के हादसे में स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लिया है। वहीं परिवहन आयुक्त से कहा है कि उनसे अपेक्षा है कि वे प्रदेश में चल रही यात्री बसों की सुरक्षा के मापदंडों को सुनिश्चित करें। इसके अलावा खतरनाक यात्री बसों के संचालन पर प्रभावी कार्रवाई करें। वे यह भी देखें की बसों में यात्रियों की सुरक्षा के पूरे इंतजाम हों और मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों की पालना की जाए। आयोग के अध्यक्ष जस्टिस जीआर मूलचंदानी ने यह आदेश मनोहरपुर बस हादसे पर प्रसंज्ञान लेते हुए दिए।

राज्यपाल बागड़े से उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की भेंट

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को राजभवन में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने राज्यपाल को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की। शिष्टाचार भेंट के दौरान दोनों के बीच राज्य के जनकल्याणकारी विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। राज्यपाल ने उपमुख्यमंत्री को अपने प्रेरणादायी मार्गदर्शन से अवगत कराया तथा राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य करने का आव्हान किया।

भजनलाल सरकार ने करीब 5 लाख किसानों से अब तक खरीदी 8191 करोड़ रुपये की उपज

राज्य में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से कृषक लाभांवित

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। किसानों को उनकी उपज का उचित दाम मिले, इसके लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद योजना का राज्य में प्रभावी क्रियान्वयन कर किसानों से बड़े स्तर पर कृषि जिंसों की खरीद की जा रही है। समर्थन मूल्य पर वृहद् स्तर पर हो रही खरीद से किसानों को बाजार की अनिश्चितताओं से मुक्ति मिल रही है और उनकी सुनिश्चित आय हो रही है।

- प्रदेश में मूंग, मूंगफली और सोयाबीन की हुई रिकॉर्ड खरीद

सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने बताया कि वर्तमान राज्य सरकार के 2 वर्ष से भी कम अवधि के अब तक के कार्यकाल में पूर्ववर्ती सरकार के 5 वर्ष के कार्यकाल की तुलना में विभिन्न जिंसों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर आनुपातिक दृष्टि से अधिक खरीद कर किसानों को प्रत्यक्ष रुप से लाभान्वित किया गया है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अब तक लगभग 5 लाख किसानों से 8 हजार 191 करोड़ रुपये की उपज खरीदी जा चुकी है। वहीं, खरीफ-2025 सीजन में भी एमएसपी पर कृषि जिंस बेचान के लिए बड़ी संख्या में किसान अपना पंजीयन करवा रहे है। दक ने बताया कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में 5 वर्ष में 2827 करोड़ रुपये राशि का 3.90 लाख मीट्रिक टन मूंग किसानों से खरीदा गया था, जिसकी तुलना में वर्तमान सरकार के 2 वर्ष से भी कम अवधि के कार्यकाल में 1720 करोड़ रुपये का भुगतान कर किसानों से लगभग 2 लाख मीट्रिक टन मूंग खरीदा जा चुका है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में मूंगफली रिकॉर्ड खरीद की गई है। पूर्ववर्ती सरकार के पूरे कार्यकाल में 1 लाख 74 हजार 656 किसानों से 2058 करोड़ रुपये राशि की 4.79 लाख मीट्रिक टन मूंगफली खरीदी गई थी। जबकि, वर्तमान सरकार के अब तक के कार्यकाल में ही 1 लाख 42 हजार 58 किसानों से 3 हजार 269 करोड़ रुपये राशि की 4 लाख 84 हजार 687 मीट्रिक टन मूंगफली खरीदी जा चुकी है।

मादक पदार्थ तस्करों को 10 साल की सजा

जयपुर। एनडीपीएस मामलों की विशेष अदालत, महानगर प्रथम ने मादक पदार्थ कोकीन की तस्करी करने वाले अभियुक्त तैय्यब रहमान और रविन्द्र टकसाली को दस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्तों पर 2.45 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी प्रदीप कुमार मोदी ने अपने आदेश में कहा कि मौजूदा समय में मादक पदार्थ के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। मादक पदार्थ आसानी से उपलब्ध होने के चलते युवा वर्ग इसकी चपेट में आ रहा है। ऐसी स्थिति में अभियुक्तों के प्रति किसी तरह की नरमी नहीं बरत सकते।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक शंकर लाल ने बताया कि विभाग की क्षेत्रीय इकाई जोधपुर के आसूचना अधिकारी को 10 मार्च 2023 को गोपनीय सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति तैय्यब रहमान लोक परिवहन की बस में बैठकर अपने बैग में कोकीन छिपाकर दिल्ली से जयपुर लाएगा। यह बस 13 मार्च 2023 को नारायण सिंह सर्किल पर शाम 6 से 6.30 बजे आएगी।

ड्रग की डिलीवरी जयपुर में रविन्द्र टकसाली को होनी है। सूचना पर एनसीबी टीम ने घटना वाले दिन शाम को संबंधित बस को रुकवाया और उसमें बैठी सवारियों की तलाशी ली। इसमें गोपनीय सूचना से मिलता-जुलता व्यक्ति तैय्यब रहमान मिला।

मतदाता सूची का पुनरीक्षण देशहित में कदम : मदन राठौड

जयपुर, (कासं)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण और शुद्धिकरण की प्रक्रिया को सकारात्मक और देश हितकारी पहल बताया। राठौड़ ने कहा कि एसआरआर कार्य न केवल लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ करेगा, बल्कि मताधिकार के दुरुपयोग को भी रोकने में सहायक सिद्ध होगा।

राठौड़ ने कहा कि हर बार की तरह इस बार भी निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची का पुनरीक्षण किया जा रहा है, जिसमें मृत व्यक्तियों के नाम हटाने और नए पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने की प्रक्रिया शामिल है। राजस्थान में भी इस प्रक्रिया को पारदर्शी और प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है, ताकि केवल वैध और योग्य नागरिक ही मताधिकार का उपयोग कर सकें।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि दुर्भाग्यवश, बीते वर्षों में कुछ राजनीतिक दलों ने अपने स्वार्थवश ऐसे लोगों के नाम मतदाता सूची में जुड़वा दिए हैं, जो इस देश के नागरिक नहीं हैं। कुछ क्षेत्रों में रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम भी मतदाता सूची में शामिल होने की शिकायतें मिली हैं। ऐसे लोग भारत को एक धर्मशाला की तरह समझकर यहां केवल लाभ उठाने आते हैं, परंतु राष्ट्रहित या जनसेवा से उनका कोई सरोकार नहीं होता। ऐसे अवैध रूप से जुड़े नामों को मतदाता सूची से हटाना पूरी तरह उचित और आवश्यक कदम है। उन्होंने विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए कहा कि जो दल इस कार्रवाई का विरोध कर रहे हैं, वे वास्तव में अपने कथित वोट बैंक की राजनीति बचाने में लगे हैं, न कि लोकतंत्र की रक्षा में। राठौड़ ने स्पष्ट किया कि इस देश पर शासन करने का अधिकार उसी को है जो भारत माता के प्रति आत्मीयता रखता है, देशहित और जनहित की सच्ची चिंता करता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
RISING™ RAJASTHAN
REPLETE • RESPONSIBLE • READY

प्रत्यक्ष आवंटन योजना - 2025

राइज़िंग राजस्थान में MoU करने वाले निवेशकों के लिए भूखण्ड के आरक्षित मूल्य पर

औद्योगिक भूखण्डों का डायरेक्ट अलॉटमेंट
छठा चरण

ऑनलाइन पोर्टल पर दिनांक 30.10.2025 (प्रात: 10:00 बजे) से 13.11.2025 (सायं 6 बजे) तक आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं।

नियोजित लॉजिस्टिक भूखण्डों का आवंटन आरक्षित मूल्य पर | ई-लॉटरी | 18 नवंबर, 2025

100 औद्योगिक क्षेत्र | 5,971 कुल औद्योगिक भूखण्ड | 5,933 अनारक्षित भूखण्ड | 38 लॉजिस्टिक भूखण्ड

विभिन्न श्रेणियों / वर्गों के लिए आरक्षित भूखंड

221 अनुसूचित जाति/जनजाति | 220 महिला वर्ग | 115 भूतपूर्व सैनिक | 144 बेंचमार्क दिव्यांगता | 66 सशस्त्र बलों/अर्ध सैनिक बलों के मृतक के आश्रित

आवंटन की प्रक्रिया

एक भूखण्ड पर एक ही आवेदक होने पर सीधा आवंटन तथा एक से अधिक आवेदक होने पर ई-लॉटरी के माध्यम से आवंटन

EMD - भूखण्ड की कुल देय प्रीमियम राशि की 5 प्रतिशत राशि आवेदन के साथ ही ऑनलाइन जमा।

पात्रता - निवेशक जिन्होंने **14/10/2025** तक राइजिंग राजस्थान में राज्य सरकार के साथ एमओयू किये हैं वे सभी इस योजना में भूखण्ड के लिए पात्र हैं।

आवेदन हेतु स्कैन करें

भूखण्ड की राशि का भुगतान

*25% भुगतान के बाद, शेष 75% भुगतान 11 किश्तों में 8.5% ब्याज के साथ या 120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान
या
RIICO की टर्म लोन स्कीम के तहत भूमि की लागत का 75% तक का ऋण 5 साल की पुनर्भुगतान अवधि एवं 8.5% ब्याज के साथ

औद्योगिक क्षेत्रों में नियोजित लॉजिस्टिक भूखण्डों के आवंटन से संबंधित पॉलिसी riico.rajasthan.gov.in पर देखें।

इस योजना के तहत भूखण्ड देखने या आवेदन करने के लिए **https://riico.rajasthan.gov.in** पर दिए गए **Direct Land Allotment** लिंक पर क्लिक करें अथवा **SSO Portal पर login के बाद RIICO** के आइकन पर क्लिक करके **Land Allotment** पर जाएं और **Direct Land Allotment Policy - 2025 (for RR MoU Holders)** पर क्लिक करें।

*केवल औद्योगिक भूखण्डों के लिए

राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एण्ड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
उद्योग भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर 302005
हैल्पलाइन नंबर : 0141 4593250, 4593237 | वाट्सएप : +91 90013 06515 | ई-मेल : riico@riico.co.in
riico.rajasthan.gov.in · riicogis.rajasthan.gov.in/riicogiscitizen

राज.संवाद/सी/25/12805

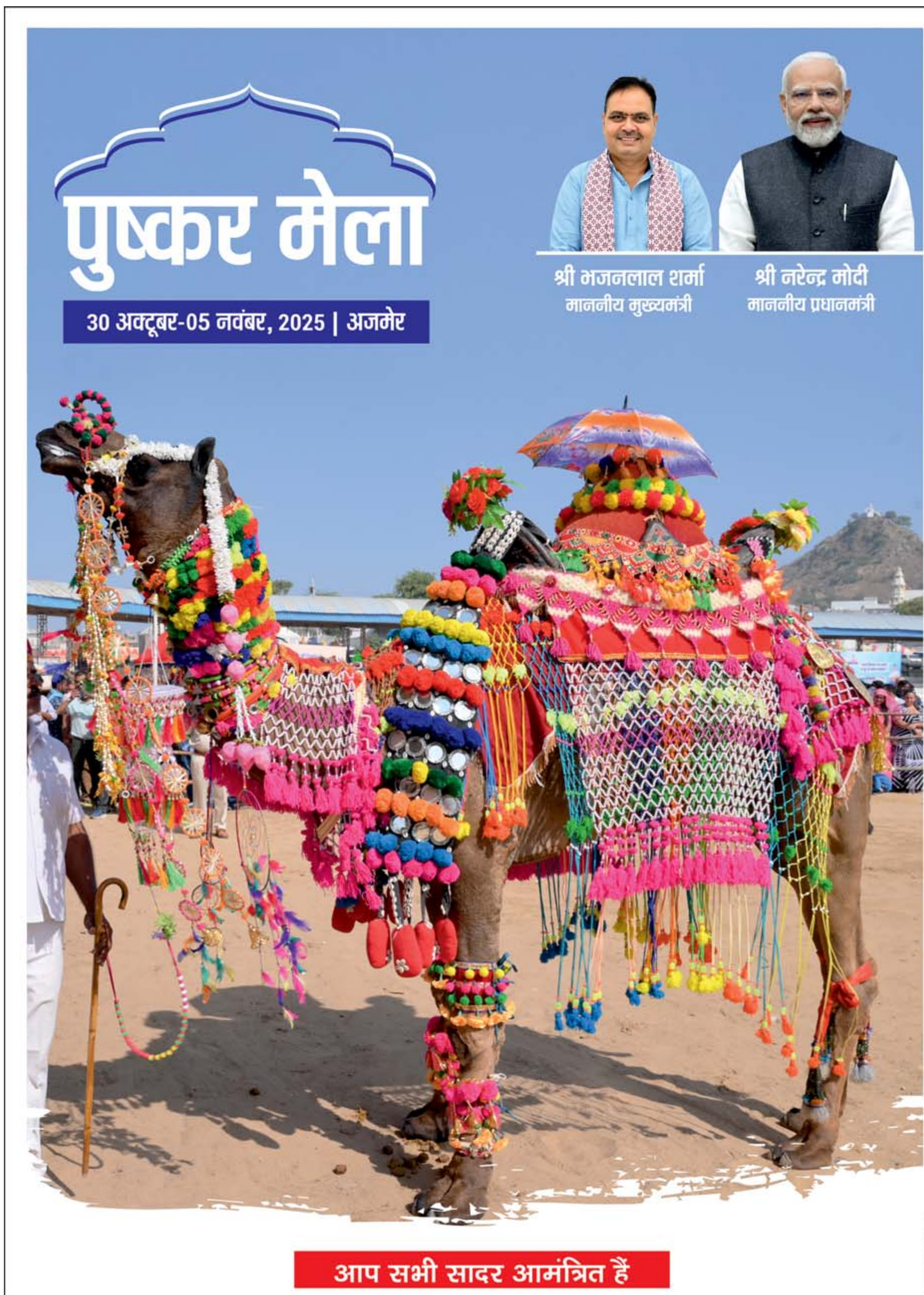

आप सभी सादर आमंत्रित हैं

राजस्थान
भारत का अतुल्य राज्य !

पर्यटन विभाग एवं जिला प्रशासन, अजमेर

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें: पर्यटक स्वागत केन्द्र, आरटीडीसी होटल अजयमेरु परिसर सिविल लाइंस, अजमेर, फोन: 0145-2627426

trc.ajmer@rajasthan.gov.in www.tourism.rajasthan.gov.in

rajasthantourism my_rajasthan rajasthan_tourism Rajasthan Tourism Channel

अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण कार्यक्रम में बदलाव संभव है

राजस्थान संवाद

डकैती की योजना बनाते हरियाणा की सांसी गैंग के पांच बदमाश गिरफ्तार

पुलिस टीम ने खंडहर मकान में दबिश देकर बदमाशों को गिरफ्तार किया

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर की सदर पुलिस के प्रोएक्टिव एक्शन की वजह से डकैती जैसी बड़ी वारदात टल गई है। सदर पुलिस के एएसआई तनेराव सिंह मय टीम ने देर रात करीब दो बजे हरियाणा की एक गैंग के पांच बदमाशों को धरदबोचा है। गैंग का नाम सांसी गैंग बताया जा रहा है। आरोपियों की पहचान हांसी शहर, हिसार हरियाणा निवासी जॉनी सांसी, अगरोहा हिसार निवासी हरविंदर सांसी, बरवाल हिसार निवासी सुनील सांसी, मोसुदपुर हांसी हरियाणा निवासी कृष्ण सांसी व बरवाला हिसार निवासी सूरजमल सांसी के रूप में हुई है। आरोपियों के पास से दो पेचकस, दो बड़े हथौड़े, दो फंदर, दो बड़ी टेप के बंडल, दो सूत की रस्सी के बड़े बंडल, दो सौ ग्राम लाल मिर्च का पैकेट व दस्ताने मिले हैं।

पुलिस के अनुसार आरोपी मिलन ट्रेवल्स रोड़ स्थित एक बंद पड़े खंडहर मकान में छुपे हुए थे। एएसआई तनेराव सिंह को मुखबिर से सूचना मिली थी। आईजी हेमंत शर्मा व एसपी कावेंद्र सिंह सागर के निर्देशानुसार व थानाधिकारी दिगपाल सिंह के सुपरविजन में एएसआई तनेराव सिंह मय टीम ने मौके पर दबिश दी। पहले सादी वर्दी में कांस्टेबल अभिषेक को सूचना की पुष्टि हेतु खंडहर मकान की तरफ भेजा गया।

अभिषेक ने झाड़ियों के पीछे छुपकर बदमाशों की बातें सुनी, जिससे डकैती की योजना की पुष्टि हो गई। तब एएसआई तनेराव सिंह मय पुलिस टीम ने खंडहर मकान में दबिश देकर बदमाशों से पूछताछ की। इसके बाद पांचों को गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज किया गया।

पुलिस पूछताछ में बदमाशों ने बताया कि उन्हें पता चला था,

पुलिस ने डकैती की योजना बनाते हुए हरियाणा की सांसी गैंग के पांच बदमाशों को दबोचा।

- **आरोपियों के पास दो पेचकस, दो बड़े हथौड़े, दो फंदर, दो बड़ी टेप के बंडल, रस्सी के बड़े बंडल, दो सौ ग्राम लाल मिर्च का पैकेट व दस्ताने मिले**

सादुलगंज पॉश कॉलोनी है। वे यहां किसी बड़े मकान में घुसने वाले थे। अगर कोई बीच में आता तो उसके हाथ पैर बांधकर मुंह पर टेप लगा देते। पुलिस की इस प्रोएक्टिव कार्रवाई से न सिर्फ डकैती टली है बल्कि हत्या जैसी बड़ी वारदात भी टल गई। आरोपियों ने से पूछताछ चल रही है। हालांकि आरोपियों का टारगेट किस पूंजीपति का घर था, यह स्पष्ट नहीं हुआ है, मगर जिस मकान में आरोपी रुके थे, उसके आसपास बीकानेर के 2-4 नामी पूंजीपति रहते हैं। इनमें तेल किंग भी है।

जैसलमेर बस दुखांतिका : मृतकों की संख्या 28 पहुंची

जोधपुर, (कासं)। जैसलमेर जिले में हुई बस दुखांतिका में घायल पीर मोहम्मद की इलाज के दौरान जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में मौत हो गई। पीर मोहम्मद को जोधपुर के महात्मा गांधी हॉस्पिटल में एडमिट करवाया था। यहां से उसके परिजन उसे अहमदाबाद ले गए थे। बाद में उसे जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल लाया गया था। यहां इलाज के दौरान पीर मोहम्मद की मौत हो गई। इस हादसे में अब तक कुल 28 लोगों की मौत हो चुकी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पीर मोहम्मद के परिवार में यह पांचवीं मौत है। इससे पहले उनकी पत्नी इमामत सहित तीन बच्चों की मौत हो गई थी। पीर मोहम्मद जैसलमेर के भागू का गांव जाने के लिए अपनी पत्नी इमामत (30) और तीन बच्चे इरफान, यूनुस और हसीना के साथ बस में सवार हुए थे। पीर मोहम्मद ने अपने तीनों बच्चों को स्लीपर सीट पर बैठा दिया और खुद गैलरी में खड़े हो गए थे। आग लगने के बाद पीर मोहम्मद ने बस का कांच तोड़ने की कोशिश की थी, लेकिन तोड़ नहीं पाए। पीर मोहम्मद के दो बेटे इरफान और हसीना की जिंदा जलने से मौत हो गई, जबकि यूनुस की महात्मा गांधी हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद गत बीस अक्टूबर को उनकी पत्नी इमामत का भी निधन हो गया था।

520 नशीली गोलियों के साथ एक युवक गिरफ्तार

श्रीविजयनगर, (निसं)। पुलिस ने नशे के खिलाफ अभियान के तहत एक बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने 28 जीबी पुलिया के पास से एक युवक को 520 नशीली गोलियों के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान श्रीविजयनगर निवासी गुलाब सिंह के रूप में हुई है।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम नियमित गश्त पर थी। इसी दौरान 28 जीबी पुलिया के पास एक युवक संदिग्ध परिस्थितियों में घूमता मिला। शक होने पर उसकी तलाशी ली गई, जिसमें उसके पास से भारी मात्रा में नशीली गोलियां बरामद हुईं। पूछताछ में आरोपी संतोषजनक जवाब नहीं दे सका, जिसके बाद उसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी इन गोलियों की स्थानीय क्षेत्र में सप्लाई करने की फिराक में था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी ने यह नशीला पदार्थ कहां से प्राप्त किया और उसके संपर्क में कौन-कौन लोग शामिल हैं।

बुजुर्ग महिला की हत्या कर शव को खेत में दबाया, पड़ोसी ही निकला हत्यारा

- **11 अक्टूबर को लापता हो गई थी बुजुर्ग महिला, हत्यारे को बिहार के पटना जंक्शन रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया**
- **पड़ोसी युवक ने सोने-चांदी के आभूषण लूटने के लिए बुजुर्ग महिला की हत्या कर दी थी, नशे का आदी था युवक**

जोधपुर, (कासं)। ओसियां थाना क्षेत्र से 11 अक्टूबर को लापता हुई बुजुर्ग महिला की हत्या करने का मामला सामने आया है। जोधपुर ग्रामीण पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुए हत्यारे को बिहार के पटना जंक्शन रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी कोई और नहीं बल्कि मृतका का पड़ोसी ही निकला, जिसने सोने-चांदी के आभूषण लूटने के लिए बुजुर्ग महिला की हत्या कर दी थी।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी ऑनलाइन गेम, सट्टा जुआ खेलने और नशे का आदि था। ऐसे में रुपयों की जरूरत पूरा करने के लिए उसने हत्या कर बुजुर्ग महिला की लाश को खेत में गाड़ दिया था। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ में जुट गई है। जानकारी के अनुसार 11 अक्टूबर को ओसियां थाना क्षेत्र के चेराई गांव से 72 वर्षीय महिला चंपा लापता हो गई थी, जिसके बाद ईश्वर वालों की ढाणी निवासी मांगीलाल ने थाने में रिपोर्ट दी थी कि उसकी मां चम्पा 11 अक्टूबर को दोपहर में घर से पड़ोस की ढाणी में जाने की बात कहकर निकली, लेकिन वापस नहीं लौटी। शाम तक तलाश करने पर भी मां का कोई सुराग नहीं लगा था, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर महिला की तलाश शुरू कर दी थी।

एसपी नारायण टोगस ने बताया कि पुलिस जांच में सामने आया कि बुजुर्ग महिला के गले, कान और नाक में सोने के आभूषण और पैरों में चांदी की कड़ियां थीं। ऐसे में पुलिस ने शक होने पर पड़ोस में रहने वाले अक्षय कुमार के मोबाइल की जांच की। इस दौरान उसके मोबाइल से डिलीट की गई एक फोटो रिकवर हुई, जिसमें वही भंवरियां दिखा जो चम्पा के नाक में पहना हुआ था। एसपी ने बताया कि घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था। सायबर टीम ने तकनीकी जांच से पता लगाया कि अक्षय एक राज्य से दूसरे राज्य में सफर कर रहा है और फूड डिलीवरी ऐप के जरिए खाना मंगा रहा है। आरोपी अबोहर, अम्बाला, हरियाणा, दिल्ली, अलीगढ़, कानपुर और लखनऊ सहित अलग-अलग शहरों में भागता रहा। पीछा करते हुए पुलिस ने आखिरकार उसे पटना जंक्शन रेलवे स्टेशन से दबोच लिया। पुलिस पूछताछ में बीस वर्षीय आरोपी अक्षय कुमार ने बताया कि 11 अक्टूबर को जब चम्पा उसके घर आई तो उसने उनके गले और नाक के सोने के गहने देखकर लूट नीयत खराब हो गई। उसने लोहे के सरिए से वार कर हत्या कर दी, फिर शव को रात में खेत में गड्ढा खोदकर गाड़ दिया। बाद में फरार हो गया।

पैंथर का मूवमेंट, लोगों में दहशत

बांसवाड़ा, (निसं)। लोहारिया के स्टेट हाईवे पर कराना व कपालेश्वर महादेव घाटी के बीच सुबह पैंथर का मूवमेंट देखा गया। प्रीतम सिंह ने बताया कि सुबह पालोदा से आते हुए बीच मार्ग पर पैंथर नजर आया। लोहारिया वन नाका प्रभारी लालशंकर ने बताया कि लोहारिया के कराना घाटी, कपालेश्वर महादेव मंदिर के वन व लोहारिया वन के पीछे माइंस क्षेत्र में पैंथर के पग चिह्न के मूवमेंट अक्सर देखे जाते हैं। उन्होंने आमजन को हिदायत देते हुए कहा कि बस्तियों में मूवमेंट नजर आने पर वन विभाग को सूचित करें। साथ उन्होंने वन्य जीव को नहीं छेड़ने की अपील करते हुए जंगल में जाते समय सावधानी बरतने की भी हिदायत दी।

पिकअप की टक्कर से दो छात्रों की मौत, एक गंभीर घायल

जोधपुर, (कासं)। देचू थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हादसे में दो स्कूली छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल छात्र को जोधपुर रैफर किया गया है। हादसा सेतरावा कस्बे के खेतनगर गांव में फलोदी-पचपदरा स्टेट हाईवे पर मंगलवार सुबह 9.30 बजे हुआ।

लोहावट डीएसपी संग्रामसिंह ने बताया कि सेतरावा उपखंड के विरमदेवगढ़ निवासी सुनील (15) पुत्र खीयाराम मेघवाल, नागेश (17) पुत्र चैनाराम मेघवाल और भोमेश उर्फ भोमाराम (17) पुत्र चूनाराम मेघवाल घर से सेतरावा के राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल में पढ़ने के लिए सुबह करीब 9.15 बजे निकले थे। घर से दो किलोमीटर दूर और स्कूल से एक किलोमीटर पहले खेतनगर गांव में फलोदी पचपदरा स्टेट हाईवे पर सामने सोलंकियातला की ओर से आ रही पिकअप ने तीनों को टक्कर मार दी। हादसे में सुनील और नागेश की मौत हो गई। वहीं भोमेश गंभीर घायल हो गया। हादसे के तुरंत बाद ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई। ग्रामीणों ने तुरंत एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी। साथ ही बच्चों के परिजनों को बुलाया। सूचना पर डीएसपी, देचू एसडीएम भंवरलाल के अलावा सेतरावा और देचू पुलिस मौके पर पहुंची। बच्चों को तुरंत सेतरावा हॉस्पिटल ले गए। यहां से घायल को मथुरादास माथुर हॉस्पिटल जोधपुर रेफर किया गया।

तीनों छात्र एक ही परिवार से थे :-सुनील 9वीं और नागेश 11वीं कक्षा में पढ़ते थे। भोमेश भी 11वीं कक्षा का स्टूडेंट है। नागेश, सुनील, भोमेश तीनों एक ही परिवार से है। सुनील और भोमेश परिवार में चचेरे भाई है। वहीं नागेश दोनों का चाचा लगता है।

अपहरण व हमला करने वाले चार गिरफ्तार, भागते हुए एक चोटिल

उदयपुर, (कासं)। हिरणमगरी थाना पुलिस ने व्यक्ति का अपहरण कर जानलेवा हमला करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त कार बरामद की। कार्रवाई के दौरान भागते समय एक आरोपी चोटिल हो गया।

प्रकरण के अनुसार 22 अक्टूबर को पीड़ित विजय बंजारा ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि 21 अक्टूबर रात में मेरा पुत्र संजय बजार घर पर था। इस दौरान कार लेकर आए आबिद, शौकीन, सोनू, प्रहलाद व चीकू मीणा थे, जिनसे पटाखा छोड़ने की बात को लेकर विवाद होने पर रंजिश के चलते घर आए तथा पुत्र संजय का अपहरण कर ले गए, जहां चाकू व लट्ठ से हमला कर पुत्र को मरा हुआ समझकर हाईवे पर फैंक कर फरार हो गए। इसका पता चलने पर पुत्र को उपचार के लिए चिकित्सालय में भर्ती करवाया। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उपाधीक्षक छगनपुरोहित के सुपरविजन में हिरणमगरी थाना अधिकारी भरत योगी के नेतृत्व में गठित दल ने टीम टार्गेट को सक्रिय कर उसकी मदद से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी आबिद अली पुत्र इश्तियाक अली निवासी शहीद भगतसिंह कॉलोनी रोड़वेज बस स्टैण्ड के सामने चित्तौड़गढ़ हाल कृष्णा कॉलोनी सेक्टर 9 सवीना व सरफराज उर्फ सोनू पुत्र शराफत अली निवासी शहीद भगतसिंह कॉलोनी रोड़वेज बस स्टैण्ड के सामने चित्तौड़गढ़ को चित्तौड़ के जंगल से डिटेन किया। इस दौरान भागते समय वह चोटिल हो गया, जिन्हें गिरफ्तार कर पूछताछ के बाद आरोपी प्रहलाद राजगोट राजगोट निवासी बासनी भीमपुरा दामोह देहात एमपी हाल सेक्टर 5 हिरणमगरी, सुका उर्फ चीकु मीणा निवासी कृष्णा कॉलोनी पानी की टंकी के पास लालमगरी सेक्टर 9 को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त कार बरामद की।

कमरे में लगी आग में झुलसे तीसरे भाई की अस्पताल में मौत

जोधपुर, (कासं)। बाड़मेर जिले में एक घर में लगी आग में झुलसे एक युवक की यहां महात्मा गांधी अस्पताल की बर्न यूनिट में इलाज के दौरान मौत हो गई है। वह 70 प्रतिशत झुलस गया था। हादसे में उसके दो भाइयों की घटना के दौरान मौत हो गई थी।

पुलिस ने बताया कि घटना रविवार सुबह पांच बजे बाड़मेर ग्रामीण थाना इलाके के जस्तानियों की ढाणी की है। जस्तानियों की ढाणी गांव निवासी देवीलाल शनिवार शाम को अपने रिश्तेदार के घर पर आए हुए थे। उनके घर पर उनका इकलौटा बेटा जसराज और उसके दो चचेरे भाई अरुण पुत्र शंकरलाल, राजूराम पुत्र पुरखाराम थे। शनिवार रात तीनों एक ही कमरे में सोए थे। रविवार सुबह करीब पांच बजे शॉर्ट सर्किट के कारण कमरे में अचानक आग लग गई। कमरे का दरवाजा बंद होने के कारण बच्चे दम घुटने से बेहोश हो गए। हादसे में अरुण और राजूराम जिंदा जल गए। जसराम अधजला कमरे से निकलकर अपने पिता के पास भागते हुआ पहुंचा और कहा कि पापा घर में आग लग गई है। यह कहकर जसराज वहीं गिर गया। और वह भी बेहोश हो गया। ग्रामीणों की मदद से उसको बाड़मेर हॉस्पिटल लाया गया। वहां से उसे जोधपुर के महात्मा गांधी अस्पताल रेफर कर दिया गया। यहां अब उसकी भी मौत हो गई। जसराज पिता का इकलौता बेटा था।

कार्यालय नगर पालिका मण्डल जोबनेर (जयपुर)

क्रमांक/न.पा.जो./2025-2026/2263 दिनांक 17.10.2025

निविदा सूचना

नगर पालिका जोबनेर द्वारा केश/विकास/स्टोर शाखा से कार्य करवाने हेतु कार्य संख्या 2 कार्यो की निविदा आमन्त्रित की जा रही है। उक्त कार्यो की अमानता राशि, बिड की शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in पर अथवा अधोहस्ताक्षरकर्त्ता के कार्यालय में देखी जा सकती है।

UBN NO.- 1 DLB2526WSOB22342, 2. DLB2526WSOB22343

राज.संवाद/सी/25/12781 अधिशाषी अधिकारी

OFFICE MUNICIPAL COUNCIL CHOMU (JAIPUR)

Tel-01423-220036 e-mail:chomu.jaipur@yahoo.com

Sr. No. : NPC/2025/2122 Date : 16.10.2025

Notice Inviting Bid

Bids for "Construction of C.C. Road in Ward no. 36 to 40 Nagar Parishad area Chomu" are invited interested bidders upto 06.00 PM on 17.10.2025 Dated. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in, https://eproc.rajasthan.gov.in) of the state. The Bid Value are 49.89 Lacs.

NIB CODE : DLB2526A7313

UBN NO. : DLB2526WSOB22118

Raj.Samwad/C/25/12717 COMMISSIONER

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

जोधपुर 342304, राजस्थान, भारत

ई-निविदा सूचना

कार्यालय भू-सम्पदा अधिकारी, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा निम्न कार्यो हेतु उपयुक्त श्रेणी के समकक्ष संवेदक जो कि राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों में पंजीकृत हो, हेतु खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित पूर्ण विवरण वेब साईट www.aujodhpur.ac.in, www.sppp.rajasthan.gov.in देखा जा सकता है। UBN No. JAU2526WSOB00117, JAU2526WSOB00118, JAU2526WSOB00119, JAU2526WSOB00120, JAU2526WSOB00121, JAU2526WSOB00122, JAU2526WSOB00123

राज.संवाद/सी/25/12745 भू-सम्पदा अधिकारी

राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड

ई-बोली आमन्त्रण सूचना

इच्छुक बोली दाताओं से 145 केवी करंट ट्रांसफार्मर (0.2s क्लास) के विभिन्न अनुपात पॉलीमर बुशिंग के साथ (बीएन-9015002519 यूबीएन -VPN2526GLRL02023) की खरीद हेतु ऑनलाइन बोली (अल्पकालिक एनआईबी) आमंत्रित की जाती है।

विस्तृत एनआईबी और बोली दस्तावेज / विनिर्देश वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखने एवं डाउनलोड करने हेतु उपलब्ध हैं। एनआईबी का विवरण वेबसाइट energy.rajasthan.gov.in/rrvpn पर उपलब्ध है।

बोली खोलने की तिथि में संशोधन की सूचना http://eproc.rajasthan.gov.in; energy.rajasthan.gov.in/rrvpn एवं http://sppp.rajasthan.gov.in पर ही प्रकाशित की जायेगी।

अधीक्षण अभियन्ता (क्रय-I)

राज.संवाद/सी/25/12738 रा.रा.वि.प्र.नि./TR-7198/2025

कार्यालय जिला कार्यक्रम समन्वयक एवं जिला कलक्टर, चूरू

फोन नं.01562-250594 फैक्स 01562-255983 ई-मेल pd-chu-rj@nic.in

क्रमांक- 3298-3300 दिनांक-17.10.2025

ई-बोली आमंत्रण सूचना-01/2025-26

जिला परिषद चूरू कार्यालय के अधीन विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत सामाजिक अंकेक्षण कार्य हेतु ब्लॉक व ग्राम पंचायत स्तर पर दीवार लेखन कार्य करवाने जाने हेतु इच्छुक बोलीदाताओं से 236 लाख की राशि तक का कार्य करवाये जाने हेतु दिनांक 06.11.2025 तक सायं 6.00 बजे तक ई-उपापन पद्धति से निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा संबंधित अन्य विवरण www.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB NO. ZCR2526A0962, UBN NO. ZCR2526WSOB01618

अति. जिला कार्यक्रम समन्वयक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद चूरू

DIPR/C/15717/2025

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

प्रभारिम शशि सूर्ययोः

कार्यालय संभागीय मुख्य अभियंता (जयपुर संभाग) पुराना पॉवर हाऊस, बनीपार्क, जयपुर टेलीफैक्स : 0141 - 2201489, ई-मेल: zcejz@jvvnl.org

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा दो भागों में (तकनीकी-वाणिज्यिक), जेपीडीसी-साउथ, जयपुर डिस्कॉम, जयपुर के क्षेत्र में एक्सईएन (डीडी-II), जेपीडी, जयपुर के अधीन एईएन (एचटीएम-डीडी-II) के क्षेत्र में नई 33 केवी 3सी 300 वर्ग मिमी एस/सी अण्डर ग्राउण्ड केबल बिछाने का कार्य श्रीमान् सचिव, जेडीए (नेवता) के पक्ष में, टीएन-149 के तहत् एआरसी, 2025 पर योग्य निविदादाताओं से श्रम दर पर आमंत्रित किये जाते है। योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा संबंधित दस्तावेज ई-प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 28.10.2025 से डाउनलोड कर सकते है। निविदायें ऑनलाईन ई-पोर्टल पर दिनांक 10.11.2025 को सांय 05:00 बजे तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा संबंधी जानकारी कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेब साईट www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

UBN : VVN2526WSOB00476

राज.संवाद/सी/25/12741 जेपीआर - 3071 (2025) संभागीय मुख्य अभियंता (जयपुर संभाग)

बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

कार्यालय नगरपालिका धरियावद जिला-प्रतापगढ़ (राज.)

क्रमांक/न.पा.धरि./निर्माण/2025-26/1350 दिनांकः- 17.10.2025

ई टेण्डरिंग निविदा सूचना संख्या: 10/2025-26

नगर पालिका धरियावद द्वारा नगर पालिका एवं राजस्थान सरकार के समूचित वर्ग के सूचीबद्ध ठेकेदारों/ संवेदको एवं केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न उपयुक्त श्रेणी के सवेंदकों के समकक्ष हो उनसें निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण इंटरनेट साईट http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

क्र.सं.	यूबीएन संख्या
01	DLB2526WSOB22340

Important Date	
निविदा में कुल कार्य	1
निविदा की कुल लागत	16.31 लाख
निविदा की धरोहर राशि	अनुमानित लागत की 2 प्रतिशत / नगर परिषद् पंजीकृत संवेदक ½ प्रतिशत।
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने की दिनांक	दि.प्रातः 10.00 बजे से दि 20.10.2025 से 31.10.25 सांय 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की दिनांक	दि 20.10.2025 से 31.10.2025 सांय 6.00 बजे तक
निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि डिमांड ड्राफ्ट अथवा बैंकर चैक कार्यालय में भौतिक रूप से जमा करवाने की दिनांक	दि 03.11.2025 प्रातः10:00 बजे से सायः 04:00 बजे तक
ऑनलाईन Technical & Finecial Bid निविदा खोलने की दिनांक	दि 04.11.2025 प्रातः 11:00 बजे

निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेब साईट http://sppp.rajasthan.gov.in तथा http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

प्रशासक नगर पालिका धरियावद — अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका धरियावद

राज.संवाद/सी/25/12733

Rajasthan Council of School Education

S. Radha Krishnan Shiksha Sankul, 5th Block, 2nd & 3rd Floor, JLN Marg, Jaipur – 17

Ph.: 0141-2700366, 2715590, 2715550, E-Mail: rajssa_acctt@yahoo.co.in; rcse.ict@gmail.com

No. :- (Ref No.) 1856 **Corrigendum (NIB : 05/2025-26)** Dated :- 17/10/2025

In reference NIB 05/2025-26 dated 06-10-2025 (UBN No. : RSE2526GLOB01594) for Supply, Installation, Testing, Commissioning and operations of ICT Labs in 3213 Govt. Schools. Some clarification/Corrigendum/Addendum regarding bid and other details may be seen at State Public Procurement Portal website www.sppp.rajasthan.gov.in or website "www.rajsmsa.nic.in" and e-proc portal.

Raj.Samwad/C/25/12757 State Project Director

Rajasthan University of Health Sciences

सेक्टर-18, कुम्भा मार्ग, प्रताप नगर, जयपुर-302033, दूरभाष: 0141-279515, 0141-2795508, 2795536

No. :- F.6 ( ) Store/RUHS/2025-26/24506 Date :- 16/10/2025

Notice Inviting e-Bids

Single Stage Two envelope e-bids are invited up to 02.00 pm of 03.11.2025 for Two Year Rate Contract for Hiring Services of various manpower as per nature of work in Rajasthan University of Health Sciences, Jaipur (Total Est. Cost Rs. 60 Lacs). Details may be seen in the Bidding Documents at the Website sppp.raj.nic.in or eproc.rajasthan.gov.in.

(UBN No. RUHS2526SLRC00015)

Raj.Samwad/C/25/12753 Registrar RUHS, Jaipur

Office of Municipal Corporation Jodhpur south

Nagar Nigam Bhawan, Polytechnic college campus, Residency Road, Jodhpur-342004

Phone No:- 0291-2651464 Fax-0291-2651464 ID :- nnjnorth@gmail.com

Sr. No. - 18403615 Date - 16.10.2025

NOTICE INVITING BIDS

(UB NO. DLB2526WSOB22134)

Unconditional online bids are invited on behalf of the Municipal Corporation Jodhpur south for the work "Tender for Development of theme based waste to wonder park under budget ghosna of state govt and various Wastes to art artistic innovative activities at Nagar Nigam Jodhpur south.. From enlisted / eligible bidders of appropriate class of the department/ organization, latest up to 3 PM on ....25.The complete Bidding Document may be seen and submitted through the official website of nagar nigam jodhpur south and

Commissioner Municipal Corporation Jodhpur south.

Raj.Samwad/C/25/12788

कार्यालय नगरपरिषद् लालसोट(दौसा)

Email ID:-lalsot.jaipur@yahoo.com Ph-01431-260714

क्रमांकः-न.प.ला./2025/4000 दिनांकः-21.10.2025

-:: Corrigendum ::-

नगरपरिषद् कार्यालय द्वारा आमन्त्रित ई-निविदा सूचना NIB-20/2025-26 निविदा क्रमांक NPL/निमार्ण/2025/3421-3424 दिनांक 23.09.2025 को ऑनलाईन किया गया था। उक्त निविदा में "Bid Submission End Date 24-10-2025 के स्थान पर Date 07-11-2025" समय सायंकाल 06:00 बजे तक एवं "Physical submission of tender Fees , Processing Fees Date 27-10-2025 के स्थान पर Date 10-11-2025" को समय दोहपर 02:00 बजे तक एवं Technical bid opening date 27-10-2025 के स्थान पर दिनांक 10.11.2025 को समय सायंकाल 04:00 बजे पढा जावें। शेष यथावत।

राज.संवाद/सी/25/12714 आयुक्त, नगर परिषद् लालसोट

कार्यालय नगर निगम, पाली (राज.)

(लालबहादुर शास्त्री टाऊन हॉल, सुरजपोल के पास, पाली, पिनकोड़-306401)

टेलीफोन :- 02932-250033 ई-मेल :- cmcpali@yahoo.co.in

क्रमांक : प.19( )गैराज/2025/346 दिनांक : 14.10.2025

:: ई-निविदा सूचना संख्या ...../2025-26

नगर निगम, पाली की ओर से पाली नगर निगम एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है जो वेबपोर्टल www.sppp.raj.gov.in, www.eproc.rajastha.gov.in पर निम्नलिखित UBN नम्बर अनुसार डाउनलोड कर देखी जा सकती है।

1. UBN नम्बर DLB2526GLRC21734
2. UBN नम्बर DLB2526SSOB21736

राज.संवाद/सी/25/12784 आयुक्त नगर निगम, पाली

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

लोहागल पंचशील रोड़, अजमेर (राजस्थान) फोन नं. 0145-2429971, 2429920

क्रमांक : T.W.S./2025-26/371 दिनांक : 21.10.2025

:: ई-निविदा सूचना संख्या /2025-26 ::

नगर निगम, अजमेर की ओर से अजमेर नगर निगम एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया से ट्राम्बे शाखा द्वारा गाय का पिंजरा क्रय हेतु ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है जिसमें अनुमानित व्यय 25,00,000/- है जो निम्नलिखित दिनांक अनुसार डाउनलोड तथा खोली जायेगी।

महत्त्वपूर्ण दिनांको का विवरण

विवरण	दिनांक/समय
ऑन लाईन निविदा फॉर्म प्रारम्भ होने की दिनांक व समय	24.10.2025/प्रातः 12:00 बजे
ऑन लाईन निविदा फॉर्म समाप्त होने की दिनांक व समय	03.11.2025/सांय 06:00 बजे
ऑन लाईन तकनीकी निविदा खोलने की तारीख	04.11.2025/प्रातः 11:00 बजे

NIB CODE : ANN2526A142

UBN NO. ANN2526GLOB00186

राज.संवाद/सी/25/12798 उपायुक्त नगर निगम अजमेर

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग राज. जयपुर (राईस) द्वारा संचालित

कार्यालय प्रधानाचार्य देवनारायण राजकीय बालिका आवासीय विद्यालय देवलेन जिला करौली

ई-मेल-SHRAWANGARGSITAPUR@GMAIL COM. Mob. 9166232666

क्रमांक/ 2751 दिनांक-15.10.2025

ई-निविदा सूचना संख्या-01/2025-26

राजस्थान रजिडेन्सियल एजुकेशन इन्सटीट्यूशनल सोसायटी (राईस) जयपुर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जयपुर के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन संचालित देवनारायण राजकीय बालिका आवासीय विद्यालय, देवलेन जिला करौली में Rajasthan Transparency in Public Procurement Act 2012 तथा Rajasthan Transparency in Public Procurement Rule 2013 एवं मानव संसाधन की सेवाओं के उपापनों के संबंध में वित्त विभाग के आदेश क्रमांक एफ.2(1)वित्त/एसपीएफसी/2017 जयपुर दिनांक 30.04.2018, 09.07.2021 एवं एफ.2(1)एफडी/एसपीएफसी/2017 दिनांक 14.11.2018 के तहत विविध मानव सेवा (चौकीदार, प्लम्बर व इलेक्ट्रिशियन, मैस कर्मी (डेड कुल, कुक), सफाईकर्मी, बागवान, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी एवं प्रयोगशाला सेवक कार्य) की सेवाएं कार्यदिश जारी होने की दिनांक से एक वर्ष के लिए जॉब बेसिस पर उपलब्ध करवाये जाने हेतु इच्छुक श्रम आपूर्ति कर्ताओं/स्वयं सहायता समूहों/संवेदकों से निम्नानुसार ई निविदाऐं आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	जॉब बेसिस कार्य का नाम	स्वीकृत छात्रा संख्या	कार्मिकों की संख्या	अनुमानित राशि (लाखों में)	निविदा प्रपत्र शुल्क	निविदा प्रोसेसिंग राशि	अमानत राशि (2प्रतिशत)
1	चौकीदार-4, प्लम्बर व इलेक्ट्रिशियन-1, मैस कर्मी (हेड कुक-1, कुक-4, सफाईकर्मी-3, बागवान-2, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी-3, एवं प्रयोगशाला सेवक-1	280	19	27 लाख	1000/-	500/-	54000/-
2	ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निविदा प्रपत्र बिड डेटाशीट इत्यादि डाउनलोड करने की तिथि व समय						15.10.25 सांय 4 बजे से
3	ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रस्तुत करने की प्रारंभ तिथि व समय						15.10.25 सांय 4 बजे से
4	ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निविदा प्रपत्र बिड डेटाशीट अपलोड करने की अंतिम तिथि वसमय						29.10.25 दोपहर 01 बजे तक
5	अमानता राशि निविदा शुल्क आरआईएसएल प्रक्रिया शुल्क एवं निविदा दस्तावेज प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि व समय						29.10.25 दोपहर 01 बजे तक
6	तकनीकि निविदा खोलने की तिथि व समय						30.10.25 प्रात 11 बजे

ऑनलाइन बिडिंग के लिए निविदादाता का सूचना प्रौद्योगिक अधिनियम 2000 के अनुसार डिजिटल हस्ताक्षर होना आवश्यक है। निविदा दस्तावेज मय शर्ते www.eproc.rajasthan.gov.in एवं sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। तकनीकी निविदा उन्हीं निविदादाताआं की खोली जायेगी जिनके द्वारा दिनांक 29.10.2025 समय सायं 04 बजे तक निविदा प्रतिभूति राशि 54000/-रू. के डिमाण्ड ड्राफ्ट Principal Devnarayan Govt. Girls Residential School Devlen, Karauli के नाम) एवं निविदा प्रपत्र शुल्क की राशि 1000/-रू. के डिमाण्ड ड्राफ्ट/ई-ग्रास भुगतान चालान (Principal Devnarayan Govt. Girls Residential School Devlen Karauli के नाम)तथा ई निविदा प्रोसेसिंग प्रक्रिया शुल्क 500/-रू. के डिमाण्ड ड्राफ्ट ई ग्रास भुगतान चालान Managing Director RISL Jaipur (Payable at Jaipur) के नाम कार्यालय में बंद लिफाफे में डाक द्वारा अथवा व्यक्तिश मूल जमा करवाये हो। तकनीकी/वित्तीय निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित हो जाने अथवा तकनीकी समस्या होने पर अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। उक्त निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता कोहोगा। निविदा प्रपत्र में वांछित समस्त कॉलमों की पूर्ति अनिवार्य होगी। किसी भी निविदा को स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार उपापन समिति को होगा। निविदा प्रपत्र को वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं htpp://sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। इन निविदाओं में भाग लेने वाले संवेदकों को निविदा इलैक्ट्रोनिक फार्मेट में वेबसाइट htpp://eproc.rajsthan.gov.in पर जमा करवानी होगी। निविदा की विस्तृत सूचना एवं शर्ते कार्यालय में कार्यालय समय एवं www.eproc.rajasthan.gov.in एवं sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

UBN NO. SOC2526SLOB00205

प्रधानाचार्य देवनारायण राजकीय बालिका आवासीय विद्यालय देवलेन, जिला करौली

DIPR/C/15814/2025

खाटूश्यामजी कॉरिडोर के विकास कार्यों पर उपमुख्यमंत्री ने की चर्चा

यातायात व्यवस्था, अतिक्रमण और पार्किंग की समस्याओं के समाधान के लिए विशेष कमेटी भी बनाई, जो कि जल्द ही ठोस सुझाव प्रस्तुत करेगी

जयपुर (कासं)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में मंगलवार को पर्यटन भवन में स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत श्री खाटूश्यामजी कॉरिडोर (सीकर) के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में प्रमुख शासन सचिव राजेश यादव, अतिरिक्त जिला कलक्टर सीकर, सार्वजनिक निर्माण विभाग, आरएसआरडीसी, पीडीकोर, मंदिर कमेटी पदाधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

बैठक के दौरान उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी

- **उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि "जनप्रतिनिधियों व स्थानीय सुझावों से ही इस कॉरिडोर का विकास और अधिक प्रभावी होगा"**

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में मंगलवार को पर्यटन भवन में स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत श्री खाटूश्यामजी कॉरिडोर के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक हुई।

ने कहा कि श्री खाटू श्याम जी राजस्थान की सबसे प्रमुख धार्मिक नगरी है, जहां हर वर्ष लाखों की संख्या में पर्यटक और श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। उन्होंने कहा कि यह राज्य के लिए गर्व का विषय है, लेकिन इसके साथ ही एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है कि श्रद्धालुओं को बेहतर और सुगम अनुभव मिल सके।

दिया कुमारी ने बताया कि भारत सरकार के स्वदेश दर्शन 2.0 कार्यक्रम के अंतर्गत खाटूश्यामजी में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा सौहार्दपूर्ण और सकारात्मक माहौल में की गई। यातायात व्यवस्था, अतिक्रमण और पार्किंग की समस्याओं के समाधान के लिए एक विशेष कमेटी गठित की गई है, जो जल्द ही ठोस सुझाव प्रस्तुत करेगी।

उप मुख्यमंत्री ने कहा, दर्शनार्थियों एवं स्थानीय निवासियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए और सभी स्टेक होल्डर्स व जनप्रतिनिधियों के सुझावों को शामिल कर विकास कार्य करना ही अधिक प्रभावी होगा। उन्होंने यह भी बताया कि कमेटी द्वारा दिए गए सुझावों के आधार पर परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर राजस्थान सरकार के आगामी बजट में भी इस परियोजना के लिए राशि का प्रावधान किया जा सकता है।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर भावना शर्मा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजस्थान मेला प्राधिकरण अशोक कुमार सांखला, अतिरिक्त निदेशक पर्यटन विभाग आनन्द कुमार त्रिपाठी, एसडीएम मोनिका सारस्वत, एएसपी दीपक गर्ग, श्री श्याम मंदिर कमेटी अध्यक्ष पृथ्वी सिंह चौहान, खाटूधाम व्यापार मण्डल अध्यक्ष सोनू जोशी, पूर्व चेयरमैन पवन पुजारी, तथा पीडीकोर और आरएसआरडीसी के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूली छात्रा से नशे की हालत में सामूहिक दुष्कर्म

जयपुर। शिप्रापथ इलाके के एक होटल में स्कूल छात्रा से नशे की हालत में सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस जांच में सामने आया कि स्कूली छात्रा की आरोपित से स्नेप चैट ऐप के जरिए दोस्ती हुई थी। जहां धमकी और दबाव बनाकर दूसरी लड़की की आईडी से होटल में रूम बुक किया। इसके आरोपित ने अपने दोस्त के साथ मिलकर स्कूली छात्रा के साथ दुष्कर्म किया। अब अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर रहे हैं। पुलिस ने नाबालिग पीड़िता ने आरोपित व उसके दोस्त के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस ने बताया कि पन्द्रह वर्षीय स्कूली छात्रा ने मामला दर्ज करवाया है कि कुछ समय पहले स्नेप चैट ऐप के जरिए उसकी बातचीत आरोपित से हुई थी। बातचीत के दौरान आरोपित ने उससे दोस्ती कर ली। आरोप है कि 24 अक्टूबर को आरोपित ने नाबालिग पर मिलने का दबाव बनाया। जिस पर छात्रा आरोपित से मिलने मानसरोवर प्लाजा गई। अपने दोस्त के साथ मिले आरोपित ने लड़की को धमकाकर अपने साथ एक होटल में ले गया। जहां दूसरी लड़की की आईडी देकर उससे होटल के रजिस्टर पर साइन करवाए गए। होटल के रूम में जबरदस्ती उसे बीयर पिलाई। नशे की हालत में आरोपित ने अपने दोस्त के साथ मिलकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। वहीं मोबाइल में अश्लील वीडियो बनाकर किसी को बताने पर वायरल करने की धमकी दी। डरी-सहमी नाबालिग पीड़िता ने परिजनों के दबाव बनाने पर आपबीती सुनाई। इसके बाद परिजन थाने पहुंचे।

खान विभाग ने 26 अक्टूबर तक 486 करोड़ का राजस्व कमाया : टी. रविकांत

"यह राजस्व गत वर्ष की इस अवधि की तुलना में 115 करोड़ रु. ज्यादा है"

खान विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने मंगलवार को सचिवालय में हाइब्रिड मोड पर विभागीय अधिकारियों की बैठक ली।

जयपुर (कासं)। खान विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने कहा है कि बड़े राजस्व लक्ष्य को प्राप्त करना बड़ी चुनौती है, पर इसे समन्वित प्रयासों से अर्जित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 26 अक्टूबर तक विभाग द्वारा गत वित्तीय वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 115 करोड़ रुपए अधिक राजस्व संग्रहित करते हुए 4866 करोड़ 17 लाख रुपए का राजस्व संग्रहित किया जा चुका है। वित्तीय वर्ष के आगामी माहों में हमें राजस्व छीजत रोकने, अधिक से अधिक राजस्व वसूल करने और माइनिंग सेक्टर में राजस्व वसूली के लक्ष्य को अर्जित करने संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। गत वित्तीय वर्ष में इस अवधि तक 4751 करोड़ 57 लाख रुपए का राजस्व जमा हुआ था। प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त मंगलवार को सचिवालय में हाइब्रिड मोड पर विभागीय अधिकारियों की बैठक ले रहे थे।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा माइनिंग सेक्टर में राजस्थान को अग्रणी प्रदेश बनाने और नित नए आयाम स्थापित करने पर जोर देते रहे है। इसलिए निदेशालय सहित फील्ड अधिकारियों को मोनेटरिंग और एनालिसिस सिस्टम को और अधिक मजबूत करने के निर्देश दिए। किन्हीं कारणों से अभी तक जहां आरसीसी-ईआरसीसी ठेके नहीं हो पाये हैं वहां कम राजस्व वसूली पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने विभागीय मशीनरी को चाकचौबंद करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि अधिकारियों को रुटिन के काम के साथ ही सस्टेनेबल माइनिंग, माइनिंग प्लान के अनुसार माइनिंग, सुरक्षा मानकों की पालना सहित माइनिंग लीजों में हो रहे खनिज उत्पादन का विश्लेषण भी करना चाहिए, कि पहले से कम या ज्यादा उत्पादन हो रहा है तो उसके क्या कारण है? उत्पादन के अनुसार रायल्टी आदि जमा हो रही है या नहीं और इसके साथ ही अवैध खनन गतिविधियों पर सख्ती से कार्रवाई करने में कोताही नहीं बरती जाए।

रविकान्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि अतिरिक्त निदेशकों और अधीक्षण अभियंताओं का दायित्व है कि वे अपने स्तर पर नियमित समीक्षा करे और आवश्यकतानुसार अधीनस्थ अधिकारियों को मार्गदर्शन, सहयोग और समन्वय बनाएं ताकि बेहतर परिणाम प्राप्त हो सके। उन्होंने माइनर मिनरल ब्लॉकों के डेलिनियेशन से लेकर ऑक्शन के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा ने बताया कि विभाग द्वारा राजस्व लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए रणनीति तैयार कर क्रियान्विति आरंभ कर दी है।

संयुक्त सचिव माइंस अरविन्द सारस्वत ने ई-फाइलिंग निष्पादन में समय सीमा कम करने, विधानसभा प्रश्नों के उत्तर भिजवाने, विभाग से संबंधित समाचारों पर आवश्यकतानुसार टिप्पणी भिजवाने, मुख्यमंत्री कार्यालय सहित अन्य पत्रों के तत्काल उत्तर भिजवाने की आवश्यकता प्रतिपादित की।

हाइब्रिड बैठक में ओएसडी श्रीकृष्ण शर्मा, एसजी एरियल सर्वे सुनील वर्मा, एसएमई विजिलेंस प्रताप मीणा, एसजी संजय सक्सेना उपस्थित रहे, वहीं अतिरिक्त निदेशक मुख्यालय महेश माथुर, वित्तीय सलाहकार गिरिश कछारा, एसएमई जयपुर एनएस शक्तावत सहित विभाग के अतिरिक्त निदेशक, अधीक्षण खनि अभियंता और सहायक खनि अभियंताओं ने हाइब्रिड मोड पर हिस्सा लिया।

अगले माह होंगे नए वेटरनरी कॉलेज के लिए आवेदन

जयपुर। प्रदेश में नए वेटनरी डिप्लोमा व डिग्री कॉलेज खोलने के लिए पशुपालन विभाग फिर से आवेदन की प्रक्रिया प्रारंभ करेगा। इसके लिए नवंबर-2025 में सात दिन के लिए पोर्टल खोला जाएगा, जिसमें ऑनलाइन आवेदन भरे जा सकेंगे। शासन सचिवालय में पशुपालन विभाग की समीक्षा बैठक में गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री श्री जोराराम कुमावत ने यह निर्देश दिए। इस समीक्षा बैठक में राज्य की दोनों वेटनरी यूनिवर्सिटी से एफिलेटिड कॉलेजों में इस शिक्षा सत्र में सेंट्रलाइज्ड काउंसलिंग सिस्टम के तहत प्रवेश प्रक्रिया सुनिश्चित करने, यूनिवर्सिटी के रेफरल हॉस्पिटल में निःशुल्क दवाएं उपलब्ध करवाने सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई।

इस बैठक में पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने निर्देश दिए कि नए वेटनरी कॉलेज खोलने के लिए फिर से ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया प्रारंभ की जाए। इसके लिए पूर्व में आवेदन कर चुके आवेदकों को संशोधन कर दस्तावेज अपडेट करने का भी मौका देने का निर्णय लिया गया। इस मौके पर मंत्री श्री कुमावत ने कहा कि बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके लिए जो भी कॉलेज या अधिकारी जिम्मेदार होगा उसके विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वेटनरी काउंसिल ऑफ इंडिया (वीसीआई) की गाइडलाइन के विपरीत स्टूडेंट्स को प्रवेश देने वाले कॉलेजों के खिलाफ कार्रवाई का निर्णय अब वीसीआई लेगी। इसके लिए मंत्री के निर्देश पर संबंधित वेटनरी यूनिवर्सिटी,ज जांच में प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए कॉलेजों की जांच रिपोर्ट का प्रस्ताव बनाकर वीसीआई को भेजेगी।

समीक्षा बैठक के दौरान पशुपालन मंत्री ने वेटनरी कॉलेजों के फैकल्टी स्टाफ की हाजरी बायोमेट्रिक प्रणाली से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अशोक गहलोत का पिछला पांच साल का कार्यकाल भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा : दिलावर

भजनलाल सरकार भ्रष्टाचारियों पर शिकंजा कसकर जेल भेज रही : शिक्षा मंत्री

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार के पिछले 5 साल भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गए। बारां जिले के उप चुनाव में भी अशोक गहलोत के नेतृत्व में भ्रष्टाचारी चुनाव लड़ रहे हैं। परंतु मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के शासन में इन भ्रष्टाचारियों की खैर नहीं। हमारी सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त दोषियों को कड़ी सजा देगी।

- **दिलावर ने कहा कि " सिरोही जिले में कांग्रेस कार्यकाल में बने फर्जी दिव्यांगता प्रमाणपत्रों के मामले में एसओजी को जानकारी दे दी गई है, एक भी भ्रष्टाचारी बख्शा नहीं जाएगा।"**
- **इसी तरह पत्नी को फर्जी नियुक्ति दिलाकर वेतन उठाने वाले राजकॉम्प के तत्कालीन उपनिदेशक के खिलाफ भी एसीबी द्वारा एफआईआर दर्ज की गई है।**

दिलावर ने कहा कि राज्य सरकार को सिरोही जिले में वर्ष 2019 से जनवरी 2024 के बीच दिव्यांगता प्रमाण-पत्र बनाने में भारी अनियमितता और गड़बड़ी की शिकायतें मिली थी, जिस पर राज्य सरकार ने एक जांच कमेटी गठित की। कमेटी की जांच में सामने आया कि उस अवधि के दौरान जिले के तत्कालीन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के कार्यकाल में कुल 7 हजार से अधिक दिव्यांग प्रमाण-पत्र जारी किए गए। इनमें से 5 हजार से अधिक प्रमाण-पत्र फर्जी पाए गए। एसओजी को इस संबंध में जानकारी दे दी गई है तथा इसमें लिप्त दोषियों को सजा दी जाएगी।

दिलावर ने कहा कि इसी प्रकार भ्रष्टाचार का एक दूसरा ज्वलन्त उदाहरण हमें राजधानी जयपुर में देखने को मिला, जहां सरकार की नाक के नीचे राजकॉम्प के तत्कालीन उपनिदेशक ने निजी कम्पनी के माध्यम से अपनी पत्नी को राजकॉम्प में फर्जी नियुक्ति दिलाकर सालों तक लाखों रुपये वेतन के रूप में उठाए। वर्ष 2019 से शुरू हुआ यह सिलसिला सालों तक चलता रहा और कांग्रेस सरकार को इसकी भनक तक नहीं लगी। अब एसीबी में इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज हुई है। हमारी सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त किसी भी दोषी कार्मिक को नहीं बख्शेगी।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश की भाजपा सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्य कर रही है और कार्यकाल के प्रारंभ से ही लगातार भ्रष्टाचारियों को पकड़कर जेल भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता को लूटने वाले एक भी भ्रष्टाचारी को नहीं बख्शा जाएगा।

सार-समाचार

आवासन मंडल कर्मचारी संघ के चुनाव हुए

जयपुर। राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ के द्विवार्षिक चुनाव सोमवार को सेक्टर-8 सामुदायिक केन्द्र मानसरोवर जयपुर में हुए। जहां प्रदेशाध्यक्ष पद पर मोहन सिंह को निर्वाचित किया गया। निर्वाचन अधिकारी टी.एस. मीणा एवं आर.पी. शर्मा, जगमोहन सिंह की टीम ने पारदर्शी तरीके से चुनाव करवाए। जीत के पश्चात् नवनिर्वाचित अध्यक्ष मोहन सिंह को तत्कालीन अध्यक्ष दशरथ कुमार एवं मुख्य अभियंता टी.एस. मीणा ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष मोहन सिंह को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने अपनी नवगठित कार्यकारिणी में कार्यकारी अध्यक्ष दारा सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष गोविन्द नाटाणी, उपाध्यक्ष रोहित सिंह, उमेश देवड़ा जोधपुर, संजय झा उदयपुर, महासचिव रमेश चंद शर्मा, संयुक्त महासचिव मनुज ठाकुर, मो. युसुफ खान, संगठन सचिव दीपक बिस्सा जोधपुर, कोषाध्यक्ष महेश शर्मा, परामर्श सचिव विजय सिंह, समन्वय सचिव हिमांशु माथुर, महिला सचिव नेहा चौधरी, प्रचार सचिव जिनेश शर्मा, कार्यालय सचिव आनन्द सिंह तथा खेल सचिव मधुर मलिक को मनोनीत किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं नवगठित कार्यकारिणी को अनुसूचित जाति जनजाति समन्वय परिषद के अध्यक्ष अशोक सामरिया निवर्तमान अध्यक्ष दशरथ कुमार महामंत्री प्रदीप शर्मा कार्यकारी अध्यक्ष भगवती प्रसाद सहित कर्मचारी संघ के पूर्व अध्यक्षों ने बधाई दी।

दिया कुमारी ने सुनी लोगों की समस्याएं

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को अपने सरकारी आवास पर जनसुनवाई की। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे और अपने-अपने क्षेत्र में आ रही परेशानियों से उपमुख्यमंत्री को अवगत कराया। इसके साथ ही विधानसभा क्षेत्र विकास के हो रहे कार्यों को लेकर आभार भी जताया। जनसुनवाई में नागरिकों ने बिजली, पानी, सड़क, सफाई सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी दिक्कतें बताईं। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सभी फरियादियों की बात ध्यानपूर्वक सुनी और मौके पर मौजूद अधिकारियों को संबंधित मामलों का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए।

पानी के टांके में डूबने से महिला की मौत

जयपुर। बस्सी थाना इलाके में मंगलवार को पानी के टांके में डूबने से एक महिला की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि वह चराने समय टांके में गिरी बकरी को निकालने गई थी। जिस पर पैर फिसलने से टांके में गिरने से पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सिविल डिफेंस टीम की मदद से शव को बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए बस्सी सीएचसी में रखवाया। थानाधिकारी धर्मेंद्र शर्मा ने बताया कि पानी के टांके में डूबने से बस्सी के मंगल पटेल की ढाणी निवासी जानकी केसर देवी (50) मौत हो गई। जो मंगलवार सुबह रोज की तरह अपनी बकरियों को चराने के लिए घर से निकली थी। मंगलवार की दोपहर के समय बिलवा खुर्द के जंगलों में जानकी बकरियां चरा रही थी। इस दौरान तारबंदी से निकलकर एक बकरी टांके में पानी पीने के दौरान गिर गई। पानी में बकरी को देखकर जानकी बचाने के लिए पहुंची। बकरी को निकालने के प्रयास के दौरान पैर फिसलने से जानकी पानी में गिर गई। काफी देर तक मां के घर नहीं लौटने पर उसके परिजन ढूंढने निकले। बिलवा खुर्द के जंगलों में पहुंचने पर बकरियां चराती दिखाई दी, लेकिन जानकी नहीं दिखी। पानी के टांके के पास उसके जूते और लडकी रखी थी और पास ही पैर फिसलने का निशान भी बना हुआ था। पानी के टांके में जानकी के गिरने की आशंका जताते हुए परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने सिविल डिफेंस टीम की मदद से पानी से महिला का शव बाहर निकाल कर मोर्चरी में रखवाया।

रविकाश फाइनेंस की आनंद शाखा शुरू

जयपुर। रविकाश फाइनेंसियल का विस्तार करते हुए मंगलवार को गुजरात के आनंद में 31वीं नवीन शाखा का शुभारम्भ किया गया। रविकाश के डायरेक्टर विकास ओझा ने बताया कि आनंद शाखा का शुभारम्भ एक समारोह में संस्थान के वाईस प्रेसिडेंट सोमेंद्र सिंह राजावत और डिवीजनल बिजनेस मैनेजर सौरभ शर्मा ने किया। रविकाश फाइनेंशियल की आनंद शाखा का नेतृत्व लोकेशन हेड की भूमिका में अनीता बेन महेंद्र सिंह वाघेला और जोनल सेल्स मैनेजर शशि राणा होंगे।

शर्मा मिले भारतीय वाणिज्य राजदूत से

मेलबर्न। इस्पेक प्रभारी प्यारे लाल शर्मा ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास पहुंच काउंसिल जनरल डॉ.सुशील से शिष्टाचार भेंट की। उनके साथ इस्पेक ऑस्ट्रेलिया अध्यक्ष चन्दर शर्मा, एच पी भारद्वाज, रवि शर्मा, आजाद शर्मा थे। शर्मा ने संगठन को लेकर विस्तृत जानकारी भी उन्हें दी। काउंसिल जनरल डॉ.सुशील ने ऑस्ट्रेलिया में इस्पेक की शाखा पर प्रसन्नता व्यक्त की।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को राजभवन में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से मुलाकात की। देवनानी ने राज्यपाल को पुष्प गुच्छ भेंट कर दीपावली की शुभकामनाएं दी। देवनानी की राज्यपाल से हुई इस शिष्टाचार मुलाकात में राज्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

'डोटासरा स्वयं जैसा ना समझे भाजपा के शिक्षा मंत्री को'

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद डोटासरा ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के बारे में जो टिप्पणी की, वह असंवेदनशील है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ईमानदार, संस्कारित है। राठौड़ ने कहा कि, "डोटासरा जैसे आप हो, वैसा सबको मत समझो। डोटासरा को थोड़ा सोच-विचार कर बयान देना चाहिए। कांग्रेस के शासनकाल में सांप्रदायिक घटनाएं होती थी, परन्तु भाजपा राज में विकास और कानून-व्यवस्था पर ध्यान देने का परिणाम यह है कि सामाजिक सामंजस्य बढ़ा है। राठौड़ ने कहा कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुनाव आयुक्त और ज्यूडिशियरी के बारे में जो व्यक्तिगत बातें रखी गई - उन्हें सार्वजनिक मंच पर इस तरह प्रस्तुत करना अनुचित है।

'साइबर ठगी के मुख्य आरोपी गिरफ्त से दूर, नौजवानों के जरिए करते हैं अपराध'

राजस्थान हाईकोर्ट ने केन्द्र सरकार और पुलिस से रिपोर्ट व सुझाव पेश करने को कहा है कि साइबर ठगी की रोकथाम के लिए क्या किया जा सकता है

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश में साइबर ठगी की बढ़ती घटनाओं को लेकर डीजीपी और साइबर सेल के वरिष्ठ अधिकारियों व पुलिस कमिश्नर की मौजूदगी में कहा कि ठगी का मुख्य आरोपी गिरफ्त से दूर रहता है और वह 18 से तीस साल के नौजवान और युवाओं के जरिए अपराध करते हैं।

इसके साथ ही अदालत ने केन्द्र सरकार और पुलिस से रिपोर्ट व सुझाव पेश करने को कहा है कि साइबर ठगी की रोकथाम के लिए क्या किया जा सकता है। इसके साथ ही अदालत ने मामले की सुनवाई 6 नवंबर को रखी है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश साइबर ठगी के एक दर्जन से अधिक आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान डीजीपी वीसी के जरिए अदालत से जुड़े। वहीं साइबर सेल के एडीजी सहित अन्य आलाधिकारी व जयपुर पुलिस कमिश्नर अदालत में पेश हुए। पुलिस कमिश्नर ने अदालत को ठगी के तरीकों के बारे में बताया।

उन्होंने अदालत को बताया कि इस तरह के मामलों में कई चुनौतियां आती है। कई बार आरोपी विदेश में बैठकर ठगी की वारदात करते हैं। ऐसे में इनके आईपी एड्रेस भी देश के बाहर के होते हैं। इसके बावजूद तकनीक के आधार पर मुख्य मुल्जिम को पकड़ने की कोशिश की जाती है।

इस दौरान अदालत ने केन्द्र सरकार के एएसजी भरत व्यास को बुलाकर कहा कि वे बताए कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए केन्द्र सरकार की ओर से क्या उपाय किए गए हैं। वहीं ऐसे कौन से उपाय किए जाए, कि साइबर ठगी बंद हो। इस पर एएसजी और डीजीपी की ओर से कहा कि वे इस संबंध में तीन नवंबर तक विस्तृत रिपोर्ट पेश कर देंगे।

आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने निरीक्षण किया तो हैरिटेज निगम में नदारद मिले अफसर

देरी से आने वाले अधिकारियों को नोटिस जारी किया जायेगा

जयपुर। नगर निगम जयपुर हैरिटेज की आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने मंगलवार को निगम मुख्यालय पर औचक निरीक्षण किया, इस दौरान मुख्यालय में ड्यूटी पर लेट आने वाले पाए अधिकारियों को नोटिस जारी किया गया। आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने बताया कि निगम ऑफिस में प्रतिदिन जांच की जाएगी। जोन कार्यालय में भी औचक निरीक्षण कर अधिकारियों के कामकाज की मॉनिटरिंग की जाएगी।

- **आयुक्त ने बैठक लेक राजस्व, सफाई और मॉनिटरिंग पर जोर दिया**

इसके बाद आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने सभी अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान निगम आयुक्त डॉ निधि पटेल ने अनुशासन, राजस्व सुधार और सफाई व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। आयुक्त डॉ. पटेल ने कहा कि निगम की कार्यप्रणाली में समयबद्धता और जिम्मेदारी सबसे आवश्यक है। उन्होंने चेतावनी दी कि ड्यूटी के समय अनुपस्थित रहने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी और वेतन नहीं दिया जाएगा।

आयुक्त ने कहा कि निगम की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के लिए राजस्व वसूली में गति लाना जरूरी है। इसके लिए अब हर सप्ताह टैक्स कलेक्शन की समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करने के निर्देश दिए और कहा कि वार्ड स्तर पर लंबित बकाया वसूली को प्राथमिकता दी जाए।

आयुक्त डॉ. पटेल ने निर्देश दिए कि पर्यटन स्थलों और ऐतिहासिक क्षेत्रों की सफाई व्यवस्था पर विशेष फोकस रखा जाए, ताकि जयपुर की स्वच्छता और सुंदरता देश-विदेश के पर्यटकों के समक्ष बनी रहे। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और सुंदर जयपुर हमारी पहचान है, इसके लिए हर स्तर पर जिम्मेदारी तय की जाएगी।

आयुक्त ने सभी वार्ड प्रभारियों को नियमित मॉनिटरिंग करने और सफाई कर्मियों की हाजिरी जांचने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सफाई कार्यों की गुणवत्ता पर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डॉ. पटेल ने स्पष्ट कहा कि साफ-सुथरा जयपुर नागरिकों के सहयोग और निगम के अनुशासित कार्य से ही संभव है। राजस्व और सफाई दोनों में पारदर्शिता एवं जवाबदेही जरूरी है। इसके अलावा संपर्क पोर्टल पर लंबित मामलों को समय पर समाधान कर आमजन को राहत पहुंचाने के निर्देश दिए गए।

दिल्ली की युवती से जयपुर के कानोता में दुष्कर्म

जयपुर। कानोता थाना इलाके में दिल्ली की रहने वाली एक युवती से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि नौकरी देने के बहाने आरोपित ने उसे धोखे से बुलाया था। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की। इस संबंध में पीड़ित युवती ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस ने बताया कि नई दिल्ली की रहने वाली युवती ने मामला दर्ज करवाया है कि कुछ समय पहले उसकी आरोपित से प्राइवेट नौकरी को लेकर बातचीत हुई। नौकरी देने का झांसा देकर युवती को मिलने के लिए बुलाया। वह जयपुर के कानोता आकर आरोपित से मिलने पहुंची। अकेला पाकर आरोपित ने उसके साथ जबरदस्ती की। विरोध करने पर मारपीट कर जबरन दुष्कर्म किया। इस बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। डरी-सहमी पीड़िता ने थाने में आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज करवाया।

'आवासीय भूखंड पर व्यावसायिक निर्माण हो तो जेडीए करे कार्रवाई'

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जेडीए अपीलीय अधिकरण ने सांगानेर की दादा गुरुदेव नगर योजना में आवासीय भूखंड पर व्यावसायिक निर्माण पर जेडीए को निर्देश दिए हैं। अधिकरण ने जेडीए को कहा है मौका का निरीक्षण किया जाए और यदि इस आवासीय भूखंड पर व्यावसायिक निर्माण किया जा रहा है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही अधिकरण ने मामले में यथा-स्थिति बनाए रखने के आदेश दिए हैं। अधिकरण ने यह आदेश कृष्णा माहेश्वरी के रेफरेंस पर सुनवाई करते हुए दिए।

- **जेडीए अपीलीय अधिकरण ने सांगानेर की दादा गुरुदेव नगर योजना में आवासीय भूखंड पर व्यावसायिक निर्माण पर जेडीए को निर्देश दिए हैं।**

प्रार्थी के अधिवक्ता विकास सोमानी ने रेफरेंस में बताया कि वह दादा गुरुदेव नगर योजना के भूखंड संख्या 21 के आवासीय निर्माण में निवास कर रही है। उसके पास वाले भूखंड पर बिना कोई सेटबैक छोड़े ही पांच मंजिला व्यावसायिक प्रकृति का निर्माण कर लिया है। जबकि आवासीय भूखंड पर किसी तरह का व्यावसायिक निर्माण और बिना सेटबैक छोड़े निर्माण नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा निर्माणकर्ता ने भूतल पर हुए निर्माण पर शटर भी लगाया है। जिससे साबित है कि यहां व्यावसायिक निर्माण किया जा रहा है। इस संबंध में जेडीए में भी शिकायत दी गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिस पर सुनवाई करते हुए अधिकरण ने जेडीए को मौका निरीक्षण कर व्यावसायिक निर्माण मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई के आदेश दिए हैं और मामले में यथास्थिति बनाए रखने को कहा है।

Celebrating a Healthy Start

National Oatmeal Day, observed every October 29, honours one of the healthiest and most versatile breakfast foods. Oats are rich in fibre, vitamins, and minerals, making them an excellent choice for heart health, digestion, and sustained energy. From classic porridge to overnight oats, smoothies, and baked treats, oatmeal can be enjoyed in countless delicious ways. On this day, nutritionists, chefs, and food enthusiasts encourage people to incorporate oats into their diets, share recipes, and discover new flavours. National Oatmeal Day is not just about food, it's about embracing a wholesome, nourishing start to the day.

#THE PINNACLE OF LUXURY

The Mouawad 1001 Nights Purse

The World's Most Expensive Handbags

When fashion meets fine jewellery and rare materials, what emerges is beyond regular luxury, it becomes art. The Mouawad 1001 Nights Purse, the Hermès Rose Gold Kelly, and the rare Hermès Birkin creations illustrate exactly that: they're not made just to carry things, but to carry value, history, prestige, and craftsmanship.

Mouawad 1001 Nights Diamond Purse ($3.8 Million)

Topping the list is the Mouawad 1001 Nights Diamond Purse, officially certified by Guinness World Records as the most valuable handbag in the world. Designed by Robert Mouawad, this heart shaped masterpiece is handcrafted from 18 karat gold and set with an astounding 4,517 diamonds, 105 yellow, 56 pink, and 4,356 colourless, for a total gem weight of 381.92 carats. The symbolism is rich, inspired by *One Thousand and One Nights*: stories of opulence, intrigue, romance. It took ten artisans months of work to complete (about 8,800 hours), underlining how extraordinary craftsmanship drives its value.

Hermès 'Rose Gold' Kelly - A Gem Encrusted Treasure (~$2 Million)

Almost as show stopping is the Hermès Kelly Rose Gold, priced around US$2 million. This bag is not your everyday Kelly, it crosses the line from exotic leather into luxury jewellery. The body is fashioned with elements of solid rose gold, and adorned with a large number of diamonds (reportedly over a thousand), which transform what is normally a leather icon into something that blurs the boundaries between bag and jewellery object. It is one of the rarest Hermès pieces, crafted in very limited quantities, making it a true collector's dream.

Hermès Birkin Variations - Platinum, Himalaya, and Auction Records

The name 'Birkin' is synonymous with exclusivity. While many Birkin bags fetch hundreds of thousands of dollars, the rarest variations have pushed into the millions. Examples include the Platinum Diamond Birkin by Ginza Tanaka, a version encrusted with over 2,000 diamonds and featuring extraordinary hardware. Another record breaker was a Himalaya Crocodile Birkin sold at auction for US$380,000 in Hong Kong, thanks to its rare Niloticus crocodile skin, diamond hardware, and the difficulty of sourcing its distinctive color gradation leather. More recently, a prototype original Birkin made for Jane Birkin in 1984 sold at Sotheby's in Paris for an astounding 7 million (US$8 10 million depending on fees), making it the most expensive Birkin ever sold at auction.

What Drives the Price?

These handbags are expensive for a mix of reasons:

1. **Rarity:** Some models are one offs or produced in extremely limited numbers. Materials like solid gold or rare crocodile skin with specific color patterns (e.g. 'Himalaya') are hard to source.
2. **Gemwork and Hardware:** Diamonds, precious metals, gem studded hardware, highly polished platinum or gold, etc. dramatically increase the value.
3. **Provenance and History:** The story matters, who commissioned it, what year, how it is used. Birkin's original prototype, used by Jane Birkin herself, carried extra emotional and historical weight.
4. **Craftsmanship:** Hours of manual work, hand stitching, precise finishing, all add up. Each Hermès Birkin is known to require dozens of hours of hand work; when you combine that with gem work and exotic materials, the price escalates.

In the realm of ultra luxury handbags, these pieces transcend mere fashion. For anyone studying luxury, art pieces, or how objects become symbols, these handbags are case studies in what happens when fashion, jewellery, and storytelling collide.

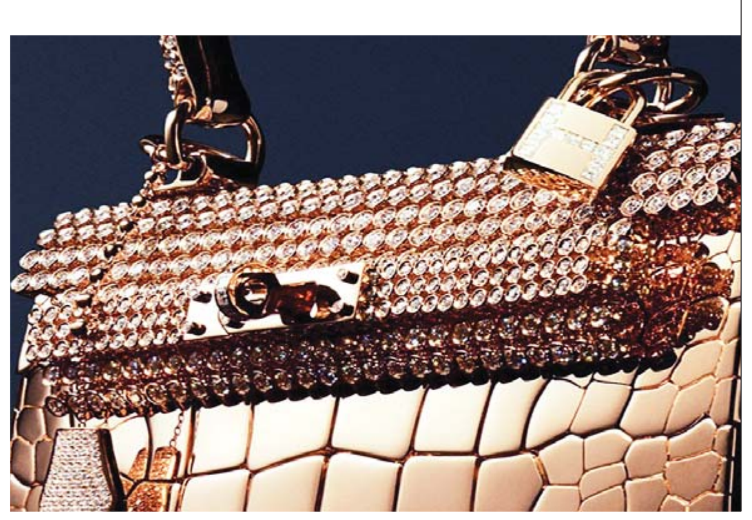

Death in the Surgeon's Hand
The Second Victim

In the book, *Do No Harm: Stories of Life, Death and Brain Surgery*, Henry Marsh (Neurosurgeon) writes: "To be a good doctor, you have to be able to like people, but you also have to be able to walk away. You can't dwell on the tragedy of every single life you touch. But there are some who stay with you. The ones you lose because you made a mistake. They never leave."

Dr. Goutam Sen
CTVS Surgeon
Traveller
Storyteller

#DOCTOR

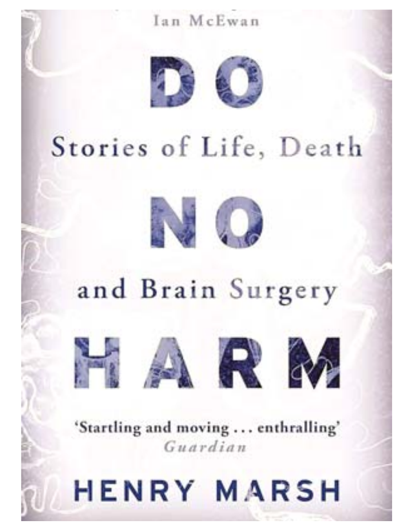

It had been a long and trying day, much longer than the usual long day!

Nirmal, who is a late sleeper, was already asleep. She knew about my day and there was not much more she could do to help my state of mind. I lay in the dark bedroom. Only a sliver of light streamed in from the street light through a crack in the wooden paneling of the window. My eyes were wide open, and yet, I was not aware of my surroundings. The video of the events of the day kept playing in a loop in my mind.

I had got up in the morning fresh and prepared for a long and challenging day. The Operating Room (OR) staff knew that I would be there in time as we had two heart surgeries to perform. In the last twenty years of practice, a rhythm had been established, and on most days, it was like clockwork. The OR staff would have shifted the patient half an hour ago to the preparation room. The cardiac anaesthetist was experienced and we had been working together for nearly a decade. We were like two dancers doing a waltz. Our steps were in synchrony. He would call me on my mobile to check that I was in the hospital before shifting Sohan Lal, a thirty five year old patient, who had been suffering from increasing breathlessness and easy fatigue for the last two years. I saw him last week, and after investigations, came to the conclusion that he had Mitral Valve Regurgitation due to a childhood attack of Rheumatic fever (Quite a common condition in India). He and his small family, consisting of his wife and a brother, sat down in front of me and we discussed the need for a planned Mitral Valve Replacement (MVR) sometime in the next week. I explained to them about the operation; its convalescence and the risks to life.

There was about a one per cent chance of complications and even a lesser risk to life. It sounded like a small risk but if it happened, it was a hundred per cent for him. I had observed that patients and relatives tended to pay little attention to these figures. They rightly focused on the ninety-nine percent recovery. He would have to arrange for the money to pay for hospital package and ask a few people to donate blood.

I entered the theatre after my usual scrubbing. Everything was ready. The patient was sleeping soundly under anesthesia and Suman, my head nurse, had draped him ready with sterile covers. The small rectangular area, about 10 x 4 inches, remained exposed under the bright ceiling lights. We ticked off a small checklist, and finding all correct, began. The surgery went off well. The heart was connected to a heart lung machine and bypassed. It was emptied. The defective mitral valve was visualized and a decision was made to replace it. That too was done and the steps to revive the heart and disconnect from the heart-lung machine was done. In another few minutes, all would be over.

Suddenly, the pericardial sac welled up with a large flow of bright blood. The response was reflex. We had trained and rehearsed for this many times. The heart was reconnected to the machine and a meticulous examination of the stilled empty heart was done to search for site of bleeding. Every point where the tubes had been inserted into the heart was secure. The suture line where the cut had been made on the heart was also secure. We began to discuss other possibilities. I lifted the heart partially to look at the back of the heart. Horror of horrors! There was huge tear on the posterior part of the left Ventricle (Lower Chamber) from which blood had poured out. Since this was an awkward place to stitch from outside, a meticulous process of reopening the heart and resuturing/buttressing the tear from inside was done. This took more than an hour. On testing the repair was found to be secure. It had now to be seen if it would stand the higher pressure of a beating heart. The heart was gradually allowed to fill up and beat with force.

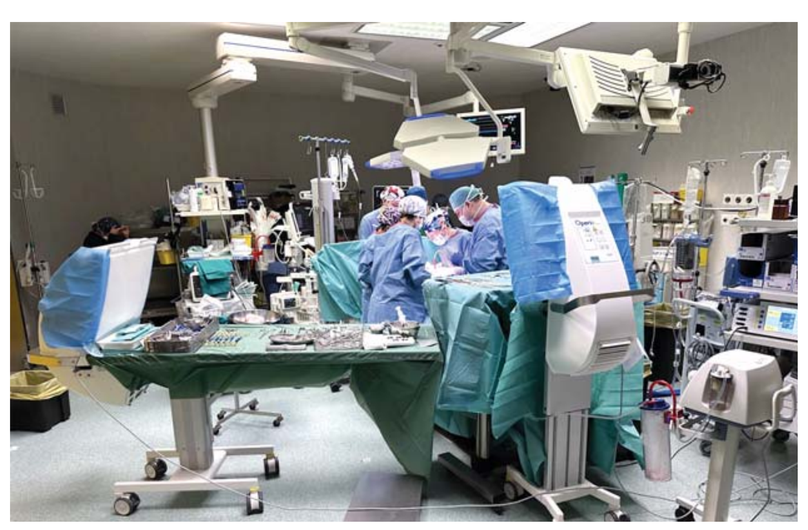

For a few minutes, all was good but then, the bleeding started again and sutures started giving away like a thread through wet paper. It was all downhill thereafter. We lost Sohan Lal about two hours of incessant struggle. It was over.

All of us were devastated. I was quite numb. I had now the arduous task of speaking to the brother and his wife. They were outside expecting that all was well. They already suspected that something was amiss because the procedure had been extended for many hours beyond the normal duration.

They walked into the small side room and began wailing even before I had spoken a word. My expression was enough. I told them about all that had happened. No detail mattered. All they knew was that Sohan was no longer alive. I saw the accusing looks. His wife even said, "Maar Diya." All I could say was sorry. I had tried my best.

The arrangements of paper work (Extremely essential to avoid being accused of Medical Negligence!), billing and other requirements of death in the OR took long.

It was quite late in the evening before I had a moment of free time. I moved into my chamber and grieved. Tears that I had held back for so long now flowed freely. When I had become a cardiac surgeon, I was aware that this kind of thing would happen one day. I had even witnessed one such death in my training days in AIIMS Delhi. There was no one to put a reassuring hand on the shoulder. The 'Buck' stopped with me! It was my job to give solace. There is no way to prepare for this kind of a happening.

The mind keeps on thinking. Where did I go wrong?

Why did the preoperative evaluation not show this weak segment?

There were multitudes of questions roaming in my mind. Each probing and asking about what was the thing that I could have done to save Sohan Lal. One my closest friends had, by then, heard about the death in the OR. He came and sat by me. I poured out my questions and grief to him. He tried his best to reassure me that there was nothing more that could have been done. His words, though helpful, did nothing to absolve me of the responsibility. A living person had died 'due' to my surgery!

I drove back home on auto mode. Nirmal was waiting for me. She knew all about what had occurred during the day. The cardiac anaesthetist had called. She herself was a cardiac anaesthetist and understood well. She put her arms around me and let me sob my heart out on her shoulders while telling her about the day. She knew that I needed to vent. She knew I had to be reassured that I was not God. Despite my best efforts, things would go wrong and a human would die in my hands. I would be accused of being careless. I would be called a butcher and a killer by the relatives. I would have so many unanswered questions.

I felt quite alone while I lay in bed. There was no question of sleep. It is then for the first time, the thought crept into my mind. I was not the first one to have lost a patient in the OR. There must have been so many others.

I got up and went into the office. Switched the computer on and asked: Deaths in the OR in Surgery.

I found myself with so many others who had also tread this path. Some were brief statements. There were a few who had written chapters and books. They have all asked the same questions I was asking. They also sought some answers.

Stephen Westaby, a cardiac surgeon, had so much to say. He had done detailed study of many deaths in the OR. He has started by saying that often, the death occurs due to selection of patient who is far gone in the disease and is a high risk, or perhaps, the choice of an aggressive, complex procedure when a more palliative or simpler one might have been more compassionate. This choice of taking the aggressive path leads to death he terms as 'failure to rescue.'

He elaborates: "The most dangerous procedure is the one you do when the patient is already on the slippery slope to death. The heart is tired; the tissues are fragile. You go in because the family is begging, or because you still have that warrior's arrogance that you can fix anything. You spend six hours in the theatre, your hands cramped from the tension, knowing halfway through that this is a fatal miscalculation."

In the book, *This Is Going to Hurt: Secret Diaries of a Junior Doctor*, Adam Kay (Obstetrician/Gynaecologist) writes: "They teach you about death in medical school. They don't teach you about the dying. That takes years of practice and even then, you don't always get it right. They certainly don't teach you how to feel when you hold a baby who has died because the system let them down, not because of a force of nature."

In the book, *Do No Harm: Stories of Life, Death and Brain Surgery*, Henry Marsh (Neurosurgeon) writes: "To be a good doctor, you have to be able to like people, but you also have to be able to walk away. You can't dwell on the tragedy of every single life you touch. But there are some who stay with you. The ones you lose because you made a mistake. They never leave."

A friend of mine once said: "There is a quiet cemetery in your mind in which all those who died under your care dwell." A term 'Second Victim' has been coined in the surgical circles. The 'first victim' being the patient and the 'second victim' being the surgeon.

Several authors have proposed different stages that physicians go through after a major Adverse Events (AE). The 6 stages outlined by Scott and colleagues are well accepted and predictable. They are moving parts of a very dynamic, fluctuating and nonlinear process that most physicians experience.

Stage 1: Chaos and Accident Response

In the immediate aftermath of a major AE, there is an internal 'whitewater' emotional state (typically not apparent or even acknowledged) that can lead to trouble with concentration and decision making.

Stage 2: Intrusive Reflections

The haunting event is played over and over in the surgeon's mind, stoking anger, loss of confidence and feelings of shame and isolation.

Stage 3: Restoring Personal Integrity

Efforts by the surgeon to regain his or her usual composure are made, with a desire to seek support but with lingering anxiety about how the event will define him or her professionally, both in the eyes of colleagues and referring physicians.

A typical response might be "I thought: These people are never going to trust me again."

Stage 4: Enduring the Inquisition

An ongoing and often prolonged process of living through the investigation of the event, including root cause type analyses which, if not done in the spirit of understanding, lack of blame, and with psychological safety, can significantly aggravate and prolong the surgeon's psychological turmoil. This creates further injury and isolation as fears of sanctions, medico legal troubles and loss of credential or privileges spread their roots in the surgeon's mind.

Stage 5: Obtaining Emotional First Aid

The internal desire to talk to someone, but unless a well defined peer support process exists, confusion will abound about who, if anyone, the surgeon can speak to, without fear of patient privacy concerns, fear of litigation and shame over the event. All of which fuel the fires of isolation and more shame, and lack of proper recovery.

Stage 6: Moving On

The individual coping skills of the surgeon and the level of support available will determine whether he or she will: leave practice, cope and carry on in silence with the risk of long-term ramifications (e.g., mental and emotional well-being, restriction of practice, impaired decision making born of fear, substance abuse, and suicide), or whether they go on to recover with subsequent personal and professional growth.

Nearly all Cardiothoracic Surgeons experience major Adverse Events (AEs) that will affect them deeply. Most endure the pain in isolation and silence, which promotes shame, burnout PTSD symptoms, substance abuse and even suicidal ideation. Immediate peer support and use of positive psychological coping skills are critical for personal recovery and professional growth.

A new day has begun. Despair and distraction has been trawling in my mind all night. Accusations and explanation have been dwelling in my soul. I have put on my greens again. A new person awaits surgery. I hold the scalpel in my hand dispelling all that has passed the day before. I have full confidence in my skill and knowledge. Death shall not prevent me from doing good to all that await treatment/surgery.

All the same such deaths never leave the mind of the surgeon in peace throughout life. They are an indelible mark!

rajeshsharma1049@gmail.com

#LOVE

"Moon Episode"

Moonlit Love: The Night the Princess Fell for Bilhana

In the hushed corridors of ancient Indian literature, few love stories shimmer as delicately as that of Bilhana, the 11th-century Kashmiri poet, and the unnamed princess he taught. Their affair is legendary, not just for its secrecy and scandal, but for its poetic beauty, captured most intimately in a moonlit moment that sparked a love for the ages.

This episode, often referred to as the 'moon episode,' marks the turning point in their relationship, when the princess's admiration for the poet quietly turned into desire, and then into a love she could no longer hide.

A Tutor in the Royal Palace

Bilhana had arrived at the southern court, likely that of King Vikramaditya VI, as a learned scholar from Kashmir. Renowned for his intellect and mastery of classical texts, he was appointed as the tutor to the princess, entrusted with her education in literature and the arts.

Their daily meetings were filled with poetry and philosophy, exchanges rich in metaphor and meaning. Over time, the boundary between teacher and pupil began to blur, not with spoken confession, but with growing silence, stolen glances, and unspoken tension.

The Moon Episode: Love Awakens

One night, during a lesson or perhaps a casual walk in the palace gardens, the princess looked up and saw the moonlight falling on Bilhana's face. The poet, unaware, continued speaking, his words soft and wise, but the princess had stopped listening. She was struck by the radiance of his face, glowing gently under the moon's cool light.

In that moment, something shifted. The poet's voice, already beloved to her for its elegance and depth, now seemed like music. His features, once respected, now seemed beautiful. The moonlight became a silent witness, casting a glow on her awakening heart. This was no dramatic declaration, just a quiet, inner knowing. But it changed everything.

In the verses that would later make up his Chaurapanchasika (Fifty Stanzas of the Thief), Bilhana captures this moment through metaphor and memory. He writes not just about physical beauty, but about how love blooms silently, often unexpectedly, and often when words are least necessary. Chauras, is none other than Bilhana, when he was sentenced to prison after being caught for the love affair with king's daughter Champavati.

Symbolism of the Moon

In Indian poetry, the moon is a timeless symbol of love, longing, and beauty. It reflects both coolness and fire, cool in its appearance, yet burning with the heat of desire it inspires in lovers.

For the princess, the moon did not simply illuminate Bilhana's face, it illuminated her feelings. It turned admiration into longing, and respect into yearning. The moon became a mirror for her emotions, casting light on the one truth she could no longer deny: she was in love.

The Quiet Beginning of Passion

From that moonlit night onward, the princess began to see Bilhana differently. Every word he spoke carried weight. Every pause in his speech felt like a poem. What had begun as intellectual companionship turned into emotional intimacy, a quiet but irresistible gravity pulling them towards each other.

Their love would eventually lead to secret meetings, hushed laughter, and moments stolen behind palace walls. But it all began with that one silent glance under the moon, when the heart spoke before the tongue ever dared.

A Love Born in Light and Silence

Bilhana's love story is filled with passion, poetry, and pain, but it is the moon episode that captures the purity of first love, the magic of realization, and the delicate shift from thought to feeling. It reminds us how love often begins not with grand gestures, but with small, quiet moments, a look, a light, a lingering silence. And in that soft moonlight, a princess fell in love with a poet, setting in motion one of the most beautiful and tragic romances in Indian literary history.

THE WALL

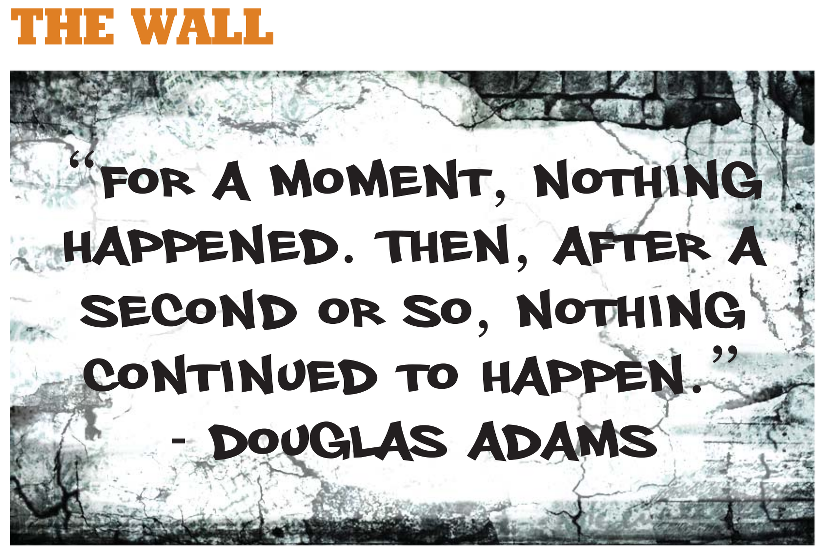

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

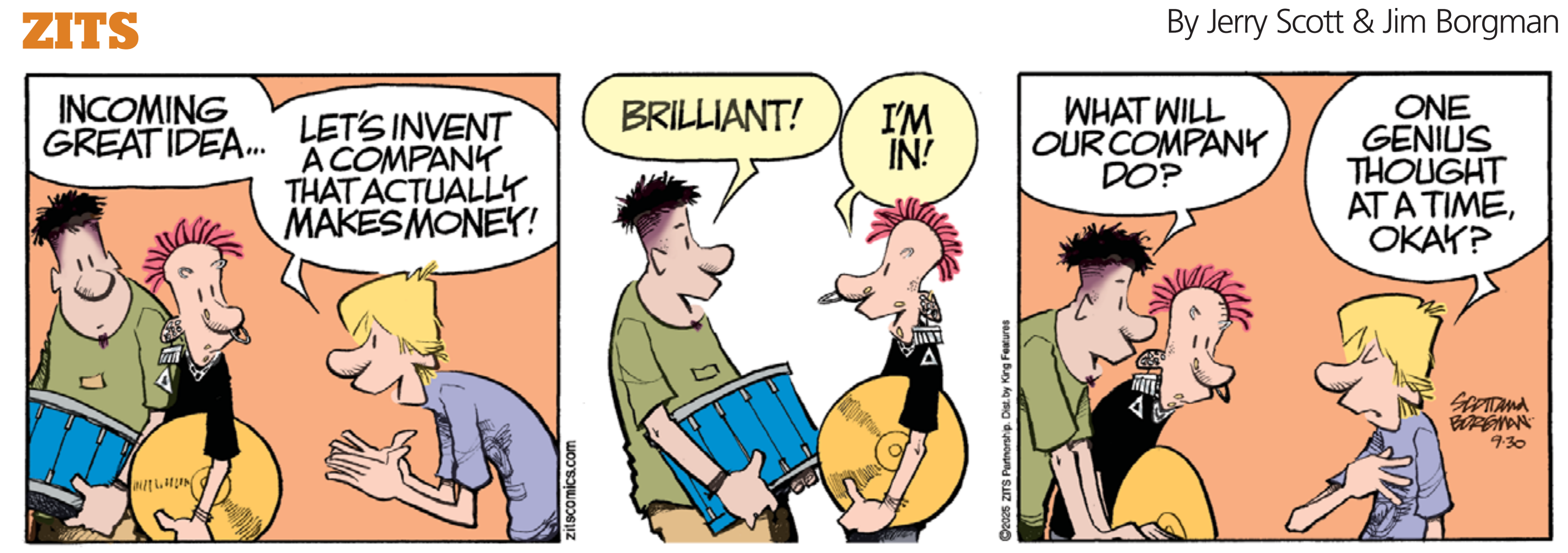

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आई प्राईवेट बस, दो मजदूरों की मौत, 11 झुलसे

बस में सवार सभी मजदूर उत्तर प्रदेश के बरेली के रहने वाले थे, जो मनोहरपुर के टोडी गांव स्थित ईंट-भट्टे पर काम करने आए थे, लेकिन रास्ते में ही हादसा हो गया

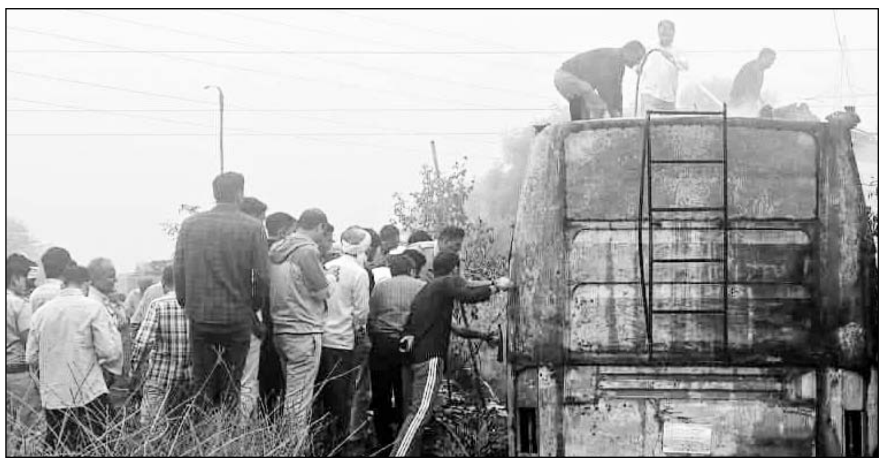

मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने बस में से घायल मजदूरों को बाहर निकाला।

■ 11 हजार वोल्ट की तार की चपेट में आने से बस में करंट फैल गया, इसके बाद सिलेंडर फटने से बस में आग लग गई

मनोहरपुर/ जयपुर, (निसं)। जयपुर ग्रामीण जिले के मनोहरपुर थाना इलाके में मंगलवार की सुबह मजदूरों से भरी एक प्राईवेट बस हाईटेंशन लाइन (ग्यारह हजार केवी) की चपेट में आ गई है। इस दर्दनाक घटना में दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई है, जबकि 11 मजदूर बुरी तरह झुलस गए।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर हालत में छह मजदूरों को प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर सवाई मानसिंह अस्पताल रैफर किया गया है। जयपुर एसएमएस हॉस्पिटल के एडिशनल सुपरिंटेंडेंट प्रदीप शर्मा ने बताया कि विशेषज्ञों की टीम गंभीर रूप से घायल लोगों की जांच कर रही है। प्राथमिक तौर पर सभी की स्थिति स्थिर है और एक महिला ज्यादा जली है। अन्य झुलसे लोगों का इलाज शाहपुरा उपजिला अस्पताल में जारी है। पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों को मोर्चरी में रखवा दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

शाहपुरा (जयपुर ग्रामीण) वृत्ताधिकारी मुकेश चौधरी ने बताया कि यह घटना टोडी गांव के पास हुई है। बस में सवार सभी मजदूर उत्तर प्रदेश के बरेली के रहने वाले थे, जो मनोहरपुर के टोडी गांव स्थित ईंट भट्टे पर काम करने आए थे। टोडी गांव के पास 11 हजार वोल्ट की तार की चपेट में आने से करंट बस में फैला है। इसके बाद सिलेंडर फटने से बस में आग लगी है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची दमकल की मदद से आग पर काबू पा लिया गया है। बस हादसे में मारे जाने वाले दो मृतकों के नाम नसीम (50) और सहीनम (20) हैं। ये दोनों रिश्ते में पिता और बेटी हैं, जबकि, नाजमा (40), सितारा (49), अजर (19), अल्ताफ (19) और नदीम (30) को गंभीर हालत में जयपुर के एसएमएस अस्पताल रैफर किया गया है। 40 वर्षीय चंदा का शाहपुरा सीएचसी स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार चल रहा है। इस घटना के बाद जयपुर जिला कलेक्टर जितेन्द्र कुमार सोनी और जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक राशि डोगरा डूडी भी मौके पर पहुंचे। शाहपुरा उपजिला अस्पताल से डॉक्टरों की टीम भी मौके पर बुलाई गई है। इसके साथ ही एफएसएल टीम भी जयपुर से घटनास्थल पर पहुंची है। एफएसएल की टीम इस हादसे से जुड़े साक्ष्य जुटा रही है, जिससे हादसे के कारणों का पता लगाया जा सकेगा।

जयपुर के जिला कलक्टर जितेन्द्र सोनी ने बताया, यह बस यूपी में पीलीभीत से आ रही थी। इसमें लगभग 65 लोग सवार थे, जिनमें 30 महिलाएं, 35 पुरुष और कुछ बच्चे थे। दुर्घटना जिस जगह हुई, उससे करीब 200-300 मीटर दूर एक ईंट भट्टे पर इसे जाना था। जांच में सामने आया कि दो-तीन लोग बस चालक को यह बताने के लिए नीचे उतर गये थे कि वह धीरे-धीरे आए, क्योंकि बिजली का तार है। लेकिन तार बस से छू गया। जयपुर के जिलाधिकारी जितेन्द्र सोनी ने बताया कि हादसे में बच गए लोगों को पुलिस और प्रशासन की टीमें सुरक्षित स्थान पर ले गई हैं, जहां उनकी देखभाल की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेजपाल ने बताया कि मनोहरपुर के पास ही स्थित ईंट के एक भट्टे पर काम करने के लिए एक ठेकेदार यूपी से मजदूरों को लेकर आ रहा था। अभी जांच की जा रही है कि कैसे लापरवाही हुई।

हादसे पर दुख जताते हुए उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने तुरंत सरकारी अधिकारियों से बात की और निर्देश दिए हैं कि हादसे में घायल हुए लोगों को बेहतर और सही इलाज मिलना सुनिश्चित किया जाए। उपमुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है और ईश्वर से प्रार्थना की है कि दिवंगत आत्माओं को शांति मिले और सभी घायल लोग जल्द से जल्द स्वस्थ हों। जांच -पडताल में सामने आया कि बस में कई सिलेंडर रखे हुए थे। इनमें से दो में धमाका हुआ था। बस दूसरे राज्य से भरतपुर होते हुए इस गांव की ओर आ रही थी। वे पता करवा रहे है कि रास्ते में इसकी जांच क्यों नहीं हुई।

स्कूली शिक्षा एवं पंचायती राजमंत्री मदन दिलावर ने कहा कि यह हादसा बेहद दुखद है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जयपुर जिले के मनोहरपुर क्षेत्र में हुई बस दुर्घटना में हुई जन-हानि पर गहरी संवेदना व्यक्त की है।

उदयपुर संभाग के कई क्षेत्रों में दूसरे दिन भी बारिश हुई

■ उदयपुर में ढाई इंच, वल्लभनगर में चार इंच बारिश दर्ज, डबोक तालाब ओवरफ्लो हुआ

■ पहाड़ियों से पानी की आवक होने पर फतहसागर के तीन गेट, उदयसागर बांध में पानी की आवक बढ़ने से दोनों गेट 3.3 फीट तक खोले

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर और सलूंबर जिले में मंगलवार को दूसरे दिन भी बारिश का दौर जारी रहा। संभाग के कई क्षेत्रों में पिछले 24 घंटों में भारी व कहीं -कहीं अति भारी बारिश दर्ज की गई। उदयपुर शहर में रात भर में करीब ढाई इंच, जबकि वल्लभनगर में चार इंच बारिश हुई।

इधर उदयसागर से निकासी बढ़ाने के लिये दोनों गेट बढ़ाकर तीन-तीन फीट खोल दिए गए हैं। फतहसागर के भी तीन गेट फिर से खोले गए हैं। बारिश से उदयपुर में अधिकतम तापमान 20.2 डिग्री, जबकि रात का तापमान 18.2 डिग्री दर्ज हुआ है। उदयपुर शहर सहित, कई क्षेत्रों में रात भर रूक- रूक बारिश का दौर बना रहा। मंगलवार को दोपहर से पहले तक रूक- रूक कर हल्की बारिश होती रही। रात भर बारिश जारी रहने से पहाड़ियों से पानी की आवक होने पर जलसंसाधन विभाग ने फतहसागर के तीन गेट फिर से खोल दिए। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को भी उदयपुर संभाग में कहीं- कहीं भारी बारिश हो सकती है।

जल संसाधन विभाग की कनिष्ठ अभियंता दीपिका नागदा ने बताया कि फतहसागर झील के तीन गेट आज सुबह दो-दो इंच तक खोले गए। झील में पानी की आवक बनी हुई है, ऐसे में ये गेट खोले गए। इससे पहले रात को भी एक बार गेट खोले गए थे। फतहसागर का पानी आयड़ नदी में होकर उदयसागर झील में समाहित हो रहा है। उदयसागर के गेट पहले से ही खोल रखे है। उदयपुर शहर के पास कैचमेंट क्षेत्र में हो रही अच्छी बारिश से उदयसागर बांध में पानी की आवक बढ़ने से मंगलवार को उदयसागर बांध के दोनों गेट 3-3 फीट तक खोले गए है। एक दिन पहले गेट 6.6 इंच तक खोले थे। उदयपुर जिले के वल्लभनगर इलाके के रुंडेडा गांव में बारिश के चलते माल क्षेत्र का पानी गांव के आजाद नगर से हॉस्पिटल रोड होते हुए तालाब में पहुंचता है। गांव के बीचों-बीच के रास्ते से यह पानी गुजरने से गांव के अंदर का रास्ता बाधित हो गया है। यहां माल इलाके के खेतों में भी बारिश का पानी भर गया है।

बारिश के चलते उदयपुर जिले के कोटड़ा उपखंड क्षेत्र के सभी विद्यालयों में मंगलवार को अवकाश घोषित कर दिया है। कोटड़ा के उपखंड अधिकारी एवं उपखंड मजिस्ट्रेट मुकेश मीणा ने अवकाश घोषित करने के आदेश मंगलवार सुबह जारी किए। क्षेत्र के प्री.प्राइमरी से कक्षा 12वीं तक सभी राजकीय व निजी विद्यालयों तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों, उपखंड क्षेत्र में अवकाश घोषित किया गया।

उदयपुर जिला प्रशासन ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि उदयसागर का पानी बेड़च नदी के जरिए आगे वलूभनगर की तरफ बढ़ रहा है ऐसे में बहाव क्षेत्र में किसी भी प्रकार की गतिविधियां न करें। साथ ही इस क्षेत्र में बहते पानी या रपट को पार करने का प्रयास नहीं करें। जलसंसाधन विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों में उदयपुर शहर में 60 मिलीमीटर, बड़गांव 67, कुराबड़ 63, डबोक 82, मावली 53, वलूभनगर 102, कानोड़ 64, भींडर 57, खेरवाड़ा 63, झाड़ोल 48, 59 मिलीमीटर बारिश हुई। सलूंबर जिले के सराडा में 30, झलारा में 39, सलूंबर में 16 मिली मीटर बारिश दर्ज की गई है।

बस्सी गांव में बघेरे का आतंक

निवाई, (निसं)। बस्सी गांव में बघेरे ने आबादी क्षेत्र में स्थित एक बाड़े में बंधी एक बकरी का शिकार कर लिया। पीड़ित दयाराम पोसवाल ने बताया कि बघेरे के हमले में उसकी बकरी की मौत हो गई, जिससे उसको लगभग 15 हजार रुपये का नुकसान हुआ है।

घटना की जानकारी विधायक रामसहाय वर्मा, नटवाड़ा मंडल अध्यक्ष बद्री विजय, टोंक डीएफओ मारिया शाहीन और रेंजर धारीलाल बैरवा को दी गई। विधायक वर्मा ने वन विभाग के अधिकारियों को तुरंत सूचित किया। सूचना मिलने पर रेंजर धारीलाल बैरवा मौके पर पहुंचे। उन्होंने बघेरे के पदचिह्नों का निरीक्षण किया और मृत बकरी का पोस्टमार्टम करवाया। बघेरे को पकड़ने के लिए घटनास्थल पर एक पिंजरा रखवाया है और जीपीएस कैमरा लगवाया गया है। रेंजर बैरवा ने बताया कि पीड़ित किसान को मुआवजा दिलवाने के लिए आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। ग्रामीणों ने बघेरे को जल्द से जल्द पकड़ने की मांग की है। हंसराज हरसाना ने बताया कि बस्सी की पहाड़ी पर पिछले कई दिनों से बघेरे का लगातार मूवमेंट बना हुआ है।

डूबते सूरज को अर्घ्य देने के साथ छठ महापर्व का समापन

कोटा में छठ महापर्व का शाम को डूबते सूर्य को अर्घ्य देने की पारंपरिक विधि के साथ समापन हुआ।

कोटा, (निसं)। बिहार समाज विकास समिति के तत्वावधान में रंगबाड़ी बालाजी परिसर में चल रहे छठ महापर्व का मंगलवार शाम डूबते सूर्य को अर्घ्य देने की पारंपरिक विधि के साथ भक्तिमय समापन हुआ। बिहार समाज विकास समिति के अध्यक्ष अजय गुप्ता ने बताया कि दिनभर रुक-रुक कर हुई बारिश के कारण सूर्यदेव के दर्शन नहीं हो पाए, फिर भी व्रती माताओं और परिवारों ने अड़िग आस्था के साथ जल में खड़े होकर छठ मैया और सूर्य नारायण को अर्घ्य अर्पित किया। यही संकल्प और श्रद्धा इस पर्व की सबसे बड़ी पहचान मानी जाती है। इस अवसर पर मुख्य रूप से सुदर्शन गुप्ता, कामता प्रसाद गुप्ता, जयराम शाह गुप्ता, संदीप गुप्ता, आकाश गुप्ता, पंकज गुप्ता, नंदकिशोर साहू, शंकर दयाल, रंजीत गुप्ता विज्ञाननगर वाले मदन कुमार समेत अन्य प्रबुद्धजन मौजूद रहे। व्रती महिलाओं ने पूरी शुचिता और नियमपालन के साथ पूजा की। अर्घ्य के दौरान जल में खड़े व्रतियों के चेहरों पर समर्पण, ध्यान और संतोष की आभा झलक रही थी। किसी ने छाता थाम रखा था, कोई भीगते हुए ही खड़ा रहा लेकिन हर कोई अपनी नजर और मन सूर्य की ओर लगाए रहा।

थार मरुस्थल पहुंची प्रवासी ''कुरजां पक्षी'' ने रेगिस्तान की रौनक बढ़ाई

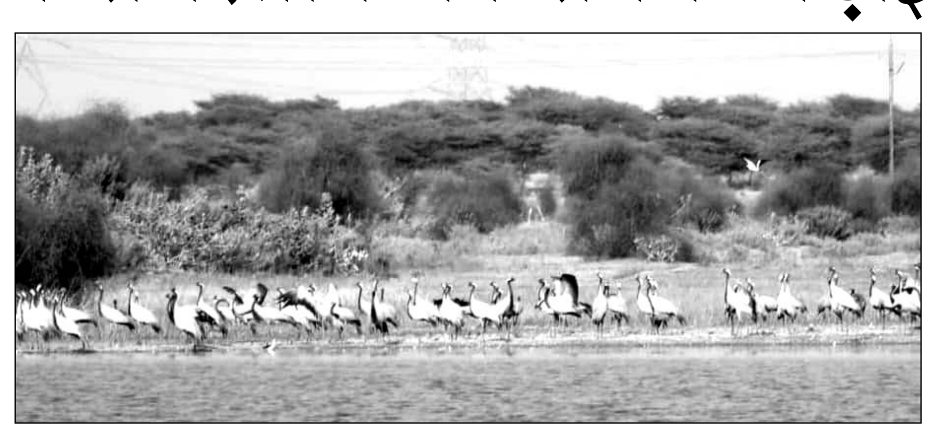

देगराय के ओरण व रामदेवरा क्षेत्र में प्रवासी ''कुरजां'' आकर्षण का केंद्र बने हुये हैं।

■ प्रवासी पक्षी मध्य एशिया, साइबेरिया, ईरान और अफगानिस्तान से हजारों किलोमीटर की यात्रा तय कर थार के रेतीले विस्तारों में पहुंचे

पोकरण, (निसं)। सर्दियों की दस्तक के साथ ही थार मरुस्थल एक बार फिर प्रवासी पक्षियों के कलरव से गूंज उठा है। विदेशी मेहमान ''कुरजां'' (डेमोइसल सारस) ने जैसलमेर, रामदेवरा, देगराय ओरण और पोकरण क्षेत्र के तालाबों एवं सरोवरों में अपनी सुंदर उडान से रेगिस्तान की रौनक बढ़ा दी है।

जीव-जंतु एवं पर्यावरण प्रेमी सुमेर सिंह सातवां ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी ये प्रवासी पक्षी मध्य एशिया, साइबेरिया, ईरान और अफगानिस्तान से हजारों किलोमीटर की लंबी यात्रा तय कर थार के विस्तृत रेतीले विस्तारों में पहुंचे हैं। ये नवंबर से अप्रैल तक यहां विश्राम करते हैं और प्रजनन क्रियाओं में संलग्न रहते हैं। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार हाल ही में तालाबों के आसपास कुरजों के बडे झुंड दिखाई दे रहे हैं। राजस्थान की लोक संस्कृति में ''कुरजां'' का विशेष स्थान है। लोकगीतों में यह पक्षी प्रेम और विरह का प्रतीक माना गया है। प्रसिद्ध गीत कुरजां संदेशों लेती जाईजे रेज में विरहिणी नारी अपने पिया को संदेश भेजने के लिए इसी पक्षी को संदेशवाहक बनाती है। प्राचीन परंपरा के अनुसार, कभी-कभी प्रेम संदेश कुरजां पक्षी के पंखों पर लिखकर भेजे जाते थे, इसलिए यह पक्षी लोकभावनाओं में सजीव प्रेम का प्रतीक बन चुका है। वन्यजीव विशेषज्ञों का कहना है कि इन प्रवासी पक्षियों का आगमन न केवल पर्यावरणीय संतुलन का सूचक है, बल्कि यह थार की जैव विविधता और पारिस्थितिक तंत्र के स्वास्थ्य का भी परिचायक है। जहां-जहां इनके झुंड ठहरते हैं, वहां प्रकृति की सुंदरता और जीवन्तता का अद्भुत दृश्य देखने को मिलता है। वन्यजीव एवं पर्यावरण प्रेमी सुमेर सिंह सातवां ने बताया कि कुरजां एक अत्यंत संवेदनशील और साहसी प्रवासी पक्षी है। हर वर्ष ये मध्य एशिया, साइबेरिया, मंगोलिया, ईरान और अफगानिस्तान से लगभग 4,000 से 8,000 किलोमीटर का लंबा सफर तय कर राजस्थान पहुंचते हैं। यह प्रवास आसान नहीं होता। रास्ते में कठोर मौसम, शिकारी पक्षी, तेज हवाएं और भोजन पानी की कमी जैसे कई खतरे इनका पीछा करते हैं। इसके बावजूद इनका सामूहिक अनुशासन और उडान व्यवस्था प्रकृति का अद्भुत करिश्मा माना जाता है।

जानकारों के अनुसार, यह प्रवास मुख्यत: नवंबर माह से शुरू होकर अप्रैल तक जारी रहता है। इस दौरान ये थार के शांत और खुले जल स्त्रोतों के आसपास भोजन, विश्राम और प्रजनन गतिविधियों में संलग्न रहते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले सप्ताह से स्थानीय तालाबों पर कुरजां के दर्जनों झुंड उतरने लगे हैं, जिससे सुबह और शाम का दृश्य अत्यंत मनोहारी बन गया है। हालांकि विशेषज्ञों ने चेताया कि बढ़ते शहरीकरण, जलस्त्रोतों के सूखने, प्रदूषण और अवैध शिकार जैसे खतरों के चलते इन प्रवासी पक्षियों को अब पहले जैसी सुरक्षित उड़ान नहीं मिल पाती। मौसम परिवर्तन के कारण प्रवास का समय और संख्या में हल्की गिरावट के संकेत भी देखे गए हैं। ऐसे में जलस्त्रोतों का संरक्षण, वन्यजीव सुरक्षा और संवेदनशीलता की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। थार में कुरजां का आगमन केवल मौसमी बदलाव का संकेत भर नहीं, बल्कि प्रकृति और मानव संवेदनाओं के अनूठे संगम की कहानी भी है। इन प्रवासी पक्षियों के कलरव से जहां रेगिस्तान की नीरवता में जीवन का संचार होता है, वहीं लोकगीतों से लेकर लोकमानस तक इनका गहरा जुड़ाव राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत का गौरव बढ़ाता है।

ऊर्जा मंत्री ने स्कूल के नवीन कक्षाकक्ष की दीवार पर हाथ लगाया तो प्लास्टर गिरा

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने अभियंताओं को स्पष्ट कहा कि भ्रष्टाचार करोंगे तो बचोंगे नहीं

दीगोद में स्कूल के नवीन कक्षा कक्ष का निरीक्षण करने पहुंचे ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने दीवार पर हाथ लगाया तो प्लास्टर झड़ने लगा

■ ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय दीगोद में निरीक्षण के लिए पहुंचे

■ स्कूल के निर्माण कार्य को लेकर पूर्व में एसडीएम ने भी औचक निरीक्षण किया था

कोटा, (निसं)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर मंगलवार को राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय दीगोद में औचक निरीक्षण के लिए पहुंचे। वहां उन्होंने बालिकाओं से शिक्षा के बारे में बात की। वहीं अध्यापिकाओं से भी चर्चा की। इस दौरान नवनिर्मित कक्षा कक्ष में जाकर दीवार को हाथ लगाया तो दीवार से प्लास्टर झड़ने लगा। ऐसे में ऊर्जा मंत्री नागर ने अधिकारियों को बुलाकर उसकी जांच के निर्देश दिए।

जानकारी के अनुसार विद्यालय में समग्र शिक्षा योजना के अंतर्गत 3 महीने पूर्व ही नवीन कक्षा कक्षों का निर्माण किया गया था।, लेकिन घटिया गुणवत्ता के चलते दीवारों से प्लास्टर झड़ रहा था। इसके बाद ऊर्जा मंत्री ने नाराजगी प्रकट करते हुए अधिकारियों को बुलाया। उन्होंने जेईएन को बुलाकर जानकारी ली। मंत्री नागर ने जूनियर इंजीनियर को कहा कि कक्षा कक्ष का निर्माण पूरा हो गया। घटिया निर्माण सामग्री का उपयोग करते हुए कार्य की गुणवत्ता कमजोर होने के बावजूद स्कूल प्रशासन को हैंडओवर कर दिया गया। निर्माण कार्य के दौरान कोई मॉनिटरिंग नहीं हुई। उपखंड अधिकारी ने कहा कि अभियंता लीपापोती कर रहे हैं। मंत्री नागर ने अभियंताओं को स्पष्ट कहा कि भ्रष्टाचार करोंगे तो बचोंगे नहीं।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि स्कूलों में निर्माण कार्य की जांच के लिए ऐसा स्वरूप विकसित करेंगे, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता की उचित जांच हो सके। वर्तमान में भी जेईएन, एईएन, एक्सईएन, एसई, एडिशनल चीफ इंजीनियर स्तर के अधिकारी होते हैं। लैबोरेट्री होती है, मापदंड भी निश्चित है। जांच करने के बाद सर्टिफिकेट जारी होता है। विजिलेंस टीम भी होती है। थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन होता है। सभी कुछ होता है, लेकिन भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों की संवेदनाएं मर चुकी हैं। देश के भविष्य के साथ कोई खिलवाड़ करे तो इसको राजस्थान सरकार कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। जांच का बेहतर ढांचा विकसित करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से भी बात की है। उचित समय पर सरकार द्वारा उचित निर्णय लिया जाएगा।

जिला स्तरीय कमेटी कर चुकी है फर्म को ब्लैकलिस्टेड करने की सिफारिश:- स्कूल के निर्माण कार्य को लेकर पूर्व में एसडीएम ने भी औचक निरीक्षण किया था। इस दौरान उन्होंने घटिया निर्माण को लेकर समसा को पत्र लिखा। उन्होंने कारण बताओं नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण चाहा था। वहीं जिला स्तरीय सक्षम कमेटी द्वारा संवेदक द्वारा अनुबंध की शर्तों के विपरीत कार्य करने की बात कही गई थी। साथ ही, मेसर्स साबरी कंस्ट्रक्शन को ब्लैकलिस्टेड करने की भी सिफारिश की गई थी। इसके बावजूद अधिकारियों ने लीपापोती करते हुए नवीन कक्षाकक्षों को स्कूल को हैंडओवर कर दिया।

नौकरी लगवाने का झांसा देकर नर्सिंग छात्र से ठगी

श्रीगंगानगर, (निसं)। सरकारी हॉस्पिटल में नर्सिंग स्टाफ की नौकरी लगवाने का झांसा देकर एक नर्सिंग स्टूडेंट से ठगी करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने स्टूडेंट से हजारों रुपए व मोबाइल फोन ले लिया। मामला श्रीगंगानगर के जवाहर नगर थाना क्षेत्र का है।

एडीजे कोर्ट-1 श्रीगंगानगर में दी शिकायत में आरिफ खान (22) निवासी गणेशगढ़ (श्रीगंगानगर) ने बताया कि उसने जीएनएम पास कर रखी है और वह नौकरी की तलाश में था। वह शहर के जनता हॉस्पिटल में लैब असिस्टेंट के पद पर काम कर रहा है। इसी दौरान सादुलशहर के हाथियांवाली गांव का विजेंद्र बुडानिया हॉस्पिटल में किसी परिचित का इलाज कराने आया। बातचीत में विजेंद्र ने खुद को सरकारी हॉस्पिटल का कर्मचारी बताया और अधिकारियों के साथ अच्छी सेटिंग होने की बात कही। आरोपी ने आरिफ खान से कहा कि वह उसे 2 लाख रुपए में संविदा पर श्रीगंगानगर के सरकारी हॉस्पिटल में नौकरी लगवा देगा। दो साल में नौकरी पक्की हो जाएगी। विश्वास में आकर आरिफ ने आरोपी को अपना रेज्यूम दे दिया। फिर आरोपी ने दोबारा डॉक्यूमेंट मांगकर 50 हजार कैश ले लिए। साथ ही आरिफ से अपनी मां कौशल्या देवी के अकाउंट में 22 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करवाए। इसके बाद आरोपी ने आरिफ से कहा कि उसकी मां सरकारी टीचर हैं और उनकी सैलरी आने वाली है। आरिफ उसे नया मोबाइल फोन दिलवा दे। वह बाद में पूरा हिसाब कर देगा। बाद में आरिफ ने आरोपी को महंगा फोन दिलवाया। जिसकी ईएमआई आरिफ के अकाउंट से कट रही है। 14 जुलाई को आरिफ ने आरोपी से जॉइनिंग लेटर मांगा तो आरोपी बात टालता रहा। इसके बाद आरोपी ने आरिफ से कहा कि उसके हाथ में कोई संविदा की नौकरी नहीं है। यह उसका ठगी करने का प्लान था। आरोपी अब पैसे लौटाने से मना कर रहा है और आरिफ को जान से मारने की धमकी दे रहा है। आरिफ ने जवाहरनगर थाने में शिकायत दी, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। जिसके बाद आरिफ ने कोर्ट में शिकायत देकर मामला दर्ज कराया। फिलहाल कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

होटल व्यवसायी से मारपीट, चार गिरफ्तार

सीकर, (निसं)। जिले के खंडेला इलाके की जाजोद थाना पुलिस ने होटल व्यवसायी से मारपीट, तोड़फोड़ कर अवैध वसूली का प्रयास करने वाले चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

खंडेला डीएसपी इंसार अली ने बताया कि जाजोद थानाधिकारी मोहन लाल की टीम ने 24 घंटे में आरोपियों को हिरासत में ले लिया। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद घटना का वीडियो भी सामने आया है। आरोपियों ने घटना का वीडियो बनाकर दहशत फैलाने की कोशिश की थी, इससे पहले ही पुलिस ने अपराधियों को धर दबोचा।

मामले में जाजोद थानाधिकारी मोहन लाल ने बताया कि झुंझुनूं जिले के भोमपुरा निवासी परिवादी होटल संचालक रोहिताश ने रिपोर्ट दी थी कि ठिकरिया के पास नाइंडा में उसका होटल है। 25 अक्टूबर की रात करीब 2 बजे 2 कैंपर गाड़ियों में सवार होकर आए 4 बदमाशों ने कैंपर गाड़ियों से टक्कर मारकर काफी तोड़फोड़ की। साथ ही, होटल संचालक और अन्य स्टाफ के साथ मारपीट की। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी और फिरौती की मांग की। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर अपराधियों की धरपकड़ शुरू की। पुलिस की अलग-अलग टीमों ने दबिश देकर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने विकास निवासी लाखनी, जितेंद्र बुरड़क निवासी बासड़ी कलां, महेंद्र गोरा निवासी लाडपुर, देशराज जितरवाल निवासी रानीपुरा को गिरफ्तार कर लिया।

संक्षिप्त

मदन यादव प्रदेश सचिव बने

पावटा। प्रदेशाध्यक्ष मदन यादव और कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष महेन्द्र यादव द्वारा ग्राम लाडाकाबास मदन यादव व टसकोला जीतू हुल्डा को राजस्थान युवा यादव महासभा की प्रदेश कार्यकारिणी में प्रदेश सचिव व डॉ.सुरेंद्र यादव पावटा को प्रदेश उपाध्यक्ष एवं नरेंद्र यादव एडवोकेट कुनेड को कानूनी सलाहकार नियुक्त किया है। प्रदेशाध्यक्ष मदन यादव और कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष महेन्द्र यादव ने मदन यादव व जीतू हुल्डा को प्रदेश सचिव एवं डॉ.सुरेंद्र यादव को प्रदेश उपाध्यक्ष,नरेंद्र यादव एडवोकेट कुनेड को कानूनी सलाहकार बनने पर समाज के युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया। अपनी नियुक्ति पर मदन यादव व जीतू हुल्डा एवं डॉ.सुरेंद्र यादव, नरेंद्र यादव ने कहा कि यह उनके लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने संगठन के प्रत्येक सदस्य के साथ मिलकर शिक्षा, रोजगार और सामाजिक उत्थान के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। वही उन्होंने राजस्थान युवा यादव महासभा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र यादव एवं प्रदेश अध्यक्ष मदन यादव का हृदय से आभार और अभिनंदन व्यक्त करते हुए कहा कि हम पर विश्वास जताते हुए ज्यों महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। यह दायित्व हमारे लिए केवल एक पद नहीं, बल्कि समाज सेवा का एक पवित्र अवसर और प्रेरणा का स्त्रोत है। यादव समाज के उत्थान, एकता और प्रगति के लिए मैं पूरी निष्ठा, समर्पण और उत्साह के साथ निरंतर कार्य करेंगे। हमारा समाज सदैव संगठन, शिक्षा और जागरूकता के मार्ग पर आगे बढ़े यही हमारा संकल्प है।

हेल्प डेस्क गठित

दौसा। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन विभाग राजस्थान के निर्देशों के अनुसार मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान आईटी सम्बन्धित सभी कार्यों का समयबद्ध निष्पादन एवं सम्पादन करने के लिए जिला स्तर पर हेल्प डेस्क आईटी का गठन किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार ने इस कार्य के लिए सूचना एवं प्रोद्यौगिकी विभाग के संयुक्त निदेशक राधेश्याम बैरवा को जिला स्तरीय नोडल अधिकारी एवं प्रोग्रामर अशोक मीना तथा प्रशान्त शर्मा को सहायक नोडल अधिकारी बनाया है। साथ ही, सहायक प्रोग्रामर जगमोहन मीना, योगेश पारीक, निहाल सिंह गुर्जर, भावेश शर्मा एवं लोकेश मीना को हेल्प डेस्क सदस्य नियुक्त किया है। उन्होंने बताया कि हेल्प डेस्क आईटी की ओर से विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान ईआरओ स्टॉफ एवं बीएलओ की तकनीकी समस्याओं का निस्तारण किया जाएगा।

ग्रामीणों में खुशी की लहर

निवाई। 69 वीं जिला स्तरीय एथलेटिक्स क्रीड़ा प्रतियोगिता में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चतुर्भुजपुरा की 5 छात्राओं व एक छात्र का राज्य स्तर पर चयन हुआ है। विद्यालय के वाइस प्रिंसिपल राजेश बैरवा व शारीरिक शिक्षक सिकंदर खान ने बताया कि 19 वर्ष में नीतू जाट ने डिस्कस थ्रो व शॉट पुट में प्रथम स्थान प्राप्त किया व 17 वर्ष में रितु जाट ने डिस्कस थ्रो में प्रथम स्थान किया व शॉट पुट में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अक्षिता चौधरी ने डिस्कस थ्रो में द्वितीय स्थान प्राप्त किया व अजीत चौधरी ने 3000 मीटर दौड़ में दूसरा स्थान प्राप्त किया व अंतिम लांबा ने 14 वर्षीय एथलेटिक्स के डिस्कस थ्रो इवेंट में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

टोंक । पीपलू थाना क्षेत्र के गुडा रामदास गांव में सोमवार शाम को अवैध बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई, हादसे के बाद गुस्साऐं परिजनो व ग्रामीणो ने शव को सड़क पर रखकर धरना प्रदर्शन किया। बाद में मौके पर पंहुची पीपलू थाना पुलिस की समझाईश पर देर रात्रि को प्रदर्शनकारीयों की मांगों पर सहमति बनने पर शव को पीपलू अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पीपलू क्षैत्र के बगड़वा पंचायत के गांव गुड़ारामदास में सोमवार शाम को एक अवैध बजरी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे मौटरसाईकिल सवार अम्बालाल निवासी जोधपुरिया के मनहोरपुरिया के सीने के ऊपर से ट्रैक्टर का पहिया निकलने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। जिसकी सूचना मिलने के बाद ग्रामीण व परिजन मौके पर पहुंचे और ट्रैक्टर चालक को पकड़ने के लिए 3 किमी दूर तक पीछा किया लेकिन वह अन्धेरा को फायदा उठाकर ट्रैक्टर को छोड़कर भाग छूटा।

ग्रामीणों ने ट्रैक्टर-ट्रोली को घटना स्थल पर वापस लाकर खडा कर रोड किनारे धरने पर बैठ गए।

गुडा रामदास गांव में अवैध बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत के बाद परिजनों को ग्रामीणों ने संभाला ।

■ परिजनों की मांगों को लेकर ग्रामीणो ने किया प्रदर्शन

प्रदर्शकारियों ने मृतक के आश्रित को 50 लाख की सहायता राशि देने व सरकारी नौकरी देने तथा गांव में पुलिस चौकी खोलने की प्रमुख मांगे रखकर धरना प्रदर्शन किया। इसकी सूचना मिलने के बाद पीपलू थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह मय जाप्ते के मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से समझाए की लेकिन वे नहीं माने। बाद में पुलिस द्वारा मशक्कत कर 5 घंटे बाद सभी मांगों पर सहानुभूति पूर्वक प्रयास कर सहायता राशि दिलाने व इत्यादी मांगो के आश्वासन देने पर ग्रामीण व परिजन शव उठाने पर सहमत हुए। सहमति के बाद पुलिस ने शव को पीपलू अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया दिया।

सखी-वन-स्टॉप सेंटर का निरीक्षण

टोंक। मुख्यालय स्थित मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केन्द्र के परिसर में संचालित सखी वन स्टॉप सेंटर का अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव दिनेश कुमार जलुथरिया ने मंगलवार को निरीक्षण किया। इस दौरान वहां आश्रित महिलाओं के शयनकक्ष की जांच में बेडशीट साफ नहीं मिली, जिससे सुधार के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सेंटर में उपलब्ध सरकारी सुविधाओं की जानकारी ली।

न्यायाधीश जलुथरिया ने बताया कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से निर्भया योजना के तहत संचालित वन स्टॉप सेंटर्स का निरीक्षण करने मिले निर्देश जिले के सखी सेंटर का निरीक्षण किया गया। उन्होंने रजिस्टर संधारण, चिकित्सा, परामर्श सेवाओं की गुणवत्ता और महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान रिकॉर्ड जांचते न्यायाधीश जलुथरिया ने कहा कर्मचारी पीड़ित महिलाओं के साथ संवेदनशील व्यवहार रखें, उनकी गोपनीयता बनाए रखें और हर संभव सहायता समय पर उपलब्ध कराएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि यदि किसी महिला को विधिक सहायता की आवश्यकता हो, तो बिना किसी देरी के जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, टोंक कार्यालय को सूचना दी जाए, ताकि समय पर मदद सुनिश्चित की जा सके।

फर्जी फिजियोथेरेपिस्ट के विरूद्ध कार्यवाही की मांग

अलवर। अलवर एसोसिएशन ऑफ फिजियोथैरेपिस्ट जिला अलवर अध्यक्ष डॉ. सचिन अग्रवाल के नेतृत्व में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अलवर को ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया कि पिछले लम्बे समय से अलवर जिले में बीना डिग्रीधारक फिजियोथैरेपिस्ट बन कर मरीजों की सेहत से खिलवाड़ कर रहे है। यह

■ झोलाछाप फिजियोथैरेपिस्ट बनकर होम विजिट कर रहे है

झोलाछाप फिजियोथैरेपिस्ट बनकर अपना क्लिनिक चला रहे है, होम विजिट कर रहे है तथा कई चिकित्सालयों में फिजियोथैरेपिस्ट बनकर इलाज भी कर रहे है । ज्ञापन की गंभीरता को समझते हुए सीएमएचओ अलवर ने अलवर एसोसिएशन ऑफ फिजियोथेरेपी कार्यकारिणी से एसोसिएशन में रजिस्टर्ड क्लीनिकों तथा फिजियोथेरेपिस्ट की सूची मांगी जिससे जल्द ही एसोसिएशन उपलब्ध करा देगी।

'गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को निर्धारित समय में त्रुटिरहित पूर्ण करावे'

अलवर । जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने आज उपखण्ड अधिकारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक लेकर राजस्व संबंधी प्रकरणों एवं कोर्ट केसेज में लंबित प्रकरणों के निस्तारण तथा चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) की तैयारियों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। जिला कलक्टर ने उपखण्ड अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजस्व संबंधी प्रकरणों एवं कोर्ट केसेज में लंबित प्रकरणों का गुणवत्ता के साथ समयबद्ध निस्तारण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने राजस्व प्रकरणों में सीमाज्ञान, नामांतरण, विभाजन, गिरदावरी इत्यादि की विस्तृत समीक्षा कर इन्हें नियमित तौर पर समयबद्ध निस्तारित कराने के निर्देश दिये तथा फार्मर रजिस्ट्री के रजिस्ट्रेशन एवं लघु सिंचाई गणना में प्रगति बढाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने उपखण्डवार कोर्ट केसेज में 10 वर्ष से अधिक के लंबित प्रकरणों एवं 5 वर्ष से अधिक के प्राथमिक डिक्री के प्रकरणों की वस्तुस्थिति का फीडबैक लेकर 31 दिसम्बर तक 50 प्रतिशत प्रकरणों का निस्तारण करने के निर्देश दिये। उन्होंने विभाजन प्रस्ताव (कुर्रेजात) के प्रकरणों, धारा 251ए के तहत रास्तों के प्रकरणों एवं तीन माह से अधिक के धारा 136 के लंबित प्रकरणों की आगामी दो माह में इन्हें डिस्पोज कराने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने निर्देश दिये कि एनएफएसए पोर्टल 2025 के आवेदनों की स्थिति की समीक्षा कर लंबित आवेदनों को त्वरित निस्तारित करना सुनिश्चित करें। जिला कलक्टर ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 28 अक्टूबर 2025 से 7 फरवरी 2026 तक एसआईआर की प्रक्रिया प्रारम्भ की जा रही है, जिसमें 28 अक्टूबर से 3 नवबंर 2025 तक प्रशिक्षण एवं गणना प्रपत्र के मुद्रण का कार्य होगा। 4 नवबंर से 4 दिसंबर 2025 तक घर-घर गणना प्रपत्र के वितरण एवं संग्रहण का कार्य होगा। 9 दिसंबर 2025 को मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशित किया जाएगा। 9 दिसंबर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक दावे एवं आपत्तियां ली जाएगी। 9 दिसंबर से 31 जनवरी 2026 तक नोटिस फेज रहेगा जिसमें सुनवाई एवं सत्यापन किया जाएगा। 7 फरवरी 2026 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। उन्होंने ईआरओ को निर्देशित किया कि एसआईआर के कार्य को प्राथमिकता में रखते हुए टीमवर्क के रूप में कार्य कर निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिये कि बीएलओ एप पर मतदाताओं की मैपिंग कार्य पर विशेष फोकस रखकर आगामी 7 दिवस में पूर्ण करावे। उन्होंने निर्देशित किया कि वॉलेंटियर्स एवं हेल्पडेस्क कार्मिकों का गहन प्रशिक्षण कराकर एसआईआर गाइडलाइन की सम्पूर्ण जानकारी प्रदान करें तथा हैल्पडेस्क पर किए जा रहे कार्य की फील्ड विजिट कर प्रभावी मॉनिटरिंग करें। उन्होंने निर्देश दिये कि अधिक से अधिक गणन पत्रों को ऑनलाइन भरवाना सुनिश्चित करें।

विजेताओं को पुरस्कृत किया

निवाई। पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राहोली में भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा मानक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को मानकों के महत्व से अवगत कराना और उनकी लेखन क्षमता को बढ़ावा देना था। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों ने उक्त विषय पर गहराई से विचार व्यक्त किया और अपने लेखों के माध्यम से मानक लेखन की कला में उत्कृष्टता दिखाई। प्रतियोगिता के विजेता रही टीना चौधरी, भावना सैनी, गुंजन कंवर व अनिता मीणा को प्राचार्य डॉ. योगेंद्रसिंह नरूका द्वारा सम्मानित किया गया। प्रभारी दिनेशकुमार बैरवा ने बताया कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों ने मानक लेखन की तकनीकों को सीखा व अपने विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने का प्रयास किया। विजेताओं के लेखों को उनके विचारों की स्पष्टता, संरचना और मौलिकता के लिए सराहा गया। प्रतियोगिता से विद्यालय के विद्यार्थियों के बीच मानकों के प्रति जागरूकता का एक सकारात्मक वातावरण उत्पन्न हुआ।

फिर सात दिन बाद बीसलपुर बांध का गेट खोला

टोंक। जिले में स्थित बीसलपुर बांध का फिर 7 दिन बाद एक गेट खोला गया है, जिससे प्रति सेकंड 3005 क्यूसेक पानी बनास नदी में छोडा जा रहा है। बीसलपुर बांध में पानी की आवक बढ़ने से एक बार फिर इस सीजन में दूसरी बार मंगलवार गेट नंबर 10 को एक गेट खोल दिया है। इसी के साथ एक बार फिर बनास नदी में पानी का स्तर बढ़ गया है।

■ इससे पहले इस सीजन में 24 जुलाई को पहली बार इस बांध का गेट खोलकर पानी निकासी की थी।

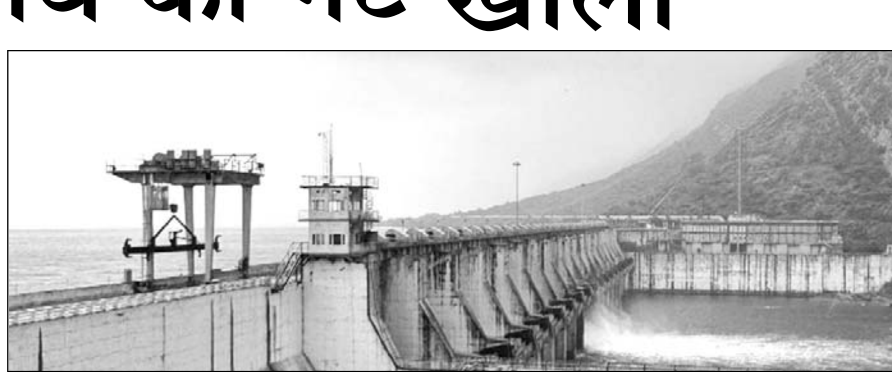

टोंक। जिले में स्थित बीसलपुर बांध का फिर 7 दिन बाद एक गेट खोला गया है, जिससे प्रति सेकंड 3005 क्यूसेक पानी बनास नदी में छोडा जा रहा है।

बीसलपुर बांध परियोजना अधिकारी मनीष बंसल ने बताया कि बांध का जल स्तर 315.50 आरएल मीटर मेंटेन कर एक गेट को खोलकर फिर से बनास नदी में पानी निकासी की जा रही है। इससे पहले इस सीजन में 24 जुलाई को पहली बार इस बांध का गेट खोलकर पानी निकासी की थी। फिर पानी बढ़ने पर अधिकतम 8 गेट खोल दिए थे, फिर गत दिनों पानी की आवक बांध में काफी कम पड़ने पर 21 जुलाई को इसके सभी गेट 90 दिन में बंद कर दिए थे। इस बांध से जिले में सिंचाई के लिए 8 टीएमसी पानी, पेयजल के लिए 16.2 टीएमसी पानी आरक्षित है, इसके अलावा 8.15 टीएमसी वाष्पीकरण व अन्य खर्च माना गया है। बांध ये टोंक, अजमेर, जयपुर जिलों में पेयजल के लिए रोजाना करीब एक हजार एमएलडी पानी बांध से जाता है।

बसों की छतों पर सामानों को लेकर यात्रा करने पर पाबंदी

जयपुर। जयपुर जिले के मनोहरपुर में मंगलवार सुबह बस में करंट और फिर आग लगने के बाद परिवहन विभाग ने एक कदम उठाते हुए बसों की छतों पर सामानों को लेकर यात्रा करने पर पाबंदी लगा दी गई है। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय ने इस बारे में मंगलवार की शाम से विशेष नो लगेज अभियान शुरू करने का फैसला किया है। मनोहरपुर में हुआ हादसा जयपुर आरटीओ सेकंड के क्षेत्राधिकार में हुआ। इस हादसे के बाद जयपुर के आरटीओ प्रथम कार्यालय ने जयपुर शहर में बसों की छतों पर ओवरलोडिंग करने पर रोक लगा दी है। मंगलवार की शाम से जयपुर में नो लगेज अभियान शुरू किया गया। इसके तहत अब बसों के संचालक बसों की छतों पर सामान नहीं रख सकेंगे। आरटीओ की ओर से कहा गया है कि मनोहरपुर में हुए हादसे के बाद इस अभियान को तत्काल लागू करने का निर्णय लिया ।

कलेक्टर ने लंबित राजस्व संबंधी प्रकरणों के निस्तारण पर चर्चा की

अलवर। जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने मंगलवार को उपखण्ड अधिकारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक लेकर राजस्व संबंधी प्रकरणों एवं कोर्ट केसेज में लंबित प्रकरणों के निस्तारण तथा चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) की तैयारियों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। जिला कलेक्टर ने उपखण्ड अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजस्व संबंधी प्रकरणों एवं कोर्ट केसेज में लंबित प्रकरणों का गुणवत्ता के साथ समयबद्ध निस्तारण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने राजस्व प्रकरणों में सीमाज्ञान, नामांतरण, विभाजन, गिरदावरी इत्यादि की विस्तृत समीक्षा कर इन्हें नियमित तौर पर समयबद्ध निस्तारित कराने के निर्देश दिये तथा फार्मर रजिस्ट्री के रजिस्ट्रेशन एवं लघु सिंचाई गणना में प्रगति बढाने के लिए

जिला कलेक्टर डॉ. अर्तिका शुक्ला वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक की।

निर्देशित किया। उन्होंने उपखण्डवार कोर्ट केसेज में 10 वर्ष से अधिक के लंबित प्रकरणों एवं 5 वर्ष से अधिक के प्राथमिक डिक्री के प्रकरणों की वस्तुस्थिति का फीडबैक लेकर 31 दिसम्बर तक 50 प्रतिशत प्रकरणों का निस्तारण करने के निर्देश दिये। उन्होंने विभाजन प्रस्ताव (कुर्रेजात) के प्रकरणों, धारा 251ए के तहत रास्तों के प्रकरणों एवं तीन माह से अधिक के धारा 136 के लंबित प्रकरणों की आगामी दो माह में इन्हें डिस्पोज कराने के लिए निर्देशित किया।

■ 31 दिसम्बर तक 50 प्रतिशत प्रकरणों का निस्तारण करने के निर्देश दिये

जिला कलेक्टर ने निर्देश दिये कि एनएफएसए पोर्टल 2025 के आवेदनों की स्थिति की समीक्षा कर लंबित आवेदनों को त्वरित निस्तारित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने ने कहा भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 28 अक्टूबर 2025 से 7 फरवरी 2026 तक एसआईआर की प्रक्रिया प्रारम्भ की जा रही है, जिसमें 28 अक्टूबर से 3 नवबंर 2025 तक प्रशिक्षण एवं गणना प्रपत्र के मुद्रण का कार्य होगा।

आम सूचना

मैं मेरी अभिभाष्य फर्म श्री गणेश ऑयल मिल्स, जी-31, रीको ओद्योगिक क्षेत्र, किशनगढ़- रेनवाल, जिला जयपुर 303603 जरिये भागीदार हीरालाल कुमावत पुत्र श्री दुलाराम के हिदायत एवं निर्देशानुसार हर खास- आम को सूचित करता हूँ कि मेरी अभिभाष्या फर्म की संपति जी 31, रीको ओद्योगिक क्षेत्र, किशनगढ़ रेनवाल, जिला जयपुर 303603 से संबंधित असल दस्तावेजात 1. अलाटमेन्ट लेटर दिनांकित 23.10.1990 2. पट्टा समझौता दिनांकित 29.01.1991 3. विक्रय इकरारनामा दिनांकित 22.02.1996 4. हस्तान्तरण पत्र दिनांकित 16.09.1996 कहीं गुम हो गये है जो काफी प्रयास के उपरान्त भी नही मिले है। यदि मेरी अभिभाष्या फर्म की उक्त संपति के उपरोक्त असल दस्तावेजात किसी को भी मिलते है तो निवेदन है कि मेरे मोबाइल नं. पर सूचित करे। आमजन को यह भी सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या फर्म की उक्त संपति के संबंध मे किसी भी अन्य व्यक्ति, फर्म, संस्था, निकाय, कंपनी इत्यादि किसी से भी प्रकार का क्रय-विक्रय या किसी भी प्रकार का संव्यवहार नहीं करे। यदि मेरी अभिभाष्या फर्म की उक्त संपति के संबंध मे कोई अन्य किसी भी प्रकार का क्रय-विक्रय या किसी भी प्रकार का संव्यवहार करता है तो इसके समस्त परिणामो के लिये वह स्वयं उत्तरदायी होगा। उसमे मेरी अभिभाष्या फर्म की कोई जिम्मेवारी नही होगी। सूचित रहे।

हेमन्त सैनी एडवोकेट 98876-62156

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सम्पत्ति प्लाट नम्बर 7/H/IV-29 सैक्टर-7 विद्याधर नगर जयपुर में पूर्वमुखी स्थित है जिसका क्षेत्रफल 223.44 वर्गमीटर है, जिसके स्वत्व बाबत एडीजे-7 जयपुर महानगर द्वितीय के द्वारा मु. वउनवानी आरुषी उर्फ लीया बनाम राजेन्द्र कुमार शर्मा में आदेश दिनांक 20.08.2025 के जरिये प्रोफेक्टस केपिटन प्रा.लि. की कार्यवाही से सम्पत्ति की वास्तविक स्वामी आरुषी बाध्य न होने एवं उसकी जानकारी में नही होना अवधारित करते हुये टीआई संख्या 291/25 में आदेश दिनांक 22.08.2025 के जरिये उपरोक्त सम्पत्ति के मौके एवं रिकार्ड यथास्थिति स्थगन पारित है, जो प्रभावी है जिससे कोई भी व्यक्ति/कम्पनी/विभाग न्यायालय के आदेशों की अवहेलना व अवमानना नहीं करें तथा उक्त सम्पत्ति के मौके एवं रिकार्ड की यथास्थिति बनाये रखें अन्यथा इसमें होने वाले समस्त हर्जे खर्चे एवं परिणामों के लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। सूचित रहे।

दिनांक-28.10.2025 दिनेश शर्मा, एडवोकेट (राजस्थान उच्च न्यायालय) मो. 9119127788

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य जितेन्द्र चौधरी पुत्र श्री लाला राम जाति जाट निवासी नयागॉव तहसील दूदू जिला जयपुर राजस्थान जो कि दिनांक 16.10.2025 को दूदू आये थे जिनका बैंग जिसमें असलदस्तावेज तीन चैक बुक जो खाली चैक हस्ताक्षरशुदा एसबीआई बैंक शाखा दूदू, बैंक ऑफ बडोदा शाखा दूदू आरएमजीबी बैंक शाखा पडासोली के व 10 खाली स्टाम्प पेपर जो हस्ताक्षरशुदा रखे हुए थे जो दूदू पुलिया के पास गिर गया है असलदस्तावेज का बैंग किसी व्यक्ति को मिले तो मेरे अभिभाष्य को संभला देवे। खाली हस्ताक्षरशुदा चैक व स्टाम्प पेपरों का दुरूपयोग नहीं करें अन्यथा स्वयं जिम्मेदार होंगे यदि किसी भी व्यक्ति के द्वारा खाली चैको का व स्टाम्प पेपरों का दुरूपयोग किया जाता है तो मेरा अभिभाष्य कानूनी कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा। सूचित रहे।

शिवराम शर्मा, एडवोकेट, दूदू

कार्यालय उपायुक्त किशनपोल जोन नगर निगम जयपुर
सोफिया स्कूल के सामने घाटगेट जयपुर पिन कोड 302003
क्रमांक-F-52/DC/KPZ/2025/1341 दिनांक 27.10.25

सार्वजनिक आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता ह कि श्रीमति रहमत बानों पत्नि स्व. श्री अब्दुल रहमान ने प्लाट नं. 57 पेन्टर कॉलोनी नाहरी का नाका शास्त्री नगर जयपुर का कच्ची बस्ती, के तहत पट्टा चाहने हेतु आवेदन पत्र के साथ उपंजीकृत हक त्याग पत्र व स्वामित्व संबंधित दस्तावेजों की फोटो प्रतियां प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति का स्वयं का क्षेत्रफल 96.48 वर्गगज का पट्टा चाहा है। उक्त भूखण्ड के संबंध में किसी व्यक्ति सरकारी/गैर सरकारी संस्था, मालिकों या अन्य किसी को कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस मं अधोहस्ताक्षरकर्ता को सूचित करें। बाद मियाद गुजरने के आवेदन का नियमानुसार निस्तारण कर दिया जावेगा।

उपायुक्त, किशनपोल जोन, नगर निगम जयपुर (हैरिटेज)

उदघोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 34/2025
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
हिमांशु जोशी एवं पुत्र श्री जगत बन्धु जोशी जाति-ब्राह्मण, सुजाता भारद्वाज पत्नी श्री ओमेन्द्र भारद्वाज स्व. जगतबंधु जोशी फ्लैट नंबर टी-727, ब्लॉक बी-07 अजमेर रोड नियर महिंद्रा SEZ आशियाना उमंग जयपुर (राज.) निवासी सी-375-ए प्रधान मार्ग मालवीय नगर जयपुर
मृतक जगत बंधु जोशी की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 02.12.2025
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम जगत बंधु जोशी पुत्र परमानंद जोशी जाती ब्राह्मण निवासी फ्लैट नंबर टी-727, ब्लॉक बी-07 अजमेर रोड नियर महिंद्रा SEZ का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें। अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 02 माह 12 सन् 2025 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 14 माह 10 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रं.स. 10, जयपुर महानगर प्रथम, सांगानेर, जयपुर (मोहर)

कार्यालय उपायुक्त सिविल लाईन जोन, नगर निगम जयपुर हैरिटेज
क्रमांक-एफ-56()सि.ला.जो./ननिज/2025/1720 दिनांक-27.10.2025

अनापत्ति आमंत्रण सूचना

भूखण्ड संख्या 27-बी, धुलेश्वर गार्डन, सी-स्कीम, जयपुर क्षेत्रफल 202.22 वर्गगज द्वारा जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 27.09.1957 को श्री बिरदा पुत्र श्री नानू ने क्रय किया था। श्री बिरदा की मृत्यु दिनांक 22.01.1979 को हो गई। तत्पश्चात श्री बिरदा के वारिसानों द्वारा विपिन यादव को हक त्याग किया गया। उक्त हक त्याग के आधार पर उक्त भूखण्ड का पट्टा श्री विपिन यादव पुत्र श्री गोविन्द सहाय यादव के नाम से जारी किया जाना है। किसी संस्था, फर्म, कम्पनी व किसी भी व्यक्ति को उक्त पट्टे के संबंध में आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय मं सात दिवस में आपत्ति पेश करें अन्यथा सात दिवस पश्चात उक्त भूखण्ड में पट्टे की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।

उपायुक्त, सिविल लाईन जोन नगर निगम जयपुर हैरिटेज

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/801
चूंकि प्रार्थी श्री MAHENDRA BILONIYA 24, DUSAD NAGAR SECOND, BEHIND KOHINOOR CINEMA, SANGANER, JAIPUR RAJASTHAN ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास रैदासामृतस्य सत्यम स्वामी ध्यान शून्यम सर्वमंगलम फाउन्डेशन Plot No. 24, DUSAD NAGAR SECOND KOHINOOR CINEMA KE PICHE, SANGANER, JAIPUR, RAJASTHAN के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है। अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 09.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 17.12.2025

सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम (मोहर अदालत)

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 98/2025
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री असरार अहमद पुत्र निसार अहमद निवासी दीन मोहम्मद रोड वार्ड नम्बर 06 सीकर राजस्थान332001 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास अमर ट्रस्ट, खालिद मंजिल, मौहल्ला सुलतानशाह, वार्ड नम्बर 22, सीकर के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है। अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 03.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 16.11.2025

सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग जयपुर (मोहर अदालत)

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय... उपखण्ड अधिकारी.... स्थान... कि.रेनवाल...
नानूराम विरूद्ध मंगलचन्द वगैरह
वाद बाबत विभाजन व स्थायी निषेधाज्ञा
वाद सं. 81सन् 2021
नाम पूनम कंवर पुत्री स्व. अमरसिंह जाति दरोगा श्रवणी पुत्री मेवाराम जाति जाट निवासी कि. रेनवाल, तहसीलदार कि.रेनवाल जिला जयपुर राज. विरूद्ध वाद विभाजन एवं स्थायी निषेधाज्ञा के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 29.10.2025 को दिन में 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद ता. 27 माह 10 सन् 25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

आज्ञा से-उपखण्ड अधिकारी किशनगढ, रेनवाल जिला जयपुर (मोहर अदालत)

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम राजेश कुमार शर्मा पुत्र श्री नानगराम शर्मा से बदलकर राजेश कुमार कर लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावें। पता-ग्राम चौसला तहसील मालपुरा जिला टोंक राजस्थान

मैंने मेरा नाम अब्दुल मजीद खान से बदलकर अब्दुल मजीद पुत्र श्री अब्दुल रशीद रख लिया है। भविष्य में मुझे अब्दुल मजीद के नाम से जाना जावें। पता 4022 निंदड रावजी का रास्ता, 3 क्रोस, चांदपोल बाजार, जयपुर राजस्थान

मैं राम सेवक विश्वकर्मा पिताजी आर्मी नं. 14688716M रैंक HAV निवासी गांव तिवारी मरहटिया गढ़वा, झारखण्ड ने अपने पुत्र के सर्विस रिकार्ड में अपनी जन्मतिथि 25.01.1960 से बदलकर 01.01.1961 कर दिया है।

मैं शारदा देवी माताजी आर्मी नं. 14688716M रैंक HAV निवासी गांव तिवारी मरहटिया गढ़वा, झारखण्ड ने अपने पुत्र के सर्विस रिकार्ड में अपनी जन्मतिथि 23.05.1965 से बदलकर 01.01.1970 कर दिया है।

I Monish Joshlani S/o Sh. Prakash Joshlani residing at Flat No. 315 MohinaHeritag, Central Spine, Vidhyadhar Nagar, Jaipur, Rajasthan-302039. I have changed my name from Manish Prakash Jashlani to Manish Joshlani. In Future I will be known by my changed name

नगर निगम ग्रेटर जयपुर
पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, जयपुर
क्रमांक :– जसअ/2025/264 दिनांकः 17.10.2025

ई-निविदा सूचना क्रमांक :- 27/2025-26

नगर निगम ग्रेटर जयपुर के विभिन्न वाहनो/मशीनों में वीटीएस/जीपीएस लगाये तथा इनका रखरखाव व संधारण कार्य हेतु पंजीकृत फर्म्स से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, विस्तृत सूचना एवं शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट www.jaipurmc.org, www.sppp.raj.nic.in and www.eproc.rajasthan.gov.in पर स्टेट पब्लिक प्रोक्यूरमेन्ट के UBN No. JMC2526SSOB01821 पर देखी जा सकती है।

उपायुक्त (गैराज) नगर निगम ग्रेटर जयपुर
राज.संवाद/सी/25/12816

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांक F-JDA/Zone 07/2025/D-9

आम सूचना

आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 28786 दिनांक 08.09.2020 को निम्नांकित भूखण्ड का Name Transfer जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी/लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स./निजी खातेदारी/जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
	SUBHASH SHARMA RAMPHOOL SHARMA	श्री रामजी लाल कोली पुत्र श्री पून्या कोली	A349	75.25SQ METER	Private	VAISHALI ESTATE VISTAR	Name Transfer	लीजडीड, पंजीकृत विक्रय पत्र, वाद विवाद शपथ पत्र

उक्त भूखण्ड का आवेदन के पक्ष में Name Transfer जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति सबमिट करें अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

उपायुक्त जोन-7, जविप्रा, जयपुर

नगर निगम ग्रेटर जयपुर
(पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लाल कोठी, टोंक रोड, जयपुर-15)
क्रमांक :– जसअ/2025/261 दिनांकः 17.10.2025

-::: **ई-निविदा सूचना संख्या 63/2025-26** ::-

नगर निगम ग्रेटर जयपुर की ओर से विद्युत कार्य हेतु नगर निगम ग्रेटर जयपुर में व अन्य विभागों में नये नियमों के अनुसार श्रेणीवार EWSD श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in पर निम्न UBN No. JMC2526WSOB01820 पर देखा जा सकता हैं।

इच्छुक संवेदकों को ई-निविदा में भाग लेने हेतु वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक हैं।

अधिशाषी अभियन्ता (विद्युत) नगर निगम ग्रेटर जयपुर
राज.संवाद/सी/25/12818

संक्षिप्त

स्वच्छता अभियान जारी

भरतपुर (निस)। राजस्थान की शाही विरासत और अतुलनीय आतिथ्य का प्रतीक पैलेस ऑन व्हील्स और लोहागढ़ द्वारा शुरू किया गया क्लीन राजस्थान अभियान भरतपुर में जारी रहा। इस अभियान के अंतर्गत आज शहर के प्रमुख स्थलों कृ भरतपुर रेलवे स्टेशन, लोहागढ़ किला और केवलादेव नेशनल पार्क तक विस्तृत सफाई कार्य किया गया। इस पहल के तहत रेलवे स्टेशन परिसर, मुख्य मार्गों, सार्वजनिक स्थलों, झाड़ियों, तथा आसपास के क्षेत्रों की सफाई की गई। अभियान का उद्देश्य भरतपुर को स्वच्छ, सुंदर और पर्यटकदृअनुकूल बनाना है, ताकि यहाँ आने वाले देशदृविदेश के पर्यटकों को राजस्थान की एक अनुशासित और आकर्षक छवि दिखाई दे। पैलेस ऑन व्हील्स और लोहागढ़ टीम ने इस अवसर पर स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर यह संकल्प लिया कि यह स्वच्छता अभियान लगातार जारी रहेगा और इसे अन्य शहरों तक भी विस्तारित किया जाएगा।

स्कूल का औचक निरीक्षण

निवाई। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सरसड़ी रामपुरा का सोमवार को जिला शिक्षाधिकारी प्रारंभिक शिक्षा टोंक भंवरलाल कुम्हार द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। अध्यापक सत्यनारायण प्रजापति ने बताया कि निरीक्षण के दौरान बच्चों का शैक्षिणक स्तर जांचा गया। विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मिड डे मील की व खाद्यान्न स्टॉक की जांच की। जिसके दौरान संतोष जाहिर किया। प्रखर 2.0 की प्रगति की जांच की गई एवं आवश्यक निर्देश प्रदान किए। विद्यालय व बालकों के विकास के लिए सभी शिक्षकों को एक साथ मिलकर सौहार्दपूर्ण वातावरण में टीम भावना से कार्य करने का आठाह किया। साथ ही उन्होंने नवाचार करते हुए अक्षय पेटिका में राशि दान की और सभी शिक्षकों को इसके लिए प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान प्रधानाध्यापक सूरजमल बैरवा सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

अष्टानिका महापर्व आज से

निवाई। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अग्रवाल मंदिर में अष्टानिका महापर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। जैन समाज के प्रवक्ता सुनील भाणजा एवं हितेश छाबड़ा ने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ झंडारोहण के साथ किया जाएगा। इसके पश्चात पंडित राजकुमार शास्त्री मध्यप्रदेश के सानिध्य में भगवान शांतिनाथ के समक्ष दीप प्रज्वलन, चित्रनावरण, मंडप शुद्धि, सकलीकरण व दिगबंदन के साथ अनंतानंत परम सिद्धो की आराधना की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रातः काल जिन अभिषेक शांतिधारा एवं मंडल विधान का शुद्धिकरण करके मंडप पर अष्ट अघ्र्य चढ़ाए जाएंगे एवं सांयकाल को महाआरती का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार श्री सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ पर ज्ञानश्री, ज्ञायकश्री माताजी के सानिध्य मे अष्टानिका महापर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। इस दौरान माताजी ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अष्टानिका महापर्व में सिद्धों की आराधना करने से महापुण्य का अर्जन होता है। इसलिए सभी श्रद्धालुओं को सिद्धों की आराधना करनी चाहिए। जिससे एक दिन वह भी सिद्ध बन सके।

अंतिम तिथि 15 नवम्बर तक

दौसा। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से संचालित उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत शैक्षणिक सत्र 2024-25 में विद्यार्थियों की बायोमैट्रिक उपस्थिति छात्रवृत्ति पोर्टल पर दर्ज करने की अन्तिम तिथि बढ़ाकर 15 नवम्बर की गई है। जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी रामराज मीना ने बताया कि शैक्षिणक सत्र 2024-25 में बायोमैट्रिक उपस्थिति से शेष छात्र तत्काल अपने कॉलेज एवं संस्थान में सम्पर्क कर अपनी बायोमैट्रिक उपस्थिति छात्रवृत्ति पोर्टल पर दर्ज करवाएं ताकि संस्थान आवेदन की जांच कर विभाग को अग्रेषित कर सके एवं विभाग द्वारा छात्रवृत्ति भुगतान की कार्यवाही की जा सके।

राष्ट्रगान व राष्ट्रीय गीत का स्वागत

दौसा। भाजपा कार्यकर्ताओं ने पंचायतीराज और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का शिक्षा विभाग, पंचायतीराज और संस्कृत शिक्षा विभाग में राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत जरूरी करने का स्वागत किया है।

फुलेरा में मोटरसाइकिल चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

■ चार चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद, फुलेरा से एक व जयपुर से तीन की गई थीं चोरी

फुलेरा। फुलेरा थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी की वारदात का पर्दाफाश करते हुए चोरी की बाइक खरीदने वाले समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल चार मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। फुलेरा थानाधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि 11 अक्टूबर 2025 को प्रार्थी ने रिपोर्ट दी कि उसने अपनी हीरो मोटरसाइकिल नंबर 47 2092 रेलवे स्टेशन फुलेरा पार्किंग के पास खड़ी की थी, जो शाम को लौटने पर गायब मिली। इस पर थाना फुलेरा में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

फुलेरा थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू शिवलाल बैरवा एवं वृत्ताधिकारी सांभरलेक अनुपम मिश्रा के सुपरविजन में फुलेरा थानाधिकारी राजेश कुमार के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी व गोपनीय आसूचना के आधार पर आरोपी मुकेश कुमार (30) पुत्र नानूराम मीणा, निवासी सिरसी थाना नांवा, जिला डीडवाना कुचामन को डिटेन किया। पूछताछ में आरोपी ने फुलेरा से एक तथा कनकपुरा (जयपुर) क्षेत्र से तीन मोटरसाइकिलें चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी मुकेश के कब्जे से एक अपाची व दो हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। साथ ही उसने चोरी की गई एक मोटरसाइकिल राहुल (19) पुत्र राजपाल मीणा, निवासी लूणवा थाना नांवा जिला डीडवाना कुचामन को बेचना कबूल किया। राहुल के कब्जे से चोरी हुई मोटरसाइकिल 47 2092 बरामद कर उसे गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों से पूछताछ एवं आगे की जांच की जा रही है।

पुलिस टीम में यह रहें शामिल : फुलेरा थानाधिकारी राजेश कुमार के नेतृत्व में एएसआई मोहनलाल, कांस्टेबल राजेन्द्र, हंसराज, मांगीलाल, रविदत्त, अनिल कुमार, विश्वेन्द्र शामिल रहे।

पूर्व सैनिक शेर सिंह यादव सम्मानित

भारतीय पूर्व सैना सेवा परिषद के अध्यक्ष शेर सिंह यादव का प्रांतीय सम्मेलन में सम्मान किया।

किशनगढ़ बास (निस)। भारतीय पूर्व सैना सेवा परिषद राजस्थान की खैरथल तिजारा जिला ईकाई के अध्यक्ष शेर सिंह यादव का जयपुर में सेवा परिषद की ओर से आयोजित प्रांतीय सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष मेजर जनरल अनुज माथुर,वीसीएम ने सम्मान किया। यह सम्मान यादव को अध्यक्ष पद पर रहते हुए पूर्व सैनिक परिवारों के लिए किए गए सेवा भाव कार्यों के लिए दिया गया है। इससे पूर्व में यादव 6 मार्च 2025 को भारत के सैना अध्यक्ष के हाथों सम्मानित किए जा चुके हैं।

ऑनलाईन ठगी करने वालों के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने की मांग, पत्र लिखा

■ राष्ट्रीय मीना छात्र महासभा के जिलाध्यक्ष बीएल मीना ने साइबर फ्रॉड, ऑनलाईन ठगी, सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अभद्र भाषा का प्रयोग करने वालों के खिलाफ जन जागरूकता अभियान की चौपाल प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित करवाने को लेकर पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखा है।

निवाई। राष्ट्रीय मीना छात्र महासभा के जिलाध्यक्ष बीएल मीना ने साइबर फ्रॉड, ऑनलाईन ठगी, सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अभद्र भाषा का प्रयोग करने वालो के खिलाफ जन जागरूकता अभियान की चौपाल प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित करवाने को लेकर पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखा है। जिलाध्यक्ष बीएल मीना ने बताया कि देश का युवा वर्ग वर्तमान में ऑनलाईन ठगी एवं साइबर फ्राड के कारण बर्बाद होकर आत्महत्या कर रहा है। उपरोक्त अवैध तरीके से कमाए गए धन की वजह से पूरे राजस्थान में हत्या, बलात्कार व अपहरण जैसी गम्भीर घटनाएँ बढ़ रही है। इसी प्रकार सोशल मीडिया पर गाली-गलौज व अभद्र भाषा का प्रयोग करते है। जिसके कारण युवा मानसिक संतुलन खोकर डिप्रेशन में रहते है। फेसबुक, ट्विटर व इंस्टाग्राम पर कुछ असामाजिक तत्व लगातार आपत्तिजनक व अश्लील टिप्पणियों से न केवल सामाजिक सौहार्द बिगड़ रहा है, बल्कि महिलाओं और बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ रहा है। उन्होंने साइबर सेल के माध्यम से इन प्रोफाइल की पहचान कर जांच करवाने व आरोपियों के खिलाफ आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है। पत्र में ऑनलाईन ठगी व साइबर फ्रॉड एवं सोशल मीडिया का गलत उपयोग करने वालों के खिलाफ ग्राम पंचायत स्तर पर चौपाल आयोजित कर लोगों को जागरूक करने की मांग की है। इन चौपालों में संबंधित क्षेत्र के पंचायत समिति सदस्य, सरपंच, वार्ड पंच, जिला परिषद सदस्य को शामिल किया जाए ताकि राजस्थान में ऑनलाईन ठगी के खिलाफ जन क्रान्ति हो सके एवं युवाओं को बर्बाद होने एवं आत्महत्या को रोकने के साथ-साथ अपराध पर अंकुश लगाया जा सके।

1500 भक्तों ने पाई अन्नकूट की प्रसादी

■ भरतपुर में खिरनी घाट स्थित प्राचीन मंदिर श्री अग्रेश्वर महादेव के प्रांगण में गोपाष्टमी उत्सव एवं अन्नकूट प्रसादी महोत्सव का भव्य आयोजन श्री अग्रवाल सभा, श्री अग्रवाल भवन समिति, महाराजा अग्रसेन शोभायात्रा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ।

भरतपुर (निस)। भरतपुर में खिरनी घाट स्थित प्राचीन मंदिर श्री अठोश्वर महादेव के प्रांगण में गोपाष्टमी उत्सव एवं अन्नकूट प्रसादी महोत्सव का भव्य आयोजन श्री अग्रवाल सभा, श्री अग्रवाल भवन समिति, महाराजा अग्रसेन शोभायात्रा समिति एवं अग्रवाल जन चेतना मंच के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ।

प्रमुख समाजसेवी मोहन मित्तल एवं अठावाल सभा महामंत्री विनोद सिंघल ने बताया कि कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष में आज गोपाष्टमी पर्व की पूर्व वेला में मनाया गया। कामधेनु स्वरूप गायों का पूजन कर हल्दी के थापे लगाये गये, साडी उढ़ाई गई, पंडित प्रेमी शर्मा के द्वारा विधि विधान से पूजा अर्चना कराई गई, गायों को गुड, चारा एवं हरी सब्जी खिलाकर आरती की गई, मंदिर में छप्पन भोग एवं अन्नकूट प्रसादी का महोत्सव मनाया गया।

मंदिर में विराजमान अति सुन्दर मनमोहक राधा कृष्ण, राम दरबार, दुर्गा मां, अंजनी मां, दत्तात्रेय भगवान, लक्ष्मी माता, दाता गणेश, जगन्नाथ जी, भोले बाबा आदि सभी विठाहों को मोती जडित नई पोषाक धारण कराकर श्रृंगार किया गया। प्रातः 9 बजे शिव परिवार का दुग्ध अभिषेक कर सभी को सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य लाभ के कामना की गई, भव्य फूल बंगला, रंगीन रोशनी एवं गायों की झांकी सजावट की गई, पूरा माहौल भक्तिमय हो गया।

गिर्राज धरण की जय, बंसी बाले की जय, राधारमण लाल की जय, लक्ष्मी माता की जय, अठोश्वर महादेव बाबा की जय के जयकारे गूंजने लगे। दोपहर 12.15 बजे महाआरती कर चावल, बाजरा, कढी, मिक्स सब्जी, खीर, पूआ, पूडी, लड्डू, पापड एवं छप्पन भोग व्यंजनों का ठाकुर जी को भोग लगाकर 1500 भक्तगणों को पंगत प्रसादी खिलाई गई एवं सांय 4 बजे से दौना में वितरित की गई।

इस मौके पर भरतपुर जिला अग्रवाल महासभा अध्यक्ष सीए अतुल मित्तल, महामंत्री मुकेश सिंघल, अंतर्राष्ट्रीय वैश्य सम्मेलन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनुराग गर्ग, अठावाल सभा अध्यक्ष सीए एम.एल. मित्तल, उपाध्यक्ष हरीमोहन मित्तल, देवेन्द्र चामड, सीताराम गुप्ता, मुरारी लाल खंडेलवाल, अखिल भारतीय युवा अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय चेयरमैन मनोज जिंदल, अग्रवाल भवन समिति अध्यक्ष सुरेश बंसल, मोहन मित्तल, सुभाष जिंदल, युवा अग्रवाल महासभा शहर अध्यक्ष ओमप्रकाश सिंघल, जिला अठावाल महिला अध्यक्ष शालिनी मित्तल, सपना डीगिया, कृष्णा नगर इकाई अध्यक्ष एडवोकेट प्रमोद अठावाल, आर.एल. गर्ग, प्रीतेश गर्ग, हेमराज गोयल, हीरादास इकाई अध्यक्ष जितेन्द्र अग्रवाल, पूर्व डीटीओ सुधीर बंसल, वेदप्रकाश मित्तल, गोपालचंद सिंघल सर्वेअर आदि संस्थाओं के पदाधिकारी गणमान्य व भक्तगणों ने प्रसादी पाई।

'राजनैतिक दल एसआईआर में सक्रियता से कार्य करें'

भरतपुर (निस)। मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर कमर चौधरी की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। जिसमें चुनाव आयोग की मंशा के अनुसार मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी गई। जिला कलक्टर ने कहा कि मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण के लिये चुनाव आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है। इसमें जिले में चार नवम्बर से बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे तथा चुनाव आयोग के मापदण्डों के अनुसार मतदाताओं के लिये गणना प्रपत्र तैयार करेंगे। उन्होंने बताया कि बीएलओ द्वारा मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किया जायेगा जिसमें मतदाता अपने या रिश्तेदारों के नाम के साथ मिलान करने में मदद करेंगे। उन्होंने बताया कि मतदाता विगत एसआईआर के अखिल भारतीय डाटाबेस का भी उपयोग कर सकते हैं इसका लिंक मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजस्थान की बेवसाइट पर उपलब्ध है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि नये मतदाता को शामिल करने के लिये फार्म-6 भरा जायेगा। बीएलओ प्रत्येक मतदाता के घर कम से कम तीन बार जायेंगे। उन्होंने बताया कि मतदाता विशेषरूप से शहरी मतदाता, अस्थाई प्रवासी, ईएफ ऑनलाईन भी भर सकते हैं। उन्होंने बताया कि मृत, स्थाई रूप से स्थान्तरित और एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत मतदाताओं की पहचान पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान की जायेगी। उन्होंने बताया कि ईएफ के अलावा गणना चरण के दौरान ईएफ के साथ कोई और अन्य दस्तावेज की आवश्यकता नहीं है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को आव्हान किया कि मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में सभी सक्रियता से सहयोग करें। उन्होंने बताया कि बीएलओ के साथ राजनैतिक दलों के बीएलए प्रत्येक बूथ पर आम मतदाताओं को इस अभियान के बारे में जानकारी देकर आवश्यक दस्तावेजों के बारे में जागरूक भी करें। उन्होंने बताया कि भारत का प्रत्येक नागरिक जिसकी आयु 18 वर्ष हो तथा उसी निर्वाचन क्षेत्र का निवासी हो मतदाता सूची में नाम जुडाऐं ये हम सबका कर्तव्य है।

पावटा में कई टन अवैध बजरी का स्टॉक जब्त

■ अवैध बजरी स्टॉक पर खनन विभाग व पुलिस की कार्रवाई,बजरी माफियाओं में हड़कंप

पावटा। प्रागपुरा थाना पुलिस लगातार अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने को लेकर लगातार ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही हैं। जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र विश्नोई ने लगातार अवैध बजरी खनन को लेकर सख्त रवैए के चलते प्रागपुरा थाना क्षेत्र में अभियान चलाकर अवैध बजरी भंडारण, खनन और परिवहन को लेकर सख्त रुख अपनाया है। इस कार्रवाई के बाद से अवैध बजरी खनन के कार्य में जुटे गिरोह पर हड़कंप मचा है। राजस्व विभाग व पुलिस प्रशासन एवं खनन विभाग ने बनाडी नर्सरी , भूरी भडाज गौशाला एरिया में जंगलात की भूमि में अवैध बजरी खनन एवं भंडारण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बजरी के कई स्टॉक खुर्द बुर्द किया है। मंगलवार दिन में चली कार्रवाई के दौरान कई टन अवैध बजरी का स्टॉक खुर्द बुर्द किया है। कार्रवाई का पता चलते ही बजरी माफियाओं में हड़कंप मच गया। राजस्व विभाग, प्रागपुरा थाना पुलिस व खनन विभाग की टीमों द्वारा बजरी का स्टॉक जब्त करने की कार्रवाई की गई है। पुलिस अधीक्षक देवेंद्र विश्नोई एवं खनन विभाग के उच्च अधिकारियों के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली वैभव शर्मा, पुलिस उप अधीक्षक शिप्रा राजावत एवं के निकटतम सुपरविजन में खनन विभाग एवं प्रागपुरा थाना प्रभारी कश्मीर सिंह के नेतृत्व में संयुक्त कार्यवाही करते हुए बनाडी नर्सरी , भूरी भडाज गौशाला एरिया में जंगलात की भूमि में कार्रवाई शुरू की व अवैध तौर से किए गए स्टॉक को खुर्द-बुर्द करने की कार्रवाई की।

प्रागपुरा थाना पुलिस लगातार अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने को लेकर लगातार ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही हैं।

टीम को यहां बजरी के कई बड़े स्टॉक मिले जिससे कई टन अवैध बजरी स्टॉक खुर्द बुर्द किया गया। पुलिस व खनन विभाग की टीम ने बजरी के स्टॉक को जब्त कर जेसीबी व डंपर की सहायता उठा कर खनन विभाग ने खुर्द बुर्द किया है। प्रागपुरा थाना प्रभारी कश्मीर सिंह ने बताया कि राजस्व व खनन विभाग एवं प्रागपुरा थाना पुलिस की अवैध खनन पर संयुक्त कार्रवाई करते हुए बजरी के अवैध स्टॉक को जेसीबी मशीन से खुर्द-बुर्द किया गया।

बेकाबू ट्रेलर पुलिया से नीचे गिरा

कोटपूतली। कस्बे के दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित ग्राम पूतली पुलिया से मंगलवार शाम एक ट्रेलर बेकाबू होकर निचे सर्विस रोड पर गिर गया। लेकिन गनिमत यह रही की बड़ा हादसा होते-होते टल गया।

जानकारी के अनुसार दिल्ली की ओर से जयपुर की दिशा में जा रहा एक ट्रेलर अचानक अनियंत्रित होकर डिवाईडर पार करता हुआ पुलिया से नीचे गिर गया। ट्रेलर के नीचे गिरने की तेज आवाज से आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

हादसे में ट्रेलर का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि चालक व परिचालक दोनों घायल हो गये। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुये हादसे में घायल गुलजी पुत्र रामसिंह व विक्रम पुत्र कैलाश दोनों निवासी देवली, विराटनगर को ट्रेलर से बाहर निकाल कर 108 एम्बुलेंस की सहायता से यहां के राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी हैं। घटना की सूचना मिलते ही डीएसपी राजेन्द्र कुमार बुरड़क व एसएचओ राजेश कुमार शर्मा मय जाप्ता मौके पर पहुंचे।

सार-समाचार

अहिल्या उद्धार प्रसंग का मार्मिक वर्णन

पावटा। श्री ज्ञानदास आश्रम बड़नगर में बाबा ज्ञानदास महाराज के सान्निध्य व मंगल चंद पवन कुमार गर्ग द्वारा आयोजित श्रीराम कथा के चौथे दिन मध्य प्रदेश से पधारे कथा वाचक अतुल रामायणी महाराज के श्रीमुख से भगवान श्रीराम की बाल लीलाओं, विश्वामित्र यज्ञ रक्षा तथा अहिल्या उद्धार जैसे भावविभोर कर देने वाले प्रसंगों का रसवर्षा हुआ। कथा में श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने आयोजन को दिव्यता प्रदान की। कथा वाचक अतुल रामायणी महाराज ने बताया कि कैसे महर्षि विश्वामित्र अपने यज्ञ में राक्षसों द्वारा बार-बार विघ्न डाले जाने से व्यथित हो जाते हैं। समाधि में लीन होकर उन्हें यह दिव्य ज्ञान प्राप्त होता है कि अयोध्यापति दशरथ के पुत्र राम ही विष्णु के अवतार हैं और वही इन राक्षसों का विनाश कर सकते हैं। वे दशरथ से राम और लक्ष्मण को यज्ञ रक्षा हेतु मांगते हैं।कथा के अनुसार, यज्ञ स्थल की ओर जाते हुए मार्ग में भगवान राम ताड़का नामक भयंकर राक्षसी का वध करते हैं और मारीच जैसे अन्य राक्षसों को भी पराजित कर यज्ञ को निर्विघ्न सम्पन्न करवाते हैं। कथा में जब अहिल्या उद्धार प्रसंग आया तो श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। महर्षि गौतम के श्राप से शिला बनी अहिल्या का श्रीराम अपने चरणों की रज से उद्धार करते हैं और उन्हें नया जीवन प्रदान करते हैं। इसके बाद जनकपुरी आगमन का वर्णन करते हुए धनुष यज्ञ, लक्ष्मण-परशुराम संवाद तथा राम-जानकी विवाह जैसे मनोहर प्रसंगों का वर्णन किया गया। शिव धनुष टूटने पर परशुराम जी के आगमन और फिर सियाराम विवाह की कथा का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा वाचक अतुल रामायणी महाराज ने वर्णन किया कि किस तरह अयोध्या से गाजे बाजे के साथ मिथिला आई थी मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की बारात। हर तरफ भक्ति के रंग बिखर गए। मांडवी संग भरत,उर्मिला संग लक्ष्मण और श्रुतिकीर्ति संग शत्रुघ्न का विवाह सम्पन्न हुआ। सीता जी की विदाई हुई हर श्रद्धालु की आंखों से अश्रुधारा बहने लगी। मानों वो अपनी बेटी की विदाई की कथा सुन रहे हों। जानकी जी की विदाई पर मिथिला वासियों के साथ पशु-पक्षी भी विलाप करने लगे। कथा के समापन पर भक्तों के बीच प्रसादी का वितरण किया गया। सभी भक्तों में जबरदस्त उत्साह नजर आया। श्रीराम के भजनों पर भक्त झूमते गाते नजर आए। सभी ने पूरे भक्ति भाव से श्री राम कथा का श्रवण किया। बुराई से दूर रहने का संकल्प लिया। प्रण लिया कि वो मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों पर चलेंगे। श्रीराम कथा के दौरान कथा वाचक संत अतुल रामायणी महाराज ने भक्तों को क्रोध पर नियंत्रण रखने की सीख दी। प्रमुख रूप से उपस्थित लोगों में पवन गर्ग, प्रदीप गर्ग, केशव गर्ग, विमल गर्ग, सतीश खंडेलवाल, दिनेश शर्मा, अमित शर्मा, रामकरण यादव, मनोज मित्तल, सुंदर सिंह सहित पंडाल में पुरुषों के साथ ही सैकड़ों महिला भक्त समेत क्षेत्र के तमाम श्रद्धालु मौजूद रहे।

दूसरे दिन भी सूर्यदेव के नहीं हुए दर्शन

निवाई। शहर सहित उपखंड क्षेत्र में मंगलवार को दूसरे दिन भी रिमझिम बारिश का दौरा जारी रहा जिससे कार्तिक माह में सावन माह का अहसास हुआ। दूसरे दिन भी सुबह से शाम तक सूर्यदेव के दर्शन नहीं हुए। जिससे किसान सहित आमजन प्रभावित रहा। मंगलवार को दिनभर आसमान में काले बादल छाए रहे एवं हल्की व तेज बूंदाबांदी का दौर चलता रहा। आसमान में काले बादल छाने से दिनभर अंधेरा छाया रहा। जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहन चालक दोपहर में भी हेडलाईट जलाकर सफर करते हुए दिखाई दिए। वर्तमान में खेतों में सरसों की बिजाई का काम चल रहा है। बरसात होने से बीज नहीं उग पाएंगे। जिससे किसानों को महंगे बीजों का नुकसान होगा। किसानों को दुबारा बीज डालकर जुताई करनी पडेगी। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ेगा। बरसात होने से तापमान में गिरवट होने से सर्दी बढ़ गई है। ठण्ड होने से लोग गर्म कपडे पहनना शुरूकर दिए। तेज ठण्ड होने से बाजारों में सन्नाटा छाया रहा व लोग दोपहर तक भी बिस्तरों में दुबके रहे। इस दौरान गांवों से लोगों का आवागमन बंद रहा जिससे बाजारों में दुकानदार ठाले बैठे नजर आए और सर्दी को मिटाने के लिए चाय की चुस्कियां लेते हुए दिखे।

खेल उत्सव आज से

अलवर। अलवर सांसद एवं केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव द्वारा वी-शक्ति संस्था के बैनर तले अलवर जिले में खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित अलवर सांसद खेल उत्सव 2.0 की शुरुआत 29, 30 और 31 अक्टूबर को विधानसभा स्तर पर की जाएगी। भाजपा मीडिया प्रभारी लक्ष्मी नारायण गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि 29 अक्टूबर को भिवाड़ी के बीड़ा स्टेडियम में दोपहर 1-00 बजे, बहरोड़ के आर.पी.एस. स्कूल खेल मैदान में दोपहर 3-00 बजे, 30 अक्टूबर को सुबह 8-30 बजे अलवर के आर.आर. कॉलेज खेल मैदान में, सुबह 9-30 बजे आर.बी.एस. मैदान रामगढ़ में, सुबह 10-30 बजे लॉर्ड्स यूनिवर्सिटी चिकानी में तथा दोपहर 12-40 बजे कनेडा स्टेडियम, खानपुर अहिर, मुंडावर में कार्यक्रम आयोजित होंगे। 31 अक्टूबर को खैरथल के जवाहर नवोदय विद्यालय खेल मैदान में शुभारंभ किया जाएगा। इनका सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबला 14 और 15 नवंबर को खेला जाएगा। 7, 8 तथा 9 नवंबर को इंदिरा गांधी स्टेडियम में बैडमिंटन, बॉक्सिंग और योग प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष आयोजित अलवर सांसद खेल उत्सव के सफल आयोजन के कारण इस वर्ष जिले के बच्चों ने विशेष उत्साह के साथ पंजीकरण कराया है। गत वर्ष की अपेक्षा इस बार रजिस्ट्रेशन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अलवर सांसद खेल उत्सव 2.0 में 50 हजार से अधिक बच्चे जिले के 10 मैदानों में अपना जोश और प्रतिभा प्रदर्शित करेंगे। सभी प्रतिभागी बच्चों के लिए मैदानों तक आने-जाने हेतु वाहनों की व्यवस्था के साथ-साथ भोजन एवं चिकित्सा सुविधाएँ भी सुनिश्चित की गई हैं। जिला शिक्षा विभाग और खेल कार्यकारिणी के सहयोग से, योग्य निर्णायकों की देखरेख में सभी खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएँगी। गौरतलब है कि इस आयोजन से पूरे जिले में खेल उत्सव जैसा जोशपूर्ण और प्रेरणादायक माहौल देखने को मिलेगा।

सस्ती देसी शराब बेचते एक पकड़ा

अलवर । 70 रुपये की को डेढ़ सौ से 180 रुपये की कीमत में बेचकर जल्दी लखपति बनने की फिराक में एक युवक को भारी मात्रा में शराब के जखीरे के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। अलवर में देसी शराब को अंठोजी ब्रांड की बोतल में डालकर नए ढक्कन लगा बेचने का मामला सामने आया है। आरोपी अंठोजी शराब के अलग-अलग ब्रांड की बोतलों में देसी शराब मिलाने का काम कई महीने से कर रहा था। आबकारी पुलिस ने मामले में अलवर स्थित नयाबास के पास एक मकान पर कार्रवाई की। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। वहीं 6 पेटियां देसी शराब सहित आरएमएल के 36 पव्वे, आर एस के पव्वे, 135 ढक्कन व एमसीडी के पव्वे बरामद किए हैं। आबकारी पुलिस ने शराब के कई ब्रांड्स (बीपी, आरएस, एमसीडी) की अंठोजी शराब के हाफ और पव्वों में देसी शराब मिलाने वाले अड्डे पर कार्रवाई की। अंठोजी शराब में देसी शराब मिलाने वाले आरोपी दीपक गुप्ता को रंगे हाथ पकड़ लिया। मौके से पव्वे, हाफ और पैकिंग के ढक्कन सहित देसी शराब की पेटियों को पुलिस ने जब्त कर लिया। आबकारी पुलिस के डीएसपी दिगंबर सिंह डागुर ने बताया- अलवर की टीम ने शहर में नयाबास के पास एक मकान पर दबिश दी। जहां 6 पेटियां देसी शराब, आरएमएल के 36 पव्वे, आरएस के पव्वे, 135 ढक्कन व एमसीडी के पव्वे बरामद किए हैं। पुलिस ने दीपक गुप्ता को अरेस्ट किया है। आरोपी दीपक ने बताया कि वह देसी शराब को अंठोजी शराब के अलग-अलग ब्रांड की बोतलों में डालकर नए ढक्कन लगा बाजार में सप्लाई करता था। आरोपी दीपक कई महीनों से इस अवैध धंधे में लगा हुआ था। आबकारी पुलिस का कहना है कि यह जहरीली शराब नहीं है। लेकिन सस्ती शराब को महंगी बनाकर बेच रहा था। जो अवैध है। मामले में तुरंत आरोपी को अरेस्ट कर लिया आगे जांच जारी है।

फरार अभियुक्त गिरफ्तार

कोटपूतली। जिले के निकटवर्ती सरूण्ड थाना पुलिस ने लगातार प्रभावी कार्यवाही करते हुये आबकारी अधिनियम में फरार चल रहे अभियुक्त को गिरफ्तार किया हैं। एसपी देवेन्द्र कुमार बिश्नोई ने जानकारी देते हुये बताया कि वांछित एवं टॉप 10 की सूची में शामिल अपराधियां की धरपकड़ की कार्यवाही के तहत एएसपी वैभव शर्मा व डीएसपी राजेन्द्र कुमार बुरड़क के निर्देशन में थानाधिकारी बाबूलाल मीणा के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम ने कार्यवाही करते हुये आबकारी अधिनियम में फरार अभियुक्त ग्यारसी लाल (25) पुत्र गोकुल सिंह निवासी खेड़ा थाना सरुण्ड को गिरफ्तार किया हैं। उक्त अभियुक्त सरूण्ड थाने के टॉप 10 अपराधियों की सूची में भी शामिल हैं।

रोहित ने आलोचकों को जवाब देने के लिए अपनी बैटिंग को ही हथियार बनाया है। कई लोगों का मानना था कि 2027 विश्व कप में यशस्वी जायसवाल उनकी जगह ले सकते हैं, मगर रोहित ने हालिया दो पारियों पहले 73 और फिर 121 रन से दिखा दिया। – दिनेश लाड

रोहित शर्मा कोच, रोहित शर्मा के प्रदर्शन को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ रोहिणी कलाम

मध्य प्रदेश के देवास जिले से एक दर्दनाक खबर सामने आई है, जहां भारत की जिउ-जित्सु खिलाड़ी रोहिणी कलाम अपने घर में मृत पाई गई हैं। शुरुआती जांच में पुलिस ने आत्महत्या की आशंका जताई है। बता दें कि रोहिणी ने अबू धाबी में आयोजित 8वीं एशियन चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर भारत का नाम रोशन किया था। वह न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करती थीं, बल्कि एक स्कूल में मार्शल आर्ट्स कोच के रूप में भी कार्यरत थीं। रोहिणी कलाम का सपना था कि वह आगे चलकर आईपीएस अधिकारी बनें।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय क्रिकेट टीम ने कई रिकॉर्ड बनाए हैं, जिनमें एकदिवसीय विश्व कप दो बार जीतना (1983, 2011) और 20 विश्व कप दो बार जीतना (2007, 2024) शामिल है।

बुमराह की वापसी ऑस्ट्रेलिया में भारत की टी-20 सीरीज की कुंजी : सूर्यकुमार

कैनबरा, 28 अक्टूबर। भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने आज कहा कि तेज गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह की वापसी कल से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की सीरीज में टीम इंडिया के अभियान के लिए अहम होगी, खासकर मजबूत बल्लेबाजी इकाई के खिलाफ पावरप्ले के ओवरों को संभालने में।

सूर्यकुमार ने पहले टी20 मैच की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से कहा, "जैसा कि आपने एशिया कप में देखा, उन्होंने पावरप्ले में कम से कम दो ओवर गेंदबाजी करने की ज़िम्मेदारी ली। यह अच्छी बात है कि वह अपनी क्षमता दिखा रहे हैं। पावरप्ले में ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ यह एक अच्छी चुनौती होगी।"

बुमराह की ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों में तैयारी और अनुभव की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा, "जिस तरह से उन्होंने पिछले कई सालों से क्रिकेट खेला है, उसने खुद को शीर्ष पर रखा है, और वह जानते हैं कि एक अच्छी सीरीज के लिए कैसे तैयारी करनी है। जब हम ऑस्ट्रेलिया में खेलेंगे, तो उनका टीम में होना अच्छा होगा।"

भारत इस महीने की शुरुआत में वनडे सीरीज में मिली हार के बाद टी20 सीरीज में उतर रहा है, लेकिन कप्तान ने ज़ोर देकर कहा कि प्रारूप में बदलाव और भारत का हालिया रिकॉर्ड – पिछले 15 टी20 मैचों में 13 जीत – एक नया अवसर प्रदान करता है। "मेरे हिसाब से, यह एक अलग प्रारूप है," उन्होंने कहा। "कुछ भी बदलने की ज़रूरत नहीं है। जब आप ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका या न्यूजीलैंड जाते हैं, तो हमेशा चुनौतीपूर्ण परिस्थितियाँ होती हैं, लेकिन साथ ही, आप उनसे कैसे तालमेल बिठाते हैं और कैसे शॉट खेलते हैं, कैसे रन बनाते हैं, इस बारे में आप कैसे सोचते हैं, यह भी महत्वपूर्ण है। हम पांच टी20 मैच खेल रहे हैं, इसलिए मुझे लगता है कि यह ज़्यादा मज़ेदार होगा।"

चयन प्रक्रिया के बारे में, सूर्यकुमार ने स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा को स्वीकार किया, लेकिन कहा कि टीम इतनी परिपक्व है कि व्यक्तिगत प्रदर्शन पर टीम की मांगों को प्राथमिकता दे सके। "इतने सारे विकल्प होना एक अच्छा सिरदर्द है," उन्होंने कहा। "भले ही किसी ने पिछले दो मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया हो, लेकिन वह अगले मैच के लिए टीम संयोजन में फिट नहीं बैठ रहा है – खिलाड़ी समझता है। हम उस स्थिति में पहुंच गए हैं।" एशिया कप में रिंकू सिंह को मिले सीमित मौकों का ज़िक्र करते हुए सूर्यकुमार ने कहा कि टीम के हर सदस्य को किसी भी समय मौके के लिए तैयार रहने की सलाह दी गई है।

कप्तान ने अपनी फॉर्म को लेकर भी चिंता जताई – एशिया कप में सिर्फ़ 72 रन बनाने के बाद – और कहा कि उनका ध्यान अहम मौकों पर योगदान देने पर है।उन्होंने कहा,"रन तो आखिरकार बनेंगे ही। टीम के लक्ष्य के लिए कड़ी मेहनत करना ज़्यादा जरूरी है। मैं एक बार में एक मैच पर ध्यान देता हूँ और अगर शुरुआत होती है तो मुझे लगता है कि यह अच्छी बात होगी।" भारत और ऑस्ट्रेलिया कल मनुका ओवल में पहले टी20 मैच में भिड़ेंगे।

पिच दोनों पक्षों को परेशान करेगी – एक ऐसी सतह जो शुरुआत में उछाल, बीच में धैर्य और इंतज़ार करने वालों के लिए इनाम देती है। मौसम अपनी शरारतें कर सकता है, बारिश रणनीति को सहज ज्ञान में बदलने की धमकी दे रही है। टॉस, हमेशा की तरह, अनदेखा बारहवां खिलाड़ी बन सकता है।

रणजी ट्रॉफी के तीसरे राउंड में मुंबई के लिए खेलेंगे यशस्वी जायसवाल

मुंबई, 28 अक्टूबर। भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल 1 नवंबर से शुरू हो रहे अगले दौर के रणजी ट्रॉफी 2025-26 मैच में खेलने के लिए तैयार हैं। मुंबई की टीम इस दौर में जयपुर में राजस्थान के ख़िलाफ़ एलीट ग्रुप डी मुकाबला खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया दौरे से लौटने के बाद जायसवाल ने साउथ अफ्रीका के ख़िलाफ़ 14 नवंबर से कोलकाता में शुरू होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज से पहले खुद को मैच फिट रखने की इच्छा जताई है। यह बीसीसीआई के उस निर्देश के अनुरूप है जिसमें सभी अनुबंधित खिलाड़ियों को उपलब्ध होने पर घरेलू प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने को कहा गया है।

सूत्रों के अनुसार, जायसवाल ने अपनी उपलब्धता मुंबई चयन समिति के अध्यक्ष संजय पाटिल को बता दी है। पाटिल और उनकी चयन समिति मंगलवार को समाप्त हो रहे वर्तमान दौर के बाद राजस्थान के ख़िलाफ़ मैच के लिए टीम का चयन करेंगे। अगर जायसवाल खेलते हैं तो यह मई में टीम के प्रति पुनः प्रतिबद्धता जताने के बाद मुंबई के लिए उनकी वापसी होगी। उन्होंने पहले गोवा के लिए एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) मांगा था। उन्होंने आख़िरी बार मुंबई के लिए जम्मू-कश्मीर के ख़िलाफ़ बीकेसी ग्राउंड पर खेले गए ग्रुप मैच में हिस्सा लिया था।

अगर आप देश के लिए खेलना चाहते हो तो इसमें गलत क्या है : शमी

कोलकाता, 28 अक्टूबर। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने रणजी ट्रॉफी में गुजरात के ख़िलाफ़ धाकड़ प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर से भारतीय टीम का दरवाज़ा खटखटाया है। शमी ने गुजरात के ख़िलाफ़ बंगाल की शानदार जीत में अहम भूमिका निभाते हुए पहली पारी में तीन और दूसरी पारी में पांच विकेट लिए हैं। अब शमी के इस सीजन में दो रणजी मैचों में 15 विकेट हो गए हैं।बंगाल ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी का यह मुकाबला 141 रन से जीता। मैच के बाद जब शमी से एक बार फिर भारतीय टीम में उनके चयन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ऐसा नहीं है कि यह मेरा कमबैक मैच था। मैं अच्छी लय में हूं और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने का प्रयास कर रहा हूं। फिर जैसे ही शमी से भारतीय टीम के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने हंसते हुए कहा, "यह सवाल तो आना ही था।" शमी ने कहा,अगर आप अपने देश की सेवा करना चाह रहे हों तो इसमें क्या ग़लती है। जब इंजरी के बाद वापसी की सोचते हैं तो ख़ुद को प्रूव करने की कोशिश करते हैं। उसके लिए आपको अच्छा प्रदर्शन करना पड़ता है और अच्छी लय में होना पड़ता है। उन्होंने कहा, "वैसे ही (चयन के बारे में दिए गए बयान को लेकर) मैं हमेशा कंट्रोवर्सी में रहता हूं। मुझे विलेन बना दिया गया है। (हंसते हुए) आज के जमाने में सोशल मीडिया ऐसी है कि बात का मतलब कहां से कहां पहुंच जाता है। लेकिन अच्छा प्रदर्शन करना ही मेरा काम है। जहां मौक़ा मिलेगा, अच्छा करने की कोशिश करूंगा। बाक़ी ऊपर वाले की मर्ज़ी है। बंगाल मेरा घर है। जितने मैच खेल सकूंगा, वो मेरे लिए एक अच्छी याद की तरह होंगे। यह मेरा किसी भी तरह से कोई कमबैक मैच नहीं था। अगर आप यह पिछले साल बोलते तो मुझे समझ में आता।" "लेकिन अगर आप अपने देश की सेवा करना चाह रहे हों तो इसमें क्या ग़लती है। जब इंजरी के बाद वापसी की सोचते हैं तो ख़ुद को प्रूव करने की कोशिश करते हैं। उसके लिए आपको अच्छा प्रदर्शन करना पड़ता है और अच्छी लय में होना पड़ता है। जब आप एक मुश्किल समय से बाहर आते हैं और इस तरह का प्रदर्शन करते हैं तो काफ़ी अच्छा लगता है। विश्व कप के बाद एक मुश्किल समय गुजरा है। वह समय काफ़ी दर्दनाक भी रहा है। उसके बाद रणजी ट्रॉफ़ी खेला, सफेद गेंद की क्रिकेट खेला, आईपीएल खेला, दलीप ट्रॉफ़ी खेला। उसके बाद मेरी लय अब उसी तरह की है जैसे पहले थी।

साफ तौर पर ऐसा महसूस हो रहा है कि मेरे अंदर काफ़ी क्रिकेट बाक़ी है।" बंगाल के रणजी ट्रॉफ़ी के पहले मैच से शमी के एक बयान की ख़ूब चर्चा हुई थी। उस दौरान शमी ने कहा था, "अगर फिटनेस की कोई समस्या होती, तो मैं यहां बंगाल के लिए खेल ही नहीं रहा होता। अगर मैं चार दिन का मैच खेल सकता हूं, तो मैं 50 ओवर का क्रिकेट भी खेल सकता हूं। जहां तक अपडेट देने की बात है, वह मेरी ज़िम्मेदारी नहीं है।" इसके बाद भारत के मुख्य चयनकर्ता अजीत आगरकर ने भी शमी की इस प्रतिक्रिया पर जवाब दिया था और कहा था, "अगर वह मुझसे यह बात कहते हैं, तो मैं जरूर जवाब दूंगा। मुझे ठीक से नहीं पता कि उन्होंने सोशल मीडिया पर क्या कहा है। अगर मैं उसे पढ़ लूं, तो शायद मैं उन्हें फ़ोन कर लूं। मेरा फ़ोन ज़्यादातर खिलाड़ियों के लिए हमेशा ऑन रहता है, और मैंने पिछले कुछ महीनों में उनसे कई बार बात की है। लेकिन अगर वह पूरी तरह फिट होते, तो वह इस दौरे (ऑस्ट्रेलिया) पर होते।" दूसरी तरफ़ बंगाल के लिए यह जीत काफ़ी विशेष थी। मैच में एक समय ऐसा आया जब बंगाल की टीम काफ़ी दबाव में थी। बंगाल ने गुजरात को 327 रनों का लक्ष्य दिया था और गुजरात ने दो विकेट के नुक़सान पर 153 रन बना लिए थे, जिसमें उर्विल पटेल का बेहतरीन शतक शामिल था। लेकिन पैर और हाथ में क्रैंप के कारण उर्विल को रिटायर्ड होना पड़ा और मैच वहीं बदल गया। वहां से शमी ने चार और शाहबाज़ अहमद ने तीन विकेट झटकते हुए गुजरात की पारी को 185 पर समेट दिया। शमी ने बंगाल की इस वापसी के बारे में कहा, "विकेट में ज़्यादा कुछ नहीं था लेकिन बंगाल के लिए हमेशा दिल से प्रदर्शन करने का मन करता है। सब कुछ बंगाल का दिया हुआ है। लेकिन जो मैच की सिचुएशन थी, उस हिसाब से यह अच्छी वापसी थी। परिस्थितियां आसान नहीं थीं। गर्मी भी थोड़ी ज़्यादा थी। लेकिन उसके बाद हमने जिस तरह की वापसी की वह अद्भुत थी।"

चक्रवाती बारिश ने दूसरे दिन का खेल भी रद्द कर दिया

चेन्नई, 28 अक्टूबर। भीषण चक्रवाती तूफान मोन्था के प्रभाव में चेन्नई शहर में सुबह से हो रही लगातार बारिश ने आज चेन्नई ओपन डब्ल्यूटीए टेनिस चैंपियनशिप के दूसरे दिन का खेल रद्द कर दिया। कल, पहले दिन के मैच भी बारिश के कारण रद्द हो गए थे और आयोजकों ने कहा था कि मुख्य ड्रॉ के मैच आज शुरू होंगे। लेकिन बारिश ने फिर से खेल बिगाड़ दिया और सभी मैच कल के लिए स्थगित कर दिए गए। आयोजकों ने कहा कि एकल वर्ग के पहले दौर के सभी 16 मुख्य ड्रॉ मैच कल सुबह 11 बजे से शुरू होंगे, जिनमें चार-चार कोर्ट में चार-चार मैच होंगे, इसके बाद युगल मुख्य ड्रॉ के मैच होंगे।

भारत की अंडर-20 महिला टीम को कजाकिस्तान अंडर-19 ने ड्रॉ पर रोका

अस्ताना, 28 अक्टूबर। भारत की अंडर-20 महिला टीम ने आज कज़ाकिस्तान के शिमकेंट स्थित बीआईआईके स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए दूसरे और अंतिम मैत्री मैच में कज़ाकिस्तान अंडर-19 के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला। दोनों गोल दूसरे हाफ में हुए। एडेलिया बेक्कोझिना ने 47वें मिनट में मेजबान टीम को बढ़त दिलाई, जिसके बाद पूजा ने 55वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। उन्होंने स्थानापन्न भूमिका देवी खुमुकचम के क्रॉस पर हेडर से गोल किया। एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप 2026 की तैयारियों के तहत, यंग टाइग्रेसेस ने शिमकेंट में कज़ाकिस्तान अंडर-19 के खिलाफ दो मैत्री मैच खेले। भारत ने शनिवार को पहला मैत्री मैच 3-2 से जीता था।

फिलीपींस को मिली एशियन खो-खो फैडरेशन की मान्यता

सिंगापुर, 28 अक्टूबर। एशियन खो-खो फेडरेशन (एकेकेएफ) ने आधिकारिक रूप से खो-खो एसोसिएशन ऑफ फिलीपींस को अपनी नवीनतम सदस्य इकाई के रूप में मान्यता दी है। यह घोषणा पारंपरिक भारतीय खेल खो-खो के वैश्विक विस्तार में एक और मील का पत्थर साबित हुई है। यह मान्यता इस तेज-तर्रार टैग गेम की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय लोकप्रियता को दर्शाती है, जो अब महाद्वीपों के पार खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों को आकर्षित कर रहा है। भारत में सदियों से खेले जा रहे खो-खो ने पिछले कुछ वर्षों में आधुनिक स्वरूप ग्रहण किया है-संगठित लीगों और इस वर्ष आयोजित हुए पहले विश्व कप के माध्यम से। फिलीपींस को एकेकेएफ की सदस्यता मिलने से यह साबित होता है कि एशिया सहित विश्वभर में इस खेल की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। अब अधिकाधिक देश अपने-अपने राष्ट्रीय खेल कार्यक्रमों में खो-खो को शामिल कर रहे हैं और इसकी संस्थागत संरचना विकसित कर रहे हैं। एशियन खो-खो फेडरेशन के अध्यक्ष असलम शेर खान ने कहा, फिलीपींस के एशियन खो-खो फेडरेशन में शामिल होने के साथ ही हम एक और देश को खो-खो की भावना, फुर्ती और टीम भावना को अपनाते हुए देख रहे हैं। यह विस्तार हमारे साझा मिशन को दर्शाता है – खो-खो को एक सच्चा वैश्विक खेल बनाना और एशिया भर में इसे फैलाना।

तुर्की की फुटबॉल लीग के सैकड़ों रेफरी सट्टेबाजी की जांच के घेरे में

अंकारा, 27 अक्टूबर। तुर्की फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष इब्राहिम हासियोसमानोग्लू ने सोमवार को कहा कि तुर्की की पेशेवर फ़ुटबॉल लीग में काम करने वाले सैकड़ों रेफरी सट्टेबाजी की गतिविधियों में लिप्त पाए गए हैं। इस्तांबुल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, हासियोसमानोग्लू ने कहा कि उन्हें दंड के लिए अनुशासन समिति के पास भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकारी एजेंसियों के आंकड़ों से समर्थित एक आंतरिक जांच से पता चला है कि 571 सक्रिय रेफरियों में से 371 के पास सट्टेबाजी के खाते थे। उन्होंने आगे कहा, "राज्य संस्थानों से प्राप्त आंकड़ों और हमारी पेशेवर टीम के काम के अनुसार, यह पाया गया कि पेशेवर लीगों में 571 सक्रिय रेफरी में से 371 के पास सट्टेबाजी खाते हैं। इनमें से 152 सक्रिय रूप से सट्टेबाजी करते पाए गए।"

इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका में होगा जबरदस्त मुकाबला

गुवाहाटी, 28 अक्टूबर। आईसीसी महिला विश्व कप 2025 का कारवां शिखर सम्मेलन से पहले अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया है: सेमीफाइनल। चार टीमें बची हैं, लेकिन केवल दो ही टीमें ग्रैंड फ़ाइनल में प्रवेश कर पाएंगी। और इन निर्णायक मुकाबलों में से पहले, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका कल यहाँ बरसापारा स्टेडियम में पहले सेमीफाइनल में उतरेंगे, न केवल एक मैच खेलने के लिए, बल्कि अपनी विरासत, गौरव और महीनों की मेहनत की रक्षा करने के लिए।

रोल्स-रॉयस इंजन की तरह परिष्कृत और सटीक इंग्लैंड ने लीग चरण में पांच जीत और केवल एक चूक के साथ इस मुकाबले में धावा बोल दिया है। उनका 1.233 का नेट रन रेट एक ऐसी टीम को दर्शाता है जो न केवल जीतती है, बल्कि हावी भी रहती है। दक्षिण अफ्रीका, हमेशा की तरह दृढ़, तीन जीत और दो हार के साथ तीसरे स्थान पर है, और उसका नेट रन रेट -0.379 के नकारात्मक स्तर पर पहुंच गया है। लेकिन आंकड़े शायद ही कभी प्रोटियाज टीम की पूरी कहानी बयां करते हैं, जो तब भी अपनी पकड़ मज़बूत करने के लिए जानी जाती है जब ज़्यादातर लोग उम्मीद करते हैं कि वे हार जायेंगे। पिछली बार जब ये दोनों लीग चरण में आमने-सामने हुए थे, तो इंग्लैंड ने पूरी रणनीति बनाई थी – दक्षिण अफ्रीका को ज़ख्मों को सहलाने और अपनी योजनाओं पर नए सिरे से काम करने के लिए छोड़ दिया था। कल उनके पास बदला लेने का मौका है।

इंग्लैंड की कमान शांत लेकिन निर्मम हीथर नाइट के हाथों में है, जिन्होंने सात मैचों में लगभग साठ के औसत से 288 रन बनाए हैं। उनके अलावा, एमी जोन्स उम्मीदों से बढ़कर प्रदर्शन कर रही हैं – 220 रन, आलोचनाओं के बीच भी संयम, और ऐसा स्ट्राइक रेट जो गेंदबाजों को रातों की नींद उड़ाए रखता है।

फिर इंग्लिश स्पिन का तगड़ा धमाका है। सोफी एक्लेस्टोन और लिंसे स्मिथ – दोनों ने 12-12 विकेट – ने बीच के ओवरों को बारूदी सुरंग में बदल दिया है, बल्लेबाजी क्रम को सर्जन की तरह सटीकता से तहस-नहस कर दिया है।

लेकिन दक्षिण अफ्रीका की अपनी एक योद्धा रानी है।लौरा वोल्वार्ट – इस्पात से सजी शान – टूर्नामेंट की तीसरी सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं: 301 रन, 50.16 की औसत, और पूरे अभियान की धड़कन। जब वह बल्लेबाज़ी करती हैं, तो पूरा देश तभी साँस छोड़ता है जब गेंद लुढ़कना बंद हो जाती है। नादिन डी क्लार्क मध्य क्रम में एक आश्चर्यजनक अंगारा रही हैं, जिन्होंने 130 से ज़्यादा की रफ़्तार से बल्लेबाजी की है और निडर स्ट्रोक्स से मैच को जीत की ओर ले गईं।

नॉनकुलुलेको म्लाबा की बाएँ हाथ की स्पिन – 11 विकेट और गिनती जारी है – को जोड़ दें, तो अचानक मुकाबला अंक तालिका से कहीं ज़्यादा कड़ा लगने लगता है। तो, यह सेमीफ़ाइनल, पसंदीदा बनाम कमज़ोर टीम का पारंपरिक मुकाबला नहीं है। यह दो टीमों की कहानी है जो अपनी घबराहट और महत्वाकांक्षा के बीच संतुलन बनाए हुए हैं, जो अतीत के दिल टूटने से ग्रस्त हैं और एक ही सपने से प्रेरित हैं – रविवार की रात कंफ़ेद्दी के नीचे खड़े होने का।

अगर इंग्लैंड सत्ता का प्रतिनिधित्व करता है, तो दक्षिण अफ्रीका साहसी क्रांति का प्रतीक है। अगर एक गौरव की वापसी चाहता है, तो दूसरा वादा किए गए देश के साथ अपने पहले मुक़ाबले की तलाश में है। कल बारसापारा में, केवल एक सच्चाई मायने रखेगी: क्रिकेट साहस का पुरस्कार देता है। और साहस, दोनों पक्षों में प्रचुर मात्रा में है।

// टीमें //

इंग्लैंड महिला टीम: एमी जोन्स (विकेटकीपर), टैमी ब्यूमोंट, हीथर नाइट, डेनिएल व्याट-हॉज, नेट शिवर-ब्रंट (कप्तान), सोफिया डंकले, एलिस कैप्सी, चार्लोट डीन, सोफी एक्लेस्टोन, लिन्से स्मिथ, लॉरेन बेल, एम्मा लैम्ब, सारा ग्लेन, एम अरलॉट, लॉरेन फाइलर।

दक्षिण अफ्रीका महिला टीम: लौरा वोल्वार्ट (कप्तान), ताज़मिन ब्रिट्स, सुने लुस, एनेरी डर्कसन, मारिज़ैन कप्प, सिनालो जाफ्ता (विकेटकीपर), क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लार्क, मसाबाता क्लास, अयाबोंगा खाका, नॉनकुलुलेको म्लाबा, एनेके बॉश, तुमी सेखुखुने, नोंडुमिसो शंगासे, काराबो मेसो।

मंधाना महिला वनडे रैंकिंग में नंबर 1 स्थान पर बरकरार

दुबई, 28 अक्टूबर। भारत की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने आईसीसी महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर अपना दबदबा और मजबूत कर लिया है। मौजूदा आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद उन्होंने 828 अंकों के साथ करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अनुसार, मंधाना ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 109 और बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद 34 रनों की पारी की बदौलत महिला वनडे क्रिकेट में नंबर 1 बल्लेबाज के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद शतक की बदौलत छह पायदान चढ़कर दूसरे (731) स्थान पर पहुंच गईं, जबकि दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ट 90 और 31 रनों की पारी की बदौलत दो पायदान की छलांग के साथ शीर्ष तीन में पहुंच गईं। यह भारतीय सलामी बल्लेबाज के लिए एक शानदार प्रदर्शन है, जिन्हें विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में उनके प्रदर्शन के लिए सितंबर 2025 के लिए आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया था।

इस बीच, इंग्लैंड की एमी जोन्स चार पायदान चढ़कर नौवें (656) स्थान पर पहुंचकर शीर्ष 10 में शामिल हो गईं, जबकि एनाबेल सदरलैंड ने शीर्ष 40 में सबसे बड़ी छलांग लगाते हुए 16 पायदान चढ़कर 16वें (613) स्थान पर पहुंच गईं। चोट के कारण टूर्नामेंट के बाकी मैचों में नहीं खेल पाएंगी प्रतीका रावल, 564 की रेटिंग के साथ शीर्ष 30 (27वें स्थान) पर पहुंच गई हैं।

श्रेयस अय्यर की हालत स्थिर, आईसीयू से बाहर

सिडनी, 28 अक्टूबर। भारतीय क्रिकेटर श्रेयस अय्यर की हालत में सुधार के संकेत मिले हैं। डॉक्टरों ने आज पुष्टि की है कि अब उनकी हालत स्थिर है और उन्हें सिडनी के एक अस्पताल के गहन चिकित्सा कक्ष से बाहर कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान मैदान पर लगी गंभीर चोट के कारण आंतरिक रक्तस्त्राव के बाद 30 वर्षीय श्रेयस अय्यर को अस्पताल ले जाया गया था। अय्यर को यह चोट फील्डिंग के दौरान लगी थी जब उन्होंने एलेक्स कैरी का शानदार कैच लेने के लिए पीछे की ओर डाइव लगाई थी। इस चोट के कारण उनकी बाईं पसली के नीचे गंभीर चोट आई, जिससे आंतरिक रक्तस्त्राव हुआ और शरीर के महत्वपूर्ण अंगों के काफी करीब चोट लगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की मेडिकल टीम ने ड्रेसिंग रूम में लौटने पर अय्यर के महत्वपूर्ण मापदंडों में उतार-चढ़ाव के बाद तुरंत कार्रवाई की और उन्हें पास के एक अस्पताल ले जाया गया। बीसीसीआई ने कल एक बयान जारी कर अय्यर की चोट की प्रकृति और गंभीरता की पुष्टि की। बयान में कहा गया है, "श्रेयस अय्यर को 25 अक्टूबर 2025 को सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान क्षेत्ररक्षण करते समय बाईं पसली के निचले हिस्से में चोट लग गई थी।

दीया व मानुष ने रचा इतिहास, प्रतिष्ठित डब्ल्यूटीटी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय बने

नयी दिल्ली, 28 अक्टूबर। भारत की टेबल टेनिस स्टार दीया चितले और मानुष शाह ने इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है। वे प्रतिष्ठित डब्ल्यूटीटी फ़ाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय जोड़ी बन गई हैं – यह सीजन का अंतिम शोकेस है जिसमें इस खेल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी शामिल होते हैं।

अल्टीमेट टेबल टेनिस सीजन 6 की मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन और सबसे ज़्यादा मूल्यवान भारतीय पैडलर दीया और मौजूदा पुरुष राष्ट्रीय चैंपियन और भारत के सबसे लगातार अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक मानुष ने 10 से 14 दिसंबर तक होने वाले डब्ल्यूटीटी फ़ाइनल्स हांगकांग 2025 में अपनी जगह पक्की कर ली है।

डब्ल्यूटीटी फ़ाइनल्स वैश्विक डब्ल्यूटीटी सीरीज का भव्य समापन है, जिसमें केवल शीर्ष रैंक वाले खिलाड़ी – पुरुष और महिला एकल में शीर्ष 16, और मिश्रित युगल में शीर्ष आठ जोड़ियाँ – 1.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर की कुल पुरस्कार राशि के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। यह खेल के सबसे विशिष्ट और उच्च-दांव वाले आयोजनों में से एक है।

दीया और मानुष का क्वालीफिकेशन विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे न केवल मिश्रित युगल में पहली भारतीय जोड़ी बन गए हैं, बल्कि डब्ल्यूटीटी फ़ाइनल्स में किसी भी वर्ग में भाग लेने वाले पहले भारतीय भी हैं। पूरे साल उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन – जिसमें डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर ब्राज़ील 2025 में ऐतिहासिक मिश्रित युगल रजत पदक भी शामिल है – ने उन्हें यह ऐतिहासिक उपलब्धि दिलाई है।

इस जोड़ी का हांगकांग तक का सफर पूरे सीजन में कई शानदार प्रदर्शनों से भरा रहा। डब्ल्यूटीटी कंटेंडर ट्यूनिस (अप्रैल 2025) में उनका ख़िताब जीतना – जहां उन्होंने फ़ाइनल में जापान के मिवा हरिमोटो और सोरा मत्सुशिमा को हराया – उनकी सबसे बड़ी जीत है। इसके बाद उन्होंने यूएस स्मैश (जुलाई 2025) में शानदार प्रदर्शन किया, जहां उन्होंने जापान के सत्सुकी ओडो और कोरिया के ओह जुनसुंग को हराया, और डब्ल्यूटीटी कंटेंडर ब्यूनस आयर्स (जुलाई 2025) में, जहां उन्होंने जापान के सत्सुकी ओडो और हिरोतो शिनोज़ुका को हराया।

भारत पेट्रोलियम ने सीएजी दिल्ली को 2-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया

जालंधर, 28 अक्टूबर। भारत पेट्रोलियम, मुंबई ने सीएजी दिल्ली को 2-0 से और इंडियन नेवी ने इंडियन ऑयल मुंबई को 2-1 के अंतर से हराकर 42वें इंडियन ऑयल सर्वो सुरजीत हॉकी टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। लीग राउंड के आखिरी दो मैच टूर्नामेंट के छठे दिन मंगलवार को ओलंपियन सुरजीत हॉकी स्टेडियम में खेले गये। पहला लीग मैच पूल सी में भारत पेट्रोलियम मुंबई और सीएजी दिल्ली के बीच खेला गया। भारत पेट्रोलियम के लिए परमवीर सिंह ने 19वें मिनट में गोल करके स्कोर 1-0 कर दिया। भारत पेट्रोलियम के शाहरुख अली ने 27वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-0 कर मैच जीत लिया। भारत पेट्रोलियम ने यह मैच जीतकर तीन अंक हासिल कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

आरसीए विवाद : एडहॉक कमेटी सदस्यों की शिकायत पर जांच के आदेश

7 दिन में जांच कर रिपोर्ट खेल मंत्री को सौंपेगे

जयपुर, 28 अक्टूबर। राजस्थान खेल परिषद ने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) की एडहॉक कमेटी के कन्वीनर दीनदयाल कुमावत के खिलाफ जांच के आदेश दिए हैं। परिषद के सचिव सुनील भाटी को पूरे मामले की जांच का जिम्मा सौंपा गया है। खेल विभाग के शासन सचिव नीरज कुमार पवन ने बताया कि एडहॉक कमेटी के चार सदस्यों पिंकेश जैन, मोहित यादव, आशीष तिवारी और धनंजय सिंह खींवसर ने खेल मंत्री और सहकारिता विभाग के अधिकारियों से शिकायत की थी। उन्होंने कन्वीनर दीनदयाल कुमावत पर खिलाड़ियों के चयन, होटल बुकिंग, किट बैग की खरीद और खर्चों में अनियमितता जैसे आरोप लगाए। इसके बाद राज्य सरकार ने जांच का आदेश जारी किया। इन सदस्यों का कहना है कि कुमावत ने एडहॉक कमेटी में तानाशाही रवैया अपनाते हुए कई निर्णय एक तरफा लिए है। सचिव सुनील भाटी 7 दिन में रिपोर्ट तैयार कर खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह को सौंपेंगे। आरसीए में पिछले एक महीने से खींचतान लगातार बढ़ रही है। 5 सदस्यीय एडहॉक कमेटी के चार सदस्य कन्वीनर के खिलाफ मोर्चा खोल चुके हैं। आंतरिक विवाद के चलते राज्य की क्रिकेट गतिविधियों, खिलाड़ियों के चयन और टूर्नामेंट संचालन पर भी असर पड़ा है। पिछले दिनों जहां सीनियर सिलेक्शन कमेटी को भंग कर नई कमेटी का गठन किया गया। वहीं दीपावली स्नेह मिलन को लेकर भी विवाद जारी है। ऐसे में अब सरकार की ओर से गठित जांच समिति आरसीए में पिछले कुछ महीनों में हुए सभी वित्तीय और प्रशासनिक निर्णयों की समीक्षा करेगी। जांच रिपोर्ट आने के बाद इस मामले में आगे की कार्रवाई तय होगी।

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार के लिए ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाई

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने 29 सितंबर, 2025 को वर्ष 2025 के लिए राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों, अर्थात मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार, अर्जुन पुरस्कार, अर्जुन पुरस्कार (आजीवन), द्रोणाचार्य पुरस्कार और राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार (आरकेपीपी) के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे। अधिसूचनाएं मंत्रालय की वेबसाइट पर अपलोड की गईं थीं। अब, आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 28 अक्टूबर, 2025 से बढ़ाकर चार नवंबर, 2025 (मंगलवार) कर दी गई है। पात्र खिलाड़ियों/प्रशिक्षकों/संस्थाओं से पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। उन्हें समर्पित पोर्टल पर स्वयं ऑनलाइन आवेदन करना होगा। भारतीय ओलंपिक संघ/भारतीय खेल प्राधिकरण/मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल महासंघों/खेल संवर्धन परिषदों/राज्य और केंद्र शासित प्रदेश सरकारों आदि को भी इसके अनुसार सूचित किया जाता है। सभी सरकारी कर्मचारियों के लिए सतर्कता मंजूरी जमा करना अनिवार्य है। चार नवंबर, 2025 (मंगलवार) के बाद प्राप्त नामांकन पर विचार नहीं किया जाएगा।

एनटीपीसी नेशनल रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता का हुआ भव्य शुभारंभ

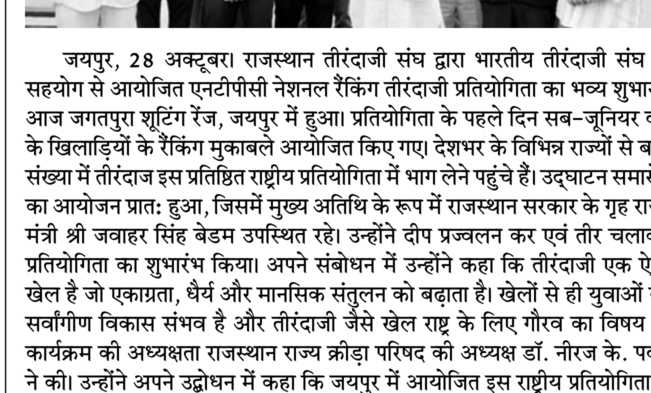

जयपुर, 28 अक्टूबर। राजस्थान तीरंदाजी संघ द्वारा भारतीय तीरंदाजी संघ के सहयोग से आयोजित एनटीपीसी नेशनल रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ आज जगतपुरा शूटिंग रेंज, जयपुर में हुआ। प्रतियोगिता के पहले दिन सब-जूनियर वर्ग के खिलाड़ियों के रैंकिंग मुकाबले आयोजित किए गए। देशभर के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में तीरंदाज इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने पहुंचे हैं। उद्घाटन समारोह का आयोजन प्रातः हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान सरकार के गृह राज्य मंत्री श्री जवाहर सिंह बेडम उपस्थित रहे। उन्होंने दीप प्रज्वलन कर एवं तीर चलाकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि तीरंदाजी एक ऐसा खेल है जो एकाग्रता, धैर्य और मानसिक संतुलन को बढ़ाता है। खेलों से ही युवाओं का सर्वांगीण विकास संभव है और तीरंदाजी जैसे खेल राष्ट्र के लिए गौरव का विषय हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की अध्यक्ष डॉ. नीरज के. पवन ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि जयपुर में आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राज्य क्रीड़ा परिषद की ओर से हर संभव सहयोग दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कोलकाता में प्रवासियों के साथ राउण्ड टेबल मीटिंग की

उन्होंने माइन्स मिनरल्स कैमिकल्स, टैक्सटाइल्स, आईटी और शेखावाटी हवेली पर विस्तार से चर्चा की

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कोलकाता में प्रवासी राजस्थानी मीट के दौरान विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों के उद्यमियों और निवेशकों के साथ राउंडटेबल बैठक की।

जयपुर/कोलकाता, 28 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कोलकाता में प्रवासी राजस्थानी मीट के दौरान माइन्स और मिनरल्स, केमिकल्स, टेक्सटाइल एवं होजरी, आईटी और शेखावाटी हवेलियों पर केन्द्रित सेक्टोरल राउंडटेबल की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने राजस्थान के तेजी से बदलते औद्योगिक परिदृश्य के बारे में उद्यमियों, निवेशकों और प्रवासी राजस्थानियों को विस्तृत रूप से जानकारी दी।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रवासी निवेशकों से कहा कि बालोतरा में महत्वपूर्ण रेयर अर्थ एलिमैंट्स के भंडार की खोज ने राजस्थान में औद्योगिक विकास के नये युग की शुरुआत की है।**

शर्मा ने राउंड टेबल में चर्चा करते हुए कहा कि ग्रेनाइट और संगमरमर के प्रचुर भंडार के साथ-साथ, राजस्थान जस्ता, सीसा और चूना पत्थर का अग्रणी उत्पादक राज्य भी है। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों और निवेशकों को खनिज प्रसंस्करण, डाउनस्ट्रीम उद्योगों और सस्टेनेबल माइनिंग में अवसरों का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बालोतरा के शिवना रिंग कॉम्प्लेक्स में महत्वपूर्ण रेयर अर्थ एलिमेंट्स (आरईई) के भंडार की खोज के साथ, प्रदेश औद्योगिक विकास के एक नए युग की शुरुआत करने जा रहा है। यह भारत का पहला हार्ड रॉक आरईई ब्लॉक बन गया है। उन्होंने कहा कि यह खोज आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि यहां मिलने वाले 17 खनिज इलेक्ट्रिक वाहनों और उच्च तकनीक निर्माण के लिए महत्वपूर्ण हैं। मुख्यमंत्री ने टेक्सटाइल और होजरी क्षेत्र के प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए कहा कि राजस्थान देश का सबसे तेजी से उभरता टेक्सटाइल डेस्टीनेशन है। टेक्सटाइल सिटी के रूप में भीलवाड़ा ने राजस्थान को नई पहचान दी है।

बांग्लादेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विचार का भारत ने कड़ा विरोध किया है। पाकिस्तानी जनरल और सैन्य अधिकारी यह संकेत भी दे रहे हैं कि पाकिस्तान और बांग्लादेश मिलकर भारत के खिलाफ एक सुनियोजित युद्ध छेड़ सकते हैं। इस दृष्टि से पाकिस्तान यह धमकी दे रहा है कि भविष्य में भारत-पाक संघर्ष पूर्वी सीमा से शुरू हो सकता है और निर्णायक साबित हो सकता है। भारत की इस क्षेत्र में कुछ कमजोरियां हैं। अगर बांग्लादेश में पाकिस्तानी सैन्य उपस्थिति मजबूत होती है, तो यह उत्तर बंगाल की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकती है। खासकर "चिकन नैक" कहलाने वाले सिलीगुड़ी गलियारे के लिए, क्योंकि अगर यह गलियारा कट जाता है, तो भारत का पूर्वोत्तर राज्यों से सीधा संपर्क टूट जाएगा। अगर हालात ऐसे ही बने रहते हैं, तो पाकिस्तान समर्थित उग्रवादी संगठनों का बांग्लादेश में जमावड़ा भारत की शांति और स्थिरता के लिए गंभीर खतरा है। इसलिए भारतीय सेना को अपनी पूर्वी सीमा की सुरक्षा और तैयारी को काफी हद तक मजबूत करना होगा, ताकि आने वाले समय में किसी भी गंभीर चुनौती का सामना किया जा सके। शायद, इसके लिए कुछ शुरुआती सक्रिय कदम अभी से उठाने जरूरी हैं।

जनसुराज पार्टी के मुखिया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनाव अधिकारी ने बताया, किशोर बिहार के रोहतास जिले के सासाराम संसदीय क्षेत्र के कर्गहाड़ विधानसभा क्षेत्र में अपने पैतृक स्थान पर भी पंजीकृत हैं और उनका मतदान केन्द्र मध्य विद्यालय, कोनर है।

इस मामले पर बात करते हुए, चुनाव अधिकारी ने 1950 के जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 17 का हवाला दिया, जिसके अनुसार कोई व्यक्ति एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता के रूप में पंजीकृत नहीं हो सकता।

यदि कोई व्यक्ति अपने पते में परिवर्तन करता है, तो उसे नए स्थान पर अपने नाम को शामिल करने के लिए "फॉर्म 8" भरकर आवेदन करना होता है, जो यह घोषणा करता है कि वह अपना ठिकाना बदल चुका है और पहले के स्थान पर मतदाता सूची से अपने नाम को हटाने की सहमति देता है।

जब इस कथित अनियमितता के बारे में पूछा गया, तो जन सुराज पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता कुमार सौरभ सिंह ने कहा, "यह चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। उसने बिहार में एसआईआर की शुरुआत बहुत धूमधाम से की थी। इतने सारे नाम डिलीट कर दिए गए थे। आयोग प्रशांत किशोर जैसे नामी व्यक्ति के मामले में लापरवाही कर सकता है, तो आप कल्पना कर सकते हैं कि अन्य जगहों पर चुनाव आयोग की सतर्कता कैसी रही होगी।" हालांकि, उनसे पूछा गया कि क्या किशोर ने बिहार के मतदाता सूची में शामिल होने से पहले पश्चिम बंगाल से अपने नाम को हटाने का आवेदन किया था तो उन्होंने कहा, प्रशांत किशोर एक शिक्षित व्यक्ति हैं। उन्हें अपनी जिम्मेदारियों का अच्छा ज्ञान है। चलिए, चुनाव आयोग अगर यह सोचता है कि हमने कोई गलत काम किया है, तो वह हमसे संपर्क कर सकता है। हमारी कानूनी टीम इसका जवाब देगी।

इस बीच, बिहार में जहां किशोर का चुनावी राजनीति में प्रवेश दोनों प्रतिद्वंदी गठबंधनों को परेशान कर रहा है, दोनों ने जन सुराज पार्टी के नेता पर निशाना साधा।

जद (यू) के प्रवक्ता नीरज कुमार ने मीडिया से कहा, "यह हास्यास्पद है कि प्रशांत किशोर, जिनकी सभी संस्थाएँ दिल्ली में हैं और जो बिहार के रहने वाले हैं, ने पश्चिम बंगाल में मतदाता के रूप में पंजीकरण कराया। कब से चुनाव रणनीतिकार बनने के लिए आपको उस राज्य में मतदाता होना आवश्यक हो गया, जहां आप अपनी सेवाएं दे रहे हैं?" जद (यू) नेता ने आगे कहा, "हमें संदेह है कि किशोर ने ममता बनर्जी के साथ कोई समझौता करने की कोशिश की थी कि 2021 के चुनावों में उनकी जीत के बाद वे उन्हें राज्यसभा में भेजेंगी। उच्च सदन का सदस्य बनने के लिए उन्हें उस राज्य का निवासी होना पड़ता था। लेकिन तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने मुख्यमंत्री के रूप में लौटने के बाद शायद उन्हें नज़रअंदाज कर दिया। इसलिए गुस्से में आकर, उन्होंने राजनीतिक सलाहकार के व्यवसाय से "सेवानिवृत्त" होने का नाटक किया।

भाजपा ने भी कहा, यह कोई छोटी चूक नहीं, बल्कि एक घिनौना अपराध है।

भाजपा ने चुनाव आयोग से किशोर के खिलाफ तत्काल और कठोर जांच की मांग की।

राजद के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा, "यह घटना पूरी तरह से एसआईआर नाम के पाखंड का पर्दाफाश करती हे, जो पहले बिहार में चलाया गया और अब यह देश भर में चलाया जा रहा है। सत्तारूढ़ एनडीए के कई नेता एक से अधिक स्थानों पर मतदाता के रूप में पंजीकृत पाए गए। अब, प्रशांत किशोर, जिन पर हमें संदेह है कि वे एनडीए की मदद कर रहे है, इस सूची में शामिल हो गए हैं। उन्हें इसका स्पष्टीकरण देना चाहिए।"

क्या ट्रंप और शी जिनपिंग की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पारिस्थितिकी प्रणालियों के बढ़ते विभाजन से चिह्नित है। ट्रंप के लिए, यह एक अवसर है अमेरिका की नेतृत्व क्षमता और प्रभाव को फिर से स्थापित करने का, जबकि शी के लिए, जो आर्थिक मंदी और घरेलू अशांति का सामना कर रहे हैं, यह एक शक्ति परीक्षण है-यह एक अवसर है यह दिखाने का कि चीन वॉशिंगटन के बराबर एक कूटनीतिक शक्ति बना हुआ है।

बातचीत का दायरा व्यापार से आगे बढ़ सकता है, इसमें उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे एआई, सेमीकंडक्टर्स, और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर नियंत्रण की चर्चा होगी। इसका परिणाम यह तय कर सकता है कि अमेरिकी या चीनी मानक इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में हावी होंगे। भारत के लिए, जो अपनी सेमीकंडक्टर और डिजिटल संप्रभुता की संरचना बना रहा है, बुसान के संकेत महत्वपूर्ण होंगे। एक प्रौद्योगिकी डिटेंट निवेशों के लिए प्रतिस्पर्धा को बढ़ा सकता है, जबकि गहरी अपवर्तन भारत को एक तटस्थ डिजिटल हब के रूप में अपनी स्थिति को सुदृढ़ करने का अवसर दे सकती है, जो पूर्व और पश्चिम के बीच सेतु का कार्य करे।

सुरक्षा मुद्दे भी महत्वपूर्ण होंगे। दक्षिण चीन सागर में समुद्री तनाव, क्रॉस-स्टेट अस्थिरता, और यूक्रेन युद्ध सभी संभावित विषय हैं। किसी भी अमेरिकी-चीन समझौते से नौसैनिक संचालन पर प्रभाव पड़ सकता है, जो भारत की अपनी भूमिका को क्वाड में और इंडो-पैसिफिक रणनीति में प्रभावित कर सकता है। अगर ट्रंप शी से रूस के साथ रिश्तों को सीमित करने का दबाव डालते हैं, तो बीजिंग कहीं और प्रभाव बनाने की कोशिश कर सकता है, शायद भारत के खिलाफ सीमा पर अपनी स्थिति मजबूत करने या तनाव कम करने के लिए कुछ संकेत दे सकता है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था इस टकराव की पृष्ठभूमि है। महामारी के बाद के विघटन, महंगाई, और संघर्षों ने स्थिरता को नष्ट कर दिया है। चीन की वृद्धि मंद पड़ रही है और पश्चिमी अर्थव्यवस्थाएं संघर्ष कर रही हैं, ट्रंप और शी आर्थिक मार्गों के दो भिन्न रास्तों का प्रतिनिधित्व करते हैं-एक संरक्षणवादी और दूसरा राज्य-निर्देशित। बुसान में उनका रुख वैश्विक व्यापार में पूर्वानुमान की क्षमता को पुनः स्थापित कर सकता है या इसे और अधिक विभाजित कर सकता है।

भारत के लिए, इस शिखर सम्मेलन का परिणाम अवसर और जोखिम का संतुलन निर्धारित करेगा। नई दिल्ली की चुनौती यह है कि वह रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए दोनों शिविरों के लिए अपरिहार्य बने रहे। इस प्रकार, बुसान की बैठक केवल एक कूटनीतिक तमाशा नहीं है, यह इस बात की परीक्षा है कि क्या दुनिया की दो महाशक्तियां प्रतिस्पर्धा को बिना टूटने के नियंत्रित कर सकती हैं, और क्या भारत इसे रणनीतिक लाभ में बदल सकता है, जब महान शक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा फिर से प्रकट हो रही है।

'ग्रेट फ्लॉप को महासफलता कैसे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सूत्रों के अनुसार, गहलोत के पास इसका कोई जवाब नहीं था और उन्होंने कहा कि इसमें कोई समस्या नहीं है।

अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, गहलोत कांग्रेस के लिए कोई डील प्राप्त नहीं कर पाए और इसके बजाय, वे पूरी तरह से विफल साबित हुए। जब वीआईपी के नेता सहनी को उपमुख्यमंत्री घोषित किया गया, तब भी गहलोत कांग्रेस के लिए उपमुख्यमंत्री का पद नहीं दिला सके। कांग्रेस और आरजेडी के बीच 8 सीटों पर दोस्ताना संघर्ष चल रहा था, लेकिन गहलोत आरजेडी से इन सीटों से अपने उम्मीदवारों को वापस लेने के लिए नहीं कह पाए। असल में गहलोत ने कुछ नहीं किया, सिवाय लालू यादव के सामने समर्पण करने के, और वे कांग्रेस के लिए कोई अच्छी खबर नहीं ला सके। जब तेजस्वी को महागठबंधन का चेहरा घोषित किया गया, तो अल्लुवेरा कहीं भी नजर नहीं आए, बल्कि वे दूर कहीं कोने में थे।

मैनिफेस्टो रिलीज़ के दौरान भी वे कहीं दिखाई नहीं दिए।

गहलोत का प्रचार और मीडिया मशीनरी नई दिल्ली से जयपुर, पटना तक ओवरटाइम काम कर रही है यह बताने के लिए कि उन्होंने एक शानदार काम किया है, कांग्रेस और आरजेडी के बीच गतिरोध को हल किया, वे सोनिया और राहुल गांधी की नज़रों में फिर से चढ़ गए हैं और बिना उनके यह समस्या नहीं सुलझ सकती थी। उनके प्रियजन ट्वीट कर रहे हैं और इस बात पर लिख रहे हैं कि उन्होंने एक कठिन स्थिति को कैसे संभाला, जबकि वेणुगोपाल ने उन्हें तब बुलाया, जब अल्लुवेरा, यादव नेतृत्व और कांग्रेस पार्टी के बड़े हिस्से को नाराज कर चुके थे। इसके अलावा, गहलोत द्वारा सोशल मीडिया पर एक प्रोपेगेंडा चलाया गया है कि सोनिया गांधी अब उनसे सीधे टेलीफोनिक संपर्क में हैं और उन्होंने सोनिया से कहा है कि वे उनसे सीधे बात करें और उन्हें निर्देश दें। कांग्रेस के आंतरिक मामलों के जानकार एक बड़े नेता ने कहा कि कांग्रेस में भ्रम और आपसी निर्णयों की स्थिति आगामी चुनावों में कांग्रेस के लिए शुभ संकेत नहीं है।

'नीतीश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनाव बाद गठबंधन की संभावना पर पर्दे के पीछे बातचीत शुरू कर दी है।

अगर अतीत को भविष्य का संकेतक माना जाए, तो नीतीश कुमार की वापसी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। अतीत में जब-जब उन्हें राजनीतिक रूप से कमजोर या खत्म मान लिया गया, तब-तब वे पहले से ज्यादा ताकतवर रुप में सामने आये हैं।

'गलती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के बाद चुनाव आयोग ने सब कुछ ठीक होने का दावा किया था, फिर अनियमितता क्यों मिल रही है। उन्होंने कहा कि बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान मतदाताओं के नाम काटने की कोशिश की गयी, डराया गया और यदि उनका नाम दो जगहों पर दर्ज था तो उसे काट कर हटाया क्यों नहीं गया।

उन्होंने कहा कि बीच के समय में वे दो साल तक बंगाल में थे, तब उनका नाम वहां की मतदाता सूची में था , लेकिन 2019 से उनका नाम बिहार में करगहर विधानसभा के मतदाता के रूप में है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः2386031, 2386032, फैक्सः0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्सः01562-256908